RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 33 ■ अंक 334 ■ मुंबई, बुधवार 25 जून 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

धारा 370 के बाद - बदलता कश्मीर

पेज-4

पीडीए वाले कथा सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते?

पेज-6

घर में शिवलिंग की स्थापना के उपाय

पेज-8

ऐतिहासिक शतक के बाद गावस्कर ने ऋषभ पंत से गुलाटी मारने को कहा

पेज-9

'भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं'

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले पीएम मोदी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे भारत ने 22 मिनट में दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हाल ही में ये भी देखा है कि भारत का सामर्थ्य क्या है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की

कठोर नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। आज का भारत देशहित में जो भी सही है उसके हिसाब से कदम उठाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज ये परिसर देश के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को याद करने का साक्षी बन रहा है। एक ऐसी ऐतिहासिक घटना, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता के उद्देश्य को नए मायने दिए। 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की वो मुलाकात आज भी उतनी की प्रेरक है, उतनी ही प्रासंगिक है। 'प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '100 साल पहले वो मुलाकात, सामाजिक समरसता के लिए, विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के स्रोत की तरह है।

तोड़ा सीजफायर... ट्रंप फायर

ट्रम्प से नेतन्याहू बोले- पहले हमला ईरान ने किया, हम जवाब देंगे

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

इजराइल-ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार सुबह सीजफायर का ऐलान किया। हालांकि यह कुछ घंटों में ही टूट गया और ट्रंप फायर हो गए। सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं।

ईरानी हमले के जवाब में इजराइल ने अपनी सेना को तेहरान में हमले का आदेश दिया था। थोड़ी देर पहले इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक रडार साइट पर हमला किया। इजराइली आर्मी रेडियो ने हमले की पुष्टि की है। ताजा हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल PM बेंजामिन नेतन्याहू को फोन करके ईरान पर हमला रोकने को कहा था। नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा, 'मैं हमला नहीं रोक सकता, क्योंकि ईरान ने पहले सीजफायर का उल्लंघन किया और उसे जवाब देना जरूरी है।

दोनों देशों के बीच जारी जंग के 12वें दिन, मंगलवार सुबह 3:32 बजे ट्रम्प ने सीजफायर पर सहमति बनने का ऐलान किया था। सुबह

10:38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा- 'अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें।' लेकिन ट्रंप की बात का मजाक बन गया बाद में ईरान ने कहा यदि इजराइल हमला नहीं करेगा तो हमारी तरफ से हमला नही होगा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले के एक दिन बाद कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को फोन किया। ईरान के राष्ट्रपति ने कतर से उसके देश में अमेरिकी एयरबेस पर हमले के लिए माफी मांगी।

इजराइली हमले में ईरान सेना IRGC के इंटेलिजेंस डिप्टी चीफ की मौत

वाई नेट मीडिया के मुताबिक ईरानी सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) के इंटेलिजेंस डिप्टी चीफ अली रजा लतीफी इजराइली हमले में मारे गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह हमला कौन सा था और कब हुआ था।

ट्रम्प से बातचीत के बाद नेतन्याहू ने और हमले पर लगाई रोक

इजराइली PM नेतन्याहू के ऑफिस ने तेहरान में ताजा हमले के बाद कहा है कि वह ईरान पर अब सिर्फ अटैक करेगा। PM नेतन्याहू के ऑफिस ने अपने बयान में कहा, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बातचीत के बाद इजराइल ने आगे और कार्रवाई पर रोक लगाने का फैसला किया है।'

ट्रम्प बोले- ईरान और इजराइल दोनों ने सीजफायर तोड़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि इजराइल और ईरान दोनों ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। ट्रम्प ने हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह दोनों देशों से खुश नहीं हैं, खासकर इजराइल से, जिसने समझौते पर सहमति जताने के तुरंत बाद ही सीजफायर तोड़ दिया।

ट्रम्प बोले- मैं ईरान में तख्तापलट के खिलाफ

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर ईरान में तख्ता पलट के अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं तख्ता पलट नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि सब कुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। तख्ता पलट से अशांति फैलती है और हम इतनी अशांति नहीं देखना चाहते।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो दिन पहले ही ईरान में सत्ता परिवर्तन के संकेत दिए थे। शनिवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि 'अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए।

अब PF अकाउंट से निकाल सकेंगे पांच लाख रुपये

नई दिल्ली। अब PF अकाउंट से इमरजेंसी या जरूरत के समय 72 घंटे में 5 लाख तक निकाल सकेंगे। पहले ये लिमिट 1 लाख थी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने 24 जून को इसकी जानकारी दी।

इससे पहले श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने 28 मार्च को श्रीनगर में हुई EPFO की कार्यकारी समिति (EC) की 113वीं बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया था।

- ऑटो सेटलमेंट में PF विड्रॉल क्लेम को सिस्टम द्वारा अपने आप प्रोसेस किया जाता है। इसमें अफसरों के हस्तक्षेप की जरूरत बहुत कम या बिल्कुल नहीं होगी।
- अगर आपका UAN (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) आधार, पैन और बैंक खाते से लिंक है, और KYC पूरी तरह से अपडेटेड है, तो सिस्टम आपके क्लेम की जांच करता है।
- यह प्रक्रिया तेज होती है क्योंकि यह पूरी तरह से ऑनलाइन और IT सिस्टम पर आधारित होती है। ऑटो सेटलमेंट में क्लेम 3-4 दिन में प्रोसेस हो जाता है।
- EPFO ने कुछ खास तरह के क्लेम (जैसे मेडिकल, शिक्षा, शादी, या मकान बनाने/खरीदने के लिए) के लिए ऑटो सेटलमेंट की सुविधा शुरू की है।

भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार होगी और तेज

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान को बढ़ाकर 6.5% कर दिया है। यह अनुमान सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों को देखते हुए लगाया गया है। हालांकि, एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते ग्लोबल इकोनॉमी के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर हो सकता है।

मंगलवार को रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हम वित्त वर्ष 2025-26 (31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रहने की उम्मीद करते हैं। ग्रोथ का यह अनुमान भारत को नई ऊंचाई देगा।

राम मंदिर को 175 किलो सोना का 'महादान'

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में देश-विदेश से तमाम प्रमुख हस्तियों, उद्योगपतियों और आम जनता दिल

खोलकर दान कर रहे हैं। इसमें कुछ नाम खास तौर पर चर्चा में रहे हैं जिन्होंने बड़ी रकम दान की। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने गुप्त दान किया है। खबरों के मुताबिक मुंबई के रहने वाले एक उद्यमी ने 175 किलो सोना (करीब 150 करोड़ रुपये) गुप्तदान किया है। इससे मंदिर के दरवाजे-चौखट लगाए गए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट के लिए मिले एक अरब डॉलर

मुंबई। अडानी ग्रुप की एयरपोर्ट कंपनी ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अपग्रेड करने के लिए 1 अरब डॉलर (करीब 8618 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। यह राशि दुनिया के बड़े निवेशकों से मिली है, जिनमें अपोलो मैनेज्ड फंड्स, ब्लैकरॉक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक जैसी प्रमुख संस्थाएं शामिल हैं। 750 मिलियन डॉलर (लगभग 6464 करोड़ रुपये) के बॉन्ड जारी किए गए, जो जुलाई 2029 तक चलेंगे। इनका इस्तेमाल पुराने कर्ज को चुकाने (रिफाइनेंसिंग) के लिए किया जाएगा। बाकी 250 मिलियन डॉलर (2,154 करोड़ रुपये) बाद में जुटाए जा सकते हैं।

राहुल कब तक चलाएंगे हवा में तीर?

काले कौवे से डरियो... CM देवेंद्र फडणवीस का तंज

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र की चुनावी हार पर राहुल गांधी के सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीखा पलटवार किया है। पोस्ट में फडणवीस ने काले कौवे की कहावत के सहारे कांग्रेस सांसद पर निशाना साधा और कहा कि 'झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो...'। इससे पहले राहुल गांधी ने नवंबर 2024 में हुए महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था। राहुल का कहना है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और फर्जी मतदान हुआ है और इसमें चुनाव आयोग की चुप्पी

सवाल खड़े करती है। फिलहाल चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को सवालों का जवाब देने के लिए बुलाया है। सीएम ने कहा कि राहुल करारी हार से आहत हैं, लेकिन उनका बिना तथ्यों के हवा में तीर चलाना सही नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राहुल के आरोपों के उलट कई ऐसे विधानसभा क्षेत्र हैं जहां 8% से ज्यादा नए मतदाता जुड़े और फिर भी कांग्रेस या उसके सहयोगियों की जीत हुई।

फडणवीस ने राहुल को यूं दिया जवाब

फडणवीस ने अपनी पोस्ट में कहा, पश्चिम नागपुर : – 7% यानी 27,065 मतदाता बढ़े, कांग्रेस के विकास ठाकरे जीते। उत्तर नागपुर में 7% यानी 29,348 मतदाता बढ़े, कांग्रेस के नितिन राऊत जीते। वड़गांव शेरी (पुणे) में 10% यानी 50,911 मतदाता बढ़े, शरद पवार गुट के बापूसाहेब पठारे जीते। मालाड पश्चिम में 11% यानी 38,625 मतदाता बढ़े, कांग्रेस के अस्लम शेख जीते। मुंब्रा : 9% यानी 46,041 मतदाता बढ़े, शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड जीते।

महाराष्ट्र में बनेगा देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने मंगलवार को एक अति महत्वाकांक्षी 'महाराष्ट्र शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे' को मंजूरी दे दी। यह एक्सप्रेसवे 800 किलोमीटर लंबा होगा, जो पूर्वी महाराष्ट्र को दक्षिणी कोंकण से जोड़ते हुए 12 जिलों से होकर गुजरेगा। कैबिनेट की हुई बैठक में इसके निर्माण के लिए 20,787 करोड़ रुपये के आवंटन को भी मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। अधिकारियों के मुताबिक, 802 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे वर्धा जिले के पवनार को सिंधुदुर्ग जिले में महाराष्ट्र-गोवा सीमा पर स्थित पात्रादेवी से जोड़ेगा। इस एक्सप्रेसवे से नागपुर और गोवा के बीच यात्रा का समय मौजूदा 18 घंटे से घटकर सिर्फ आठ घंटे रह जाने की उम्मीद है। हाई-स्पीड कॉरिडोर वर्धा, यवतमाल, हिंगोली, नांदेड़, परभणी, बीड, लातूर, धाराशिव, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर, सिंधुदुर्ग जिलों से होकर गुजरेगा।

मुंबई-दिल्ली जैसे एयरपोर्ट्स पर सुरक्षा में बड़ी खामियां

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन हादसे के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) पूरे देश के एयरपोर्ट्स पर जांच टीमें भेज रहा है। जांच के बाद सामने आया कि मुंबई, दिल्ली सहित कई बड़े एयरपोर्ट पर सुरक्षा में बड़ी खामियां हैं।

DGCA ने मंगलवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया कि एक एयरपोर्ट पर रनवे पर लाइन मार्किंग ही धुंधली थी। ये प्लेन की लैंडिंग और टेकऑफ के लिए बनाई जाती हैं। एक एयरपोर्ट पर टेकऑफ से पहले प्लेन के टायर घिसे हुए मिले। कुछ जगहों पर दस्तावेज सही तरह मेंटेन नहीं किए गए, तो कहीं शिकायत बुक में खामी दिखी। एयरपोर्ट्स के आसपास की इमारतों के निर्माण का डेटा 3 साल से अपडेट नहीं था। DGCA के जॉइंट डायरेक्टर जनरल की निगरानी में दो टीमों ने 7 मानकों पर जांच की। ये जांच 19 जून के बाद की गई थी।

एक जुलाई से ट्रेन सफर होगा महंगा!

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अगर आप ट्रेन से सफर करते हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है। अगले महीने से रेल यात्रियों को झटका लगने वाला है। दरअसल, भारतीय रेलवे कोविड-19 महामारी के बाद पहली बार यात्री ट्रेन किराए में बढ़ोतरी करने जा रहा है। किराए में मामूली बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से लागू होगी।

नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के टिकट दाम

सूत्रों के हवाले से खबर है कि नॉन-AC मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए यात्री किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की

बढ़ोतरी की जाएगी। AC क्लास के लिए किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। बता दें कि 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए उपनगरीय टिकट और सेकंड क्लास की यात्रा के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। 500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, वृद्धि आधा पैसा प्रति किलोमीटर होगी। इसके अलावा, मासिक सीजन टिकट में भी कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

बता दें कि ऑनलाइन तत्काल टिकट धांधली को देखते हुए 1 जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार आधारित ओटीपी वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। 1 जुलाई, 2025 से तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए आधार सर्टिफिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है।

एक जुलाई से लागू होने वाला संशोधित किराया

- उपनगरीय किराए में कोई वृद्धि नहीं होगी।
- मासिक सीजन टिकट की कीमतें अपरिवर्तित रहेंगी।
- सेकंड क्लास में 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराया नहीं बढ़ाया जाएगा।
- सेकंड क्लास में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए, किराया प्रति किलोमीटर आधा पैसा बढ़ जाएगा।
- मेल और एक्सप्रेस (नॉन-AC) ट्रेनों में किराया 1 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ जाएगा।
- AC क्लास में किराया 2 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ जाएगा।

वर्गीकृत विज्ञापन

चाहिए....!

अंधेरी पूर्व एमआयडीसी के लिए हेल्पर्स चाहिए।

ड्युटी 8 घंटा।

वेतन रोज 500/-

संपर्क-9619291288

नोटिस विज्ञापनों में प्रकाशित दावों का इस अखबार से कोई लेना-देना नहीं है। पाठकों से निवेदन है कि विज्ञापन आजमाने से पहले कृपया अपने स्तर पर पुष्टि कर स्वयं को संतुष्ट कर लें।

- संपादक

महाराष्ट्र में लागू हुई ई-कैबिनेट प्रणाली

■ सभी मंत्रियों को मिले आईपैड

■ देश के छह राज्यों में जारी है यह व्यवस्था

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने वाला देश का सातवां राज्य बन गया है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और त्रिपुरा में यह प्रणाली लागू हो चुकी है, जबकि पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारी चल रही है। मंगलवार 24 जून को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में कागज रहित ई-कैबिनेट की पहली बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 100 दिवसीय कार्यक्रम के एक भाग के रूप में तथा डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप महाराष्ट्र सरकार ने नागरिक सेवाओं को डिजिटल प्रारूप में अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। यह कदम सरकार और नागरिकों के बीच की दूरी को कम करके प्रशासन को करीब लाने के लिए उठाया गया है।

राजस्व विभाग से संबंधित विषयों पर बैठक

राज्य सरकार का ई-कैबिनेट उपक्रम महाराष्ट्र को ई-गवर्नेंस क्षेत्र में आगे ले जाएगा और आधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से कुशल और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में अगला कदम होगा। ई-कैबिनेट प्रणाली को लागू करने के लिए सरकार मंत्रियों और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को एप्पल आईपैड मुहैया कराए गए हैं। सरकार ने 1.16 करोड़ रुपए की लागत से मंत्रियों और आला अधिकारियों के लिए एप्पल आईपैड खरीदे हैं। ई-कैबिनेट प्रणाली के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) की तरफ से विशेष इंजीनियर नियुक्त किए गए हैं, जो मंत्रियों को आवश्यक तकनीकी सहायता कर रहे हैं। मंत्रियों को उपलब्ध कराए गए आईपैड केवल 'ई-कैबिनेट' तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका उपयोग ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कहीं से भी मामलों पर निर्णय लेने, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डैशबोर्ड पर योजनाओं की प्रगति पर नजर रखने और 'आपले सरकार' जैसे नागरिक-संबंधी अनुप्रयोगों की निगरानी के लिए किया जाएगा। चूंकि कई सरकारी एप्लीकेशनों को मोबाइल एप में परिवर्तित किया जा रहा है, इसलिए आईपैड मंत्रियों के लिए कार्यालय संबंधी कार्यों के लिए बहुत उपयोगी उपकरण होगा।

ई-गवर्नेंस की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति

महाराष्ट्र ने डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कागज रहित ई-गवर्नेंस की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह प्रगति कई प्रणालियों जैसे 'ई-ऑफिस', 'सेंट्रल रजिस्ट्री यूनिट', 'आपले सरकार' और जिला स्तरीय सुशासन सूचकांक के कारण संभव हुई है। इसके अतिरिक्त, प्रशासन को अधिक गतिशील और पारदर्शी बनाने के लिए लिपिक कर्मचारियों से लेकर मंत्रियों तक, सरकारी तंत्र के सभी स्तरों पर ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है।

पुलिस की गिरफ्त में सोने के गहने चुराने वाले

काशिमीरा। मिरारोड निवासी महिला ने काशिमीरा पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता महिला ने शिकायत में दर्ज कराया था की उनके विजय पार्क स्थित घर से किसी अज्ञात व्यक्ति ने कपाट में से गोदरेज कंपनी की तिजोरी चोरी की है। इस तिजोरी में 428.674 मिलीग्राम वजन के सोने के गहने थे। इन गहनों की किमत 40 लाख 2 हजार 740 रुपए है । शिकायत मिलने के बाद मिरा - भायंदर , वसई - विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त मधुकर पांडेय , अपर पुलिस आयुक्त दत्रातय शिंदे, परिमंडल 1 के पुलिस उप आयुक्त प्रकाश गायकवाड़ , मिरारोड विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. विजय कुमार मराठे, काशिमीरा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कांबले, अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रणजीत आंधले के मार्गदर्शन में सीनियर पुलिस निरीक्षक योगेश काले और उनकी टीम ने इस मामले में जांच करके दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं । गिरफ्तार आरोपियों के नाम राजस्थान के जोधपुर निवासी कैलास भगत पटेल एवं मिरारोड निवासी मयुर राजकुमार रल्हाण है । पुलिस ने इनके पास से चोरी हुए गहनों में से 35 लाख 1 हजार 588 रुपए के गहनों के अलावा गोदरेज की तिजोरी एवं इसको काटने मे प्रयोग किए गए कटर मशीन बरामद की हैं ।

ओएसडी और पीए की नियुक्ति को लेकर महायुति में घमासान

■ मुख्यमंत्री का आदेश अपने मूल विभाग में चले जाएं ओएसडी और पीए ?

■ आदेश का पालन न करने वाले अधिकारियो को देना पड़ेगा जवाब

मुंबई। राज्य की महायुति सरकार में शामिल भाजपा,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के बीच में पिछले कई महीनों से मतभेद की चर्चा है जो अब सामने आती दिख रही है। देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रियों के निजी सचिव (पीए)और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) की नियुक्ति को लेकर बड़ा आदेश दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक फडणवीस ने अपने आदेश में सभी मंत्रियों के यहां कार्यरत निजी सचिव और विशेष कार्य अधिकारी को अपने-अपने मूल विभाग में जाने के लिए कहा है। फडणवीस के इस आदेश के बाद शिवसेना राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मंत्री नाराज हो गए हैं,महायुति में मतभेद बढ़ गया है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह आदेश पहले ही संबंधित निजी सहायकों को मौखिक रूप से दिए थे। मौखिक आदेश का पालन न होने के बाद अब मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखित आदेश जारी कर मंत्रियों के निजी सहायकों को तुरंत अपने मूल विभागों में जाने का आदेश दिया है,अगर यह आदेश मिलने के बाद भी वे अपने मूल विभागों में नहीं जाते हैं तो संबंधित सरकारी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रियों के कार्यरत निजी सचिव और विशेष कार्य अधिकारी को अपने मूल विभाग में जाने के लिए आदेश दिया है,फडणवीस के इस आदेश के बाद महायुति में हलचल मचा हुआ है,क्योंकि प्रत्येक मंत्री अपने बेहद करीबी और भरोसेमंद को ही निजी सहायक और ओएसडी बनाता है, इन पदों पर अधिकारियों का चयन करते समय मंत्री इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी पसंद के अधिकारी नियुक्त किए जाएं।

गायत्री नगर में पहाड़ी खिसकी, पांच मकान क्षतिग्रस्त

भिवंडी। भिवंडी में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार रात शहर के प्रभाग समिति क्रमांक 2 के वार्ड नंबर 12 स्थित गायत्री नगर में एक पहाड़ी खिसकने की घटना सामने आई, जिसमें पांच मकानों को नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पालिका अधिकारी मकसूम शेख और माणिक जाधव ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित इलाके में मई महीने में ही मकान खाली करने की नोटिस जारी कर दी गई थी। चेतावनी के बाद तीन मकानों के निवासियों ने समय रहते घर खाली कर दिए थे, जबकि दो परिवार अब भी वहां रह रहे थे। बारिश के चलते सोमवार रात एक बड़ा पेड़ उन मकानों पर गिर गया, जिससे पहाड़ी का मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मकानों पर आ गिरे। हादसे में मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं,लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई।पालिका ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज सुबह से आसपास के मकानों को खाली करवाने का काम शुरू कर दिया है,ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

टूरिस्ट, स्टूडेंट वीजा पर अफ्रीका से ड्रग्स तस्करी

दुबले-पतले, स्वस्थ तस्कर निगलकर कोकीन कैप्सूल की करते थे तस्करी

वसई। मीरा-भयंदर, वसई-विरार पुलिस की अपराध शाखा ने एक ऐसे जघन्य अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है,जिसने देश की सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को झकझोर कर रख दिया है। इस सनसनीखेज मामले में नाइजीरिया, कैमरून और गिनी जैसे अफ्रीकी देशों के नागरिक कथित तौर पर स्टूडेंट और टूरिस्ट वीज़ा का दुरुपयोग कर भारत में ड्रग्स की तस्करी कर रहे थे। इस रैकेट का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि ये शातिर तस्कर अपने शरीर के अंदर कोकीन के 35 कैप्सूल तक निगलकर भारत लाते थे, जिससे "मानव वाहक" के माध्यम से होने वाली इस खतरनाक तस्करी का नया चेहरा सामने आया है।

अपराध शाखा के सूत्रों के अनुसार, इस खतरनाक काम के लिए विशेष रूप से "दुबले-पतले और स्वस्थ" तस्करों का चुनाव किया जाता था। इन्हें अपनी 20 घंटे की लंबी उड़ान के दौरान कुछ भी खाने-पीने की सख्त मनाही होती थी। इस कठोर निर्देश के पीछे का मकसद स्पष्ट था: शरीर के अंदर निगले गए कोकीन कैप्सूल के फटने का खतरा टालना, जो एक पल में इनकी जान ले सकता था। भारत पहुंचने और कस्टम क्लियरेंस के बाद, ये तस्कर सुरक्षित रूप से एक लॉज किराए पर लेते थे, जहां वे निगले गए कैप्सूलों को शौच के माध्यम से बाहर निकालते थे। इसके बाद, इन कैप्सूलों को सावधानीपूर्वक साफ किया जाता था और उनसे कोकीन निकालकर विभिन्न तरीकों से बाजार में बेचा जाता था। इस अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का खुलासा अप्रैल में शुरू हुआ, जब अपराध शाखा ने मीरा रोड निवासी के घर से 22 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की। इस प्रारंभिक जांच में, 42 वर्षीय बीना शेख ने पुलिस को मीरा रोड के ही एक नाइजीरियाई नागरिक, 45 वर्षीय एंडी उबा-बुदिके ओनींसे तक पहुंचाया, जिसे लगभग 2 किलो कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया था।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग

भायंदर। आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए मैथिल विकास प्रतिष्ठान ने आगे आकर ऐसे विद्यार्थियों की आर्थिक सहायता की हैं । मैथिल विकास प्रतिष्ठान द्वारा अभिनव कॉलेज में एक कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के 20 जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए 50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। इस सहायता के पीछे मैथिल विकास प्रतिष्ठान का उद्देश्य मेधावी, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को सहयोग करके उनको सक्षम बनाना हैं। अभिनव कॉलेज ने इस सहयोग के लिए मैथिल विकास प्रतिष्ठान का आभार व्यक्त किया। मैथिल विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आमोद कुमार झा, संयोजक मोहन झा , सलाहकार निलेश झा एवं संरक्षक रामसुंदर झा ने कोर कमेटी व कार्यकर्ताओं की सक्रिय भुमिका की सराहना की।

ठाणे में डिजिटल होर्डिंग्स की तेज रोशनी बनी खतरे की घंटी,नागरिकों ने जताई आपत्ति

ठाणे । शहर में मानसून की दस्तक के साथ ही डिजिटल होर्डिंग्स की तेज रोशनी का मुद्दा गरमाने लगा है। ठाणे के विविध प्रमुख ठिकानों जैसे तीन हात नाका, नितिन कंपनी, मजीवाडा, कपूरबावड़ी और कैडबरी जंक्शन परिसर में एलईडी स्क्रीनवाले डिजिटल होर्डिंग्स की चकाचौंध अब वाहनचालकों के लिए सिरदर्द बन रही है। कोपरी पुल के पास लगे ऐसे एक होर्डिंग को लेकर ठाणे के जागरूक नागरिक अजय जया ने मनपा में शिकायत दर्ज कराई हैं। बता दें कि नागरिकों का आरोप है कि इन डिजिटल होर्डिंग्स पर प्रदर्शित होने वाली एलईडी रोशनी तय मानकों से कहीं ज्यादा तीव्र है, जिससे वाहन चालकों की दृष्टि बाधित होती है और संभावित दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। नियमों के अनुसार, किसी भी डिजिटल होर्डिंग की चमक 1 कैंडेला प्रति वर्ग सेंटीमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही रात 11 बजे के बाद इन पर लाइट चालू नहीं रहनी चाहिए। विज्ञापन विभाग के नियम यह भी कहते हैं कि इन होर्डिंग्स पर केवल स्थिर चित्र ही दिखाए जा सकते हैं, जबकि कई स्थानों पर वीडियो, ऑडियोविजुअल कंटेंट या बार-बार बदलते चित्रों का उपयोग हो रहा है। नियमों के मुताबिक, चित्रों को बदलने की न्यूनतम अवधि 10 सेकंड होनी चाहिए, परंतु इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। हालांकि होर्डिंग धारकों ने मनपा को संरचनात्मक ऑडिट रिपोर्ट सौंप दी है, फिर भी डिजिटल होर्डिंग्स के प्रकाशमान नियंत्रण को लेकर ठोस उपाययोजना की आवश्यकता महसूस की जा रही है। शहर के नागरिकों का स्पष्ट मत है कि सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए और नियम उल्लंघन करनेवाले होर्डिंग्स पर जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए।

भिवंडी में 13 वर्षीय लड़की का अपहरण

भिवंडी। भिवंडी के निज़ामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक 13 वर्षीय लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरिफ गार्डेन वंजार पट्टी नाके पास रहने वाले ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने शिकायत दर्ज करवाया है। कि उनकी नाबालिग बेटी 22 जून 2025 की रात करीब 11:30 बजे घर से बाहर गई थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद 23 जून को निजामपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद इसी दिन शाम करीब 6:32 बजे पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी बेटी को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। पीड़ित परिवार इस घटना से बेहद सदमे में है और पुलिस से बच्ची की जल्द बरामदगी की मांग कर रहा है।

बोरीवली पश्चिम में खड़ी बस में लगी आग

मुंबई। बोरिवली पश्चिम स्थित वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर देविपाड़ा मेट्रो स्टेशन के पास, नेशनल पार्क के सामने एक खाली लग्जरी बस में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस और वार्ड की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर आग लगने घटना का जायजा लिया। इस बीच फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। बस खाली होने के कारण किसी के हताहत होने की घटना नहीं घटी। बस में आग लगने की घटना से मेट्रो स्टेशन परिसर में लोगों में हड़कंप का माहौल बन गया था।

बकाएदारों से मनपा वसूलेगी अधिभार

पानी का बिल बकाएदारों से मनपा वसूलेगी अधिभार

मुंबई। पानी का बिल समय पर न भरने वालो से मनपा अब अधिभार वसूलेगी। मनपा इसके पहले तक बकाया बिल पर दो प्रतिशत हर माह ब्याज वसूलती थी।मनपा ने यह निर्णय अप्रैल 2025 से बकाएदारों पर लगाया है। यह अधिभार प्रत्येक तीन महीने पर जारी होने पानी के बिल में देरी होने पर लगाया गया है।

मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि जून 2025 तक जारी किए गए बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो उस पर चरणबद्ध अधिभार लागू होगा। पहले पानी का बिल समय पर न भरने पर दो प्रतिशत ब्याज लगाया जाता था लेकिन अब इसकी जगह आसान और निश्चित अधिभार प्रणाली लागू की जा रही है। मुंबई में प्रतिदिन 4,000 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। सोसायटी, झोपड़पट्टी और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित हैं।बड़ी संख्या में नागरिक समय पर पानी का बिल नहीं भरते है। मनपा फरवरी 2020 में पानी का बकाया बिल होने पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अभय योजना शुरू की थी, जिसके तहत अतिरिक्त अधिभार से छूट दी जाती थी। यह योजना शुरू में 90 दिनों के लिए थी लेकिन कोरोना काल में आर्थिक संकट और जनप्रतिनिधियों की मांग को देखते हुए इसे कई बार बढ़ाया गया। इसके बावजूद समय पर बिल भरने वालों की संख्या में विशेष कमी नहीं आई और बकाया राशि लगातार बढ़ती जा रही है। अंततः यह योजना 31 मार्च 2025 को बंद कर दी गई। मनपा अधिकारियों के अनुसार पूर्व की दो प्रतिशत ब्याज वसूली तकनीकी व प्रशासनिक कठिनाइयां आ रही थीं।

आगे बढ़ रहे देश के लिए इनोवेशन एक मजबूत रीढ़ : डॉ. जितेंद्र सिंह

मुंबई। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि साल 2047 तक विकसित भारत निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे देश के लिए इनोवेशन एक मजबूत रीढ़ है और इस दिशा में नीति, अनुसंधान और उद्यम को जोड़ने में आईआईएम मुंबई जैसे शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। डॉ. सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। आईआईएम मुंबई ने मंगलवार को एआईसी-एनआईटीआईई इनक्यूबेशन फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एआईसी-एनआईटीआईई) के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। इस दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि एआईसी-एनआईएफआईई जैसे केंद्र भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड को मूर्त आर्थिक विकास में बदलने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर आईआईएम मुंबई के डायरेक्टर प्रो. मनोज कुमार तिवारी ने कहा, "एआईसी-एनआईएफआईई का शुभारंभ संस्थान के भीतर एक डायनमिक इनोवेशन इको-सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

नव मतदाता पंजीकरण, आधार कार्ड हेतु निःशुल्क शिविर का आयोजन

विरार। बहुजन विकास आघाड़ी और युवा विकास आघाड़ी द्वारा रविवार को वार्ड क्रमांक 29 में नव मतदाता पंजीकरण, आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए एक निःशुल्क शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर बहुजन विकास आघाड़ी के संगठन मंत्री अजीवजी पाटिल के मार्गदर्शन में पूर्व नगरसेवक हार्दिक राऊत द्वारा विराट नगर स्थित वरिष्ठ नागरिक कार्यालय में संपन्न हुआ। इस जनहितकारी शिविर से प्रभाग के लगभग 100 लोगों को सीधा लाभ मिला, जिन्होंने इन आवश्यक सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक भी वितरित की गईं। कुल मिलाकर, प्रभाग के 150 बच्चों को नोटबुक मिलीं, जिससे उनकी शिक्षा में सहायता हुई। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक अजय संघवी, वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश बक्शी, परेश भाई, श्याम भाई, भूषण चूड़ी, गणेश नांदगांवकर, श्री साने काका, जतिन पाटिल, रवि गायकवाड़ और अमेय मोरे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मध्य रेल विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ाएगा

मुंबई। मध्य रेल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाएगा जो इस प्रकार है।

1. ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 25 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 02 जुलाई से एक अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। (14 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 24 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब एक जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (14 ट्रिप)

2. ट्रेन नंबर 01461 सोलापुर - दौंड अनारक्षित दैनिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जूनतक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब एक जूलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

ट्रेन नंबर 01462 दौंड - सोलापुर अनारक्षित दैनिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 01 जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

3. ट्रेन नंबर 01465 सोलापुर - कलबुर्गी अनारक्षित दैनिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 01 जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01466 कलबुर्गी - सोलापुर अनारक्षित दैनिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब एक जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

4. ट्रेन संख्या 01023 पुणे - छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस (कोल्हापुर), दैनिक स्पेशल जिसे पहले 30 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब एक जुलाई से 30 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01024 छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस (कोल्हापुर) - पुणे, दैनिक स्पेशल जिसे पहले 27 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब एक जूलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

5. ट्रेन संख्या 01211 बडनेरा - नासिक रोड अनारक्षित दैनिक स्पेशल जिसे पहले 30 जून तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 01 जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01212 नासिक रोड - बडनेरा जंक्शन अनारक्षित दैनिक विशेष, जिसे पहले 30.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 01.07.2025 से 30.09.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

6. ट्रेन संख्या 01487 पुणे - हरंगुल, दैनिक विशेष जिसे पहले 30.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 01.07.2025 से 30.09.2025 तक बढ़ा दी गई है। (92 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 01488 हरंगुल - पुणे, दैनिक विशेष जिसे पहले 30.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था।

सफाई कर्मियों के हक में ठाणे मनपा में निर्णायक बैठक

कर्मचारीआयोग अध्यक्ष ने दिए सख्त निर्देश

ठाणे। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने वाले सफाई कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए कल ठाणे महानगरपालिका में एक अहम बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेरसिंग रूक्कानसिंग डागोर ने मनपा प्रशासन के साथ चर्चा कर सफाई कर्मियों के वेतन, स्वास्थ्य सुविधाएं, पदोन्नति, वारसा नियुक्ति और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत आढावा लिया। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी सफाई कर्मियों के लिए चेंजिंग रूम, पीएफ, स्वास्थ्य सुविधाएं और कॅशलेस इलाज की सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कंत्राटी पद्धति से काम कर रहे कर्मियों को भी सभी अधिकार और सुविधाएं दी जानी चाहिए। यदि किसी ठेकेदार द्वारा कर्मियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है, तो उसका ठेका रद्द कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए।

वित्तीय अनुशासन के लिए प्राक्कलन समिति महत्वपूर्णः बिरला

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, राज्यपाल ने दिया समापन भाषण

महानगर संवाददाता

मुंबई

संसद और राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों के विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापतियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसदीय समितियां वैधानिक निकाय नहीं हैं, बल्कि मिनी संसद के रूप में कार्य करती हैं। समितियां निगरानी करती हैं कि सार्वजनिक धन का सही उपयोग हो रहा है या नहीं। वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के लिए प्राक्कलन समितियों का महत्व अधिक है और इसके लिए जन भागीदारी और साझेदारी जरूरी है। इस दौरान बिरला ने प्राक्कलन समितियों के महत्व पर प्रकाश डाला। दो दिवसीय सम्मेलन में देश भर से आए सदस्यों ने विधानमंडल में अपने अनुभव

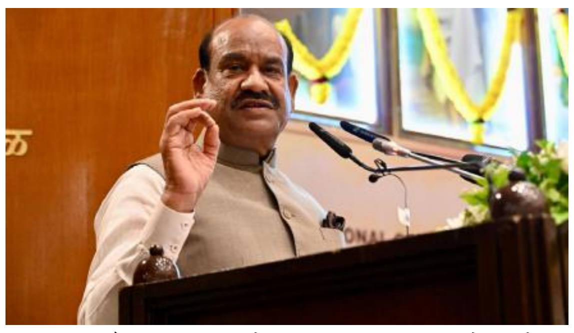

साझा किए और विचार-मंथन के जरिए सामाजिक और आर्थिक योजनाओं की प्रभावशीलता की समीक्षा की। बदलती तकनीक के दौर में संसदीय समितियों को डेटा एनालिटिक्स, डीबीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके सार्वजनिक धन के उपयोग की निगरानी करनी चाहिए। बिरला ने यह भी सुझाव दिया कि समितियों के काम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना चाहिए। प्राक्कलन समितियों के सम्मेलन में सर्वसम्मति से छह प्रस्ताव पारित किए गए।

बिरला ने कहा कि प्राक्कलन समितियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जनता का एक-एक रुपया जन कल्याण पर खर्च हो, लोक सभा अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि देश के वित्तीय संसाधनों का उपयोग कुशलतापूर्वक और जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने समापन भाषण दिया । इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और संसद की प्राक्कलन समिति के सभापति संजय जायसवाल ने भी अपने विचार रखे। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने स्वागत भाषण दिया और महाराष्ट्र विधान सभा के उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्य, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापति , महाराष्ट्र विधान मंडल के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति समापन सत्र के दौरान उपस्थित रहे। सम्मेलन में 23 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की प्राक्कलन समितियों के सभापतियों और सदस्यों ने भाग लिया।

यूपी में विकास की उंची उड़ानः राजेश त्रिपाठी

"उत्तर प्रदेश सामाजिक समरसता को संजोते और सबका साथ- सबका विकास - सबके विश्वास के नारे को चरितार्थ करते हुए नित नई विकास की इबारत लिख रहा है। आज मोदी - योगी की डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को देखने का देश और दुनियां का नजरिया बदल दिया है। यूपी में विकास उंची उड़ान पर है। यह कहना है गोरखपुर जिले के चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के विधायक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री राजेश त्रिपाठी का, उन्होंने उक्त बातें 'हमारा महानगर' कार्यालय में एक सदिच्छा भेट ने दौरान व्यक्त कीं। इस अवसर पर उन्होंने 'हमारा महानगर' की सम्पादकीय टीम के सवालों का बेबाकी से जवाब दिया। त्रिपाठी ने उस क्षेत्र से बाहुबली विधायक हरिशंकर तिवारी को परास्त कर पहली बार विधानसभा में प्रवेश किया था और बाद में उनके बेटे विनय शंकर को भी हराया।

उत्तर प्रदेश में आपको विधानसभा सदस्य के रूप में सपा,बसपा और भाजपा तीनो सरकारों को देखने का अवसर मिला है, आप दोनों सरकारों को किस तरह देखते हैं?

मैं सपा , बसपा के दौरान विधायक और मंत्री रहा हूं, बसपा ने भले ही सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय का नारा दिया,लेकिन वह सिर्फ नारा ही रहा, वह सर्वजन हिताय का कोई काम नहीं दिखा पाई। सपा का भी कमोबेश वही हाल रहा ये दोनों पार्टियां बात तो सबकी करती रहीं पर धरातल पर जातिवाद से ऊपर नहीं उठ पाईं,जबकि भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जबसे उत्तर प्रदेश में सत्तासीन हुई और मोदी-योगी की डबल इंजन सरकार का संगम हुआ,सबका साथ- सबका विकास और सबके विश्वास का सिर्फ नारा ही नहीं दिया, बल्कि कई योजनाएं चलाईं और जिनका लाभ हर गरीब तक पहुंच रहा है। पंडित दीनदयाल के अंत्योदय के नारे के अनुसार सबको चाहे वह मुफ्त राशन देने की बात हो, शौचालय देने की बात हो, गरीबों को घर देने की बात हो जात - धर्म देख कर नहीं दिया जा रहा है। इसका लाभ उत्तर प्रदेश के हर नागरिक को मिल रहा है।

राज्य की बुलडोजर संस्कृति पर आपका क्या कहना है ?

बुलडोजर सृजन का कार्य करता है। आज उत्तर प्रदेश देश का सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे वाला राज्य है, बिना बुलडोजर के तो सड़क नहीं बन सकती, इसका उपयोग आतंक व गुंडई निर्मूलन के लिए हुआ तो यह वर्षों से अपराधी और गुंडों के मकड़जाल में फंसे गरीबों को न्याय और राहत दिलाने वाल काम है। यह राज्य का सौभाग्य है कि देश में 2014 में मोदी सरकार के बाद राज्य में 2017 में योगी सरकार आ गयी, नहीं तो उसके पहले जब तक दिल्ली में हमारी और राज्य में सपा सरकार थी, वे हमारी (केंद्र की) योजनाओं को उत्साह से नहीं लागू कर रही थी। योगी - मोदी के संगम से उत्तर प्रदेश में विकास के नए पर्व की सुरुआत हुई और जिसे दुनिया देख रही है।

आप गोरखपुर के रहने वाले हैं, आपके मुख्यमंत्री वहां के हैं, इसका असर गोरखपुर के विकास और रोजगार सृजन में कितना है?

हमारा पूर्वांचल और बुंदेलखंड राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी पीछे थे। योगी के नेतृत्व में इस ओर विशेष ध्यान दिया गया। एक जिला एक उत्पाद,एक्सप्रेस वे, एयरपोर्ट और अन्य माध्यम से राज्य के हर कोने में विकास की गंगा बह रही है और यह दिख भी रहा है। रही बात गोरखपुर की तो गीडा जो सफेद हाथी था आज वहां 15000 करोड़ के प्रोजेक्ट लग रहे हैं और दियारा इलाका जो अपराधियों की पनाहगाह था,आज ग्रेटर गीडा के रूप में साकार हो रहा है। बर्जर पेंट और अडानी सहित कई उद्योगपति वहां अपना प्लांट लगाने में रुचि दिखा रहें हैं। गोरखपुर के दक्षिणांचल पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसे रेल से जोड़ने का काम चल रहा है। बाढ़ से निदान के लिए पम्प हाउस का निर्माण, बांध और तटबंध का निर्माण कार्य प्रगति पर है। राज्य में निजी क्षेत्र में नौकरियां मिल रहीं हैं, इसके अलावा राज्य में लाखों सरकारी नौकरियां बिना पर्ची और खर्ची के मेरिट के आधार पर लोगों को मिली हैं,बिना किसी जाति धर्म भेदभाव के मेरिट पर पात्रता के अनुसार नियुक्तियां हुई हैं। हम तो अब गोरखपुर के उन धरतीपुत्रों को जो सक्षम हैं गांव की ओर लौट कर वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। योगी जी का प्रताप है कि जिस गोरखपुर एयरपोर्ट से पहले दो फ्लाइट जाती थी, आज 15 अलग- अलग शहरों के लिए 15 फ्लाइट जाती है और आज ही यानि मंगलवार को वहां दूसरे टर्मिनल के निर्माण को मंजूरी मिली है। मोदी -योगी की डबल इंजन सरकर में पूरे राज्य का विकास हो रहा है। पूरे राज्य में कनेक्टिविटी बढ़ रही है । राज्य को जो ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य है वह पूरा होगा, उसी दृष्टि से योगी के नेतृत्व में काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री की लोकप्रियता और उपलब्धि उन्हें और बड़े पद का दावेदार बनाती है क्या?

इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह तय करना किसे कौन सी जिम्मेदारी देना है,यह संगठन का और उसके शीर्ष नेतृत्व का काम है। मैं उसके लिए बहुत छोटा हूं, लेकिन मैं देशभर की प्राक्कलन समिति अध्यक्षों और सदस्यों की बैठक में शामिल होने मुबई आया हूं,वहां जैसे ही लोगों को पता चला मैं गोरखपुर से हूं। मुख्यमंत्री योगी के जिले से हूं, सबका स्वागत और कौतूहल हृदयस्पर्शी रहा यह योगीजी की देश व्यापी लोकप्रियता का सशक्त प्रामण है।

प्राक्कलन समिति में कोई उल्लेखनीय मुदा?

मैंने देश भर के प्राक्कलन समिति के अध्यक्षों और सदस्यों के समक्ष यह बात रखी, कैसे कोई ठीकेदार किसी कार्य विशेष के लिए जो राशि अनुमानित है,उससे 30 या 40 प्रतिशत कम कोट कर सकता है। क्या तय राशि काफी ज्यादा है, या गुणवत्ता पर समझौता करता है। हमें इस पर विचार करना चाहिये और देश स्तर में एक नई नीति बनानी चाहिए कि इससे कम प्रतिशत पर प्रस्ताव नहीं स्वीकारा जायेगा।

देश में भाषा विवाद बढ़ाने का प्रयास हो रहा है?

नयी शिक्षा नीति ने आंचलिक भाषाओं को महत्व दिया है,लेकिन देश से अंग्रेज भले चले गए लेकिन अंग्रेजियत नहीं गयी। किसी पर कुछ थोपा नहीं जा रहा है। बच्चा जिस भाषा में सहज हो उसमें उच्चस्तर तक की पढ़ाई कर सकता है। ऐसी व्यवस्था हमारी सरकार ने नई शिक्षा नीति में की है। हिंदी तो वैसे ही देश की बहुसंख्यक आबादी की संपर्क भाषा है इसलिए राजनीति के लिए भाषा पर विवाद सही नहीं है।

आप मुक्तिपथ सेवा संस्थान से जुड़े रहे और वहां क्या स्थिति है?

आज राज्य सरकार द्वार वहां राज्य में पहले विद्युत शवदाह केंद्र का निर्माण हो रहा है, जिसका शिलान्यास जुलाई में है। जिस स्थल को जन सहयोग और श्रम से बरसों सम्भाला- संवारा उसे गत वर्ष हमने उत्तर प्रदेश सरकार के सुपर्द कर दिया। अब उसकी देख - रेख नगर पंचायत करती है और वहां जल्द ही 1857 के शहीद राज हरदास मल्ल का स्मारक भी बनने वाला है और भी अन्य काम जारी हैं। वह क्षेत्र पर्यटन के रूप में एक आकर्षण का केंद्र है और सरकार उसे और विकसित करने की दशा में कार्यरत है।

आपके क्षेत्र में और क्या उल्लेखनीय कार्य हुए हैं?

मैं बाबू आरएन सिंह के परिवार को धन्यवाद देता हूं , उनके पुत्र उत्तर भारतीय संघ अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने साल भर के अन्दर जो अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर का निर्माण किया और जिसमें जरूरतमंदों को मुफ्त डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है। वह क्षेत्र के लिए वरदान है, अब तक 10000 से ज्यादा मरीज उसका लाभ ले चुके हैं। इस परिवार द्वारा शरू किया गया शैक्षिक संस्थान और कई लोक कल्याणकारी कार्य लोगों के लिए मिसाल है। वे ऐसा ही करते रहें और लोगों को प्रेरणा स्रोत बनें यही कामना है। मैं संतोष आरएन सिंह , अमजीत सिंह सहित पूरे परिवार का अभिनंदन करता हूं।

क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज भी शुरू हुआ है?

चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के खड़ेसरी गांव में मुख्यमंत्री योगी के आशीर्वाद से राजकीय होमोपैथिक मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हुई,जहां से हर साल देश को सवा सौ चिकित्सक मिल रहे हैं और देश के कोने - कोने से वहां छात्र वैघकीय शिक्षण लेने के लिए आ रहे हैं। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री योगी जी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

आप सरयू महोत्सव भी आयोजित करते हैं ?

हां, हमने क्षेत्र की उन विभूतियों को जो वहां से निकले और देश में अन्यत्र अपना नाम बनाया और क्षेत्र का मान बढ़ाया, उनका सम्मान करने और क्षेत्र की लोक कला के प्रचार - प्रसार और संवर्धन और उन्हें मंच उपलब्ध कराने के लिए इस महोत्सव का आयोजन करते हैं। महोत्सव में सम्मानित विभूतियां को सरयू रत्न सम्मान देते हैं ये वे रोल मॉडल हैं जो भावी पीढ़ी को उन जैसा बनाने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए उनका सम्मान कर हम सम्मानित होते हैं। इस कड़ी में बाबू आरएन सिंह और उनके सुपुत्र संतोष आरएन सिंह को सरयू रत्न से सम्मानित किया जा चुका है।

मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का जनता दरबार बना नया आदर्श

जनता दरबार में नागरिकों की भारी भीड़,

एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों के अधिकारी

जनता की ओर से उत्साही प्रतिसाद

मुंबई। राज्य की महायुति सरकार में प्रमुख सहयोगी दल भाजपा ने प्रदेश की जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं की समस्या को सुनने और उसका निराकरण करने के लिए प्रदेश कार्यालय में मंत्रियों का जनता दरबार का आयोजन करती है.इसी कड़ी में मंगलवार को राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का जनता दरबार का आयोजन किया गया मंत्री लोढ़ा के जनता दरबार में अपनी -अपनी समस्या को लेकर भारी संख्या में जनता और भाजपा कार्यकर्ता आए थे. नागरिकों की समस्याओं का तुरंत समाधान करने के उद्देश्य से उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन किया। लोढ़ा के जनता दरबार में महाराष्ट्र के लगभग 500 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। भाजपा की तरफ से मंत्रियों का विभिन्न स्थानों पर मंत्रियों के जनता दरबार आयोजित किए जाते हैं, परंतु कौशल विकास विभाग के मंत्री एवं मुंबई उपनगर जिला सहपालकमंत्री के रूप में मंत्री लोढ़ा ने इस जनता दरबार में 12 विभिन्न विभागों के अधिकारियों को एकत्रित किया। इसमें मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और रेलवे के अधिकारियों को भी शामिल किया गया था। नागरिकों ने सड़क, पानी, बिजली और मुंबई जिलाधिकारी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली जमीनों से संबंधित मुद्दे यहां प्रस्तुत किए। सीपी टैंक इलाके में रहने वाले वृद्ध दंपती जोतिंद्र और मीनाक्षी लोटवाल ने मंत्री लोढ़ा का आभार जताया। उन्होंने बताया कि उनके घर के पास के स्पीड ब्रेकर की समस्या कई दिनों से लंबित थी। परंतु इस दरबार में मुंबई महानगरपालिका और एमएमआरडीए के अधिकारी एक साथ उपलब्ध होने के कारण यह समस्या तुरंत हल हो गई। वहीं, मुलुंड निवासी छात्रा कृशा कोठारी की उच्च शिक्षा में प्रवेश संबंधी समस्या भी इस दरबार में सुलझ गई।

कोर्ट के लिए आरक्षित भूखंड से हटाया जाएगा झुग्गीवासियों को

न्यायालय परिसर के लिए भूखंड सार्वजनिक निर्माण विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित

मुंबई। बांद्रा पूर्व में बाम्बे हाईकोर्ट को दिए गए भूखंड पर कुछ झुग्गीवासियों ने कब्जा कर लिया है, ऐसे में इस भूखंड को विकसित करने से पहले झोपड़पट्टी और अनिवासी गाला धारकों को हटाने की नीति गृह निर्माण विभाग ने बनाई है। इसमें से पात्र झोपड़ाधारकों को मालाड पूर्व और कांदिवली की झोपड़ापट्टी पुनर्वास योजना (एसआरए) में शामिल किया जाएगा। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस आरक्षित भूखंड को सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित करने को मंजूरी दी गई, साथ ही इन फ्लैटों के लिए एसआरए को भुगतान की जाने वाली राशि और फ्लैटों के प्रबंधन के लिए किए जाने वाले खर्च को भी माफ कर दिया गया। सरकार ने बांद्रा (पूर्व) में सरकारी कॉलोनी की 90 एकड़ जमीन में से 30.16 एकड़ जमीन हाईकोर्ट को देने का फैसला किया है। इस जमीन पर हाईकोर्ट का नया परिसर बनाया जाएगा। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि जमीन छह चरणों में हस्तांतरित की जाए। छह चरणों में से पहले दो चरणों में 9.64 एकड़ जमीन हस्तांतरित की जा चुकी है। तीसरे चरण में 4.09 एकड़ जमीन गौतम नगर और समता नगर झुग्गियों की है।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

1 आदिवासी छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए भोजन, निर्वाह और शैक्षणिक सामग्री क्रय भत्ते में वृद्धि

2 कोयना बांध पावर हाउस के लिए 862 करोड़ 29 लाख रुपए का प्रावधान

3 महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक के मसौदे को मंजूरी

4 बकाया निपटान (संशोधन) विधेयक के मसौदे को मंजूरी

5 हुडको के 2,000 करोड़ रुपए के कर्ज की गारंटी, गारंटी शुल्क माफ।

ठाणे में पांच दिन की कार्रवाई में 73

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका ने अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए महज पांच दिनों में 73 अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त कर दिया। 19 जून से 24 जून तक चली इस मुहिम में संपूर्ण इमारतें, प्लिंथ, कॉलम, स्लैब, सीआरझेड क्षेत्र में बने गोदाम, दुकानों के अतिरिक्त निर्माण और चार मंजिला इमारतों जैसी अवैध संरचनाओं को हटाया गया।

यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देशों और प्रभाग समितियों के निरीक्षण के आधार पर की गई। आयुक्त सौरभ राव के आदेश पर प्रत्येक प्रभाग में सहाय्यक आयुक्तों के नेतृत्व में विशेष पथक गठित किए गए, जिन्हें मिली शिकायतों और निरीक्षण के आधार पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था।

शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक अजित पवार के साथ

मुंबई। हड़पसर से शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक महादेव बाबर अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार गुट में शामिल हो गए। पार्टी में उनका स्वागत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने किया। पवार ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने वाले लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं, इसलिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। सभी को बड़े पद नहीं मिलते, लेकिन छोटे पदों से भी अपनी कार्यक्षमता साबित करनी चाहिए। अजित पवार ने कहा कि बाबर का पार्टी में आना एक अच्छा निर्णय है। वे पहले भी उनके साथ काम कर चुके हैं और उनके आने से शहर में पार्टी की ताकत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव होंगे। अधिवेशन के बाद वे राज्य का दौरा करेंगे और उससे पहले प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे दौरा करेंगे। अजित पवार ने नए लोगों से संगठन को मजबूत करने और बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें एक परिवार की तरह काम करना है और राज्य के हर जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस की मौजूदगी दर्ज करानी है।

प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि राज्य में विकास कार्य करते हुए पार्टी शिवाजी, शाहू, फुले और आंबेडकर के सामाजिक समता के विचारों को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पार्टी का स्थापना दिवस हाल ही में पुणे-बालेवाड़ी में मनाया गया।

अजित पवार के विभाग पर शिवसेना के मंत्रियों की नजर

निधि बंटवारे को लेकर अजित पवार से शिवसेना के मंत्री नाराज

एकनाथ शिंदे से मंत्रियों ने की शिकायत, अजित पवार ने की एकनाथ शिंदे से मुलाकात

मुंबई। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार से निधि बंटवारे को लेकर शिवसेना के मंत्रियों और विधायकों की नाराजगी जगजाहिर है.अजित पवार विकास निधी को बांटने में भेदभाव करते है शिवसेना के विधायक और मंत्री कई बार ऐसा गंभीर आरोप लगा चुके है.मंगलवार को शिवसेना के मंत्रियों ने फंड के बंटवारे को लेकर एकनाथ शिंदे से नाराजगी जताई। मंत्रियों के शिकायत के बाद एकनाथ शिंदे ने एक्टिव मूड में आए गए और उन्होंने आक्रामक रुख अपनाते हुए अपने मंत्रियों से अजित पवार के विभाग पर नजर रखने के लिए कहा है. सूत्रों से ऐसी जानकारी मिली है.निधि बंटवारे को लेकर एक बार फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के विवाद शुरू हो गया है. शिवसेना के मंत्रियों के शिकायत के बाद मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई थी बैठक ख़त्म होने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने कार्यालय में शिवसेना के मंत्रियों की बैठक बुलाई।

पश्चिम रेलवे

एसी आरए कोचेस में फ्लेमलेस कुकिंग व्यवस्था का प्रावधान

उप मुख्य विद्युत अभियंता (डब्ल्यू), पश्चिम रेलवे कैरिएज मरम्मत वर्कशॉप, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400 013 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. ईएल/डब्ल्यूए/पीएल/2024-25/57आर** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : दरों की अनुसूची और कार्य के विस्तार के अनुसार पश्चिम रेलवे के सभी मंडल में उपलब्ध एसी आरए कोचेस में फ्लेमलेस कुकिंग व्यवस्था का प्रावधान. मात्रा : 20 आरए एसी कोचेस. **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 90,28,512/-. **ईएमडी** : ₹ 1,80,600/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 08.07.2025 को 12.00 बजे तक. **निविदा का खुलना** : 08.07.2025 को 12.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0299

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

टेली. नं. – 022-66405484 ई-मेल : eecityslum@gmail.com

संदर्भ क्र. ईई/शहर/एमएसआईबी/ई-निविदा/30/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 30

कार्यकारी अभियंता (शहर) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), **कमरा नं. 539, 4थी मंजिल,** गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 फोन नंबर (022) 66405484 द्वारा किसी भी सरकारी/अर्ध सरकारी संगठन अथवा ठेकेदारों की संबंधित समुचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिये बी-1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में 23 कार्यों के लिये खुली/नियमित ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा दस्तावेज बिक्री की आरंभिक **तिथि 26.06.2025 को दोप. 1.00 बजे** है तथा निविदा दस्तावेज बिक्री की अंतिम **तिथि 03.07.2025 को सायं. 5.35 बजे** तक है. शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि कोई होगा, तो उसे केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा. सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/524

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (शहर),
एम एस आई बी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

आइकॉनिक बिल्डिंग का विकास करने मनपा ने नियमो में किया बदलाव

लोगो से मांगी शिकायत और सुझाव

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई मनपा प्रशासन ने आइकोनिक बिल्डिंग" के विकास को बढ़ावा देने के लिए मनपा विकास नियंत्रण नियमावली में बदलाव किया है। मनपा प्रशासन ने मंगलवार को विकास नियंत्रण और प्रोत्साहन नियमावली संशोधन को लेकर जनता से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं। यह संशोधन नियम 33(27) के तहत शहर में "आइकोनिक बिल्डिंग" के विकास को बढ़ावा देने के लिए लाया जा रहा है।

बता दे कि महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग ने मनपा को 27 मार्च को आइकोनिक बिल्डिंग" के विकास को लेकर नियमो में बदलाव करने का निर्देश दिया था। आइकोनिक बिल्डिंग को विशेष प्रोत्साहन देते समय स्पेस" को ऐसे ढांचे या स्थानों के रूप में परिभाषित किया गया है, जिनमें आकार, रूप-रंग, सौंदर्य, अवधारणा, थीम, शहरी डिजाइन, वास्तुकला या संरचनात्मक विशेषताओं के आधार पर विशिष्ट और अलग पहचान हो।ऐसे प्रस्तावों की समीक्षा और मंजूरी के लिए मनपा में एक विशेष जांच समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता मनपा आयुक्त करेंगे। इस समिति में विकास योजना विभाग के मुख्य अभियंता, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वास्तुकार, दृश्य कला क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती, भारतीय व्यापार इतिहास से जुड़े व्यक्ति, महाराष्ट्र सरकार के टाउन प्लानिंग निदेशक और मनपा के नगर सचिव शामिल होंगे। इसके अलावा, वास्तुकला या शहरी नियोजन के क्षेत्र से दो विशेषज्ञों (एक शैक्षणिक और एक व्यावसायिक) की नियुक्ति की जा सकेगी।प्रस्ताव के अनुसार यदि किसी आइकोनिक बिल्डिंग के विशेष भागों के लिए अतिरिक्त एफएसआई मंजूर किया जाता है, तो वार्षिक दर निर्धारण के अनुसार भूमि मूल्य का अधिकतम 50% प्रीमियम लिया जाएगा। यह प्रीमियम मनपा और राज्य सरकार के बीच क्रमशः दो-तिहाई और एक-तिहाई के अनुपात में बांटा जाएगा।

मनपा मुख्यालय में ड्यूटी के दौरान कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत

मुंबई। मनपा मुख्यालय में कार्यरत 38 वर्षीय सहायक विधि अधिकारी कुनाल वाघमारे का मंगलवार दोपहर निधन हो गया। वाघमारे ने सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उन्हें मनपा की एंबुलेंस से सेंट जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें दोपहर 3 बजे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में उनकी मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। घटना की जानकारी सामने आते ही मनपा कर्मचारियों के व्हाट्सएप ग्रुप्स पर शोक संदेश फैल गए। कर्मचारियों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस बात पर चिंता जताई कि मनपा कर्मचारियों पर काम का अत्यधिक तनाव रहता है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

Ulhasnagar Municipal Corporation

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

निविदा सुचना क्र. उमपा/विद्युत/टे-०२/०४

(सन २०२५-२०२६)

उल्हासनगर महानगपालिकेच्या विद्युत अभियांत्रिकी विभागातर्फे इच्छुक ओजन्सी / ठेकेदारांकडून "ई-निविदा/निविदा प्रकियेव्दारे दोन लिफाफा पध्दतीने जाहिर निविदा http://Mahatenders.gov.in/nicgep/app?component =%24Direct Link&page = PublishVi... या वेबसाईट वरुन मागवित आहे.

अ.क्र	कामाचे नाव	निविदा रक्कम रुपये	निविदा अनामत रक्कम (EMD)	निविदा फॉर्म फी	सुरक्षा अनामत रक्कम	निविदा कालावधी
३	उल्हासनगर कार्यक्षेत्रातील महानगरपालिका डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, अभ्यासिका, उल्हासनगर ३ येथे 25 kWp क्षमतेचे सोलर रुफ टॉप ऑन ग्रिड प्रणाली ५ वर्षाकरिता संपुर्ण देखभाल दुरुस्ती व स्पेअर पार्टसहीत राबविणेबाबत.	२०,०५,३००/-	२१,०००/-	२,४७८/- सर्व करांसहीत	निविदा कार्यादेशाच्या किंमतीवर ५%	३० दिवस

निविदा बाबत सविस्तर माहिती http://Mahatenders.gov.in/nicgep/app?component=%24Direct Link & page = PublishVi... माहिती या वेबसाईट वर उपलब्ध आहे.

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/१६६/२०२५
दिनांक :- २४/०६/२०२४

सही/-
कार्यकारी अभियंता (विद्युत)
उल्हासनगर महानगरपालिका

अखिलेश ने क्यों छेड़ा इंडी गठबंधन का राग?

इंडी गठबंधन पिछले एक वर्ष से निष्क्रिय है। न कांग्रेस से इंडी गठबंधन को लेकर आवाज उठ रही है और न किसी अन्य सहयोगी दल से,लेकिन चार राज्यों में विधानसभा के पांच उप चुनावों के नतीजे के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने फिर से इंडी गठबंधन को लेकर चर्चा छेड़ी है।

इसी साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। स्पष्ट है कि मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें भाजपा और जनता दल (यू) समेत कुछ छोटे दल शामिल हैं और इंडी गठबंधन,जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और अन्य छोटे दल हैं, के बीच होना है। राजद अन्य दलों को बहुत अधिक सीटें देगा, ऐसा अभी से स्पष्ट है। समाजवादी पार्टी को बिहार में शायद दोहरे आंकड़े में सीट मिल पाएं। अगले साल पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हैं। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी एकला चलो की नीति पर शुरू से चल रही हैं। वो इंडी गठबंधन के किसी अन्य दलों को कुछ देंगी, ऐसा लगता नहीं है। पश्चिम बंगाल में ममता का मुकाबला भाजपा के साथ कांग्रेस और वामदलों से भी होना है। हां, अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी जरूर ममता बनर्जी को बाहर से समर्थन दे देगी। आखिर क्या कारण है कि अखिलेश यादव इंडी गठबंधन के राग को छेड़ रहे हैं। वैसे भी वो इन दिनों उत्तर प्रदेश में अति सक्रिय हैं, क्योंकि वर्ष 2027 में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव-2024 में समाजवादी पार्टी की स्थिति उत्तर प्रदेश में अच्छी रही थी। समाजवादी पार्टी को यह उम्मीद जागी है कि उत्तर प्रदेश में सत्ता में वापसी कर सकती है। हालांकि, लोकसभा और विधानसभा चुनाव में काफी अंतर होता है।

वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर समाजवादी पार्टी वर्ष 2027 में मौका नहीं चूकना चाहती। अखिलेश यादव अपना सबकुछ दांव पर लगा देना चाहते हैं। यही कारण कि वह लखनऊ और उत्तर प्रदेश के बाकी जिलों में सक्रिय बने हुए हैं। वर्ष 2027 में अखिलेश यादव इंडी गठबंधन के दूसरे दलों को ज्यादा सीटें देंगे,ऐसा भी नहीं होने वाला है। यह भी संभव है कि कांग्रेस,जो उत्तर प्रदेश में फिर से जमीन तलाश रही है,वो अलग राह पकड़ ले। अब उप चुनाव की 5 सीटों की बात कर लेते हैं। गुजरात की जिन दो सीटों पर उप चुनाव हुआ, उसमें से एक गुजरात की विसावदर सीट आम आदमी पार्टी के पास ही थी। उसके विधायक के भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। उप चुनाव में आम आदमी पार्टी के ही ईटालीया गोपाल की जीत हुई है। विसावदर सीट पर कांग्रेस का प्रत्याशी भी खड़ा था,जो तीसरे नंबर पर रहा। गुजरात की दूसरी सीट कडी, जो भाजपा के पास थी और अब फिर भाजपा ने जीती है, यहां भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी आमने-सामने खड़े थे। केरल की नीलम्बूर सीट,जहां कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला हुआ। कांग्रेस ने यह सीट कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ पार्टी से छिन ली है। पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच के मुख्य मुकाबला था। यह सीट पहले आम आदमी पार्टी के पास थी और उसने फिर जीत ली। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट भी तृणमूल कांग्रेस के पास थी। यहां के विधायक के निधन के बाद उनकी बेटी को तृणमूल कांग्रेस ने टिकट दिया, वही जीती भी।

जैसा अखिलेश यादव कह रहे हैं कि उप चुनाव में 80 प्रतिशत सीटें इंडी गठबंधन के दलों ने जीती हैं तो आंकड़े तो यही बता रहे हैं कि स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। फिर क्यों अखिलेश यादव को इंडी गठबंधन याद आ रहा है? यह भी सत्य है कि जिस तरह से कांग्रेस उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में अपनी खोई जमीन को पुनः हासिल करने के लिए सक्रिय है,उससे इंडी गठबंधन के अन्य दल निश्चित रूप से असहज हो सकते हैं। यह सभी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में एकजुट हुआ हैं, लेकिन अपने निजी स्वार्थ को छोड़ना इनके लिए आसान नहीं है। भविष्य में यह दल एकजुट होंगे, यह कहना भी मुश्किल है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

झाड़ू फिर फुंफकारती, पंजा चले उतान
टीएमसी गुर्रा रही, जीते युद्ध महान
जीते युद्ध महान, विधायक चार जिताए
चलो करें गुणगान, एक्स पर हवा बनाएं
कह सुरेश हिनहिना रहा फिर आपी घोड़ा
राज्यसभा की सीट छोड़िए सखा अरोड़ा

ईरान पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने

आखिरकार दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मित्र यहूदी देश इजरायल की शांति के लिए चुनौती बन चुके कट्टरपंथी इस्लामिक राष्ट्र ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हवाई हमले करके जहां विगत 10 दिनों से चल रहे इजरायल-ईरान युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया, वहीं अपनी इस अप्रत्याशित कार्रवाई से उनकी थानेदारी को महज बयानी चुनौती देने वाले चीन-रूस-उत्तर कोरिया आदि देशों को भी एक स्पष्ट संदेश दे दिया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी हद में रहो अन्यथा अंजाम और भी बुरे हो सकते हैं। इस प्रकार ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के वैश्विक मायने स्पष्ट हैं जो एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय बनाने के प्रयासों की विफलता को उजागर करते हैं। वहीं, ये कुछ अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हैं जो अग्रलिखित हैं। पहला, ईरान पर हुए अमेरिकी हमले से एक बार फिर यह स्पष्ट हो चुका है कि मौजूदा एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिका के सजग और शातिर नेतृत्व को ऑन द स्पॉट चुनौती देने का दमखम अभी रूस-चीन-उत्तर कोरिया गुट के पास के पास नहीं है, खासकर अपने ऊपर आश्रित राष्ट्रों के लिए भी। ऐसा इसलिए कि जहां अमेरिका अपने मित्र नाटो देशों- इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान व ऑस्ट्रेलिया आदि को विश्वास में लेकर अपने इजरायल व यूक्रेन जैसे सहयोगियों के पक्ष निर्णायक फैसला करता रहता है, वहीं रूस-चीन-उत्तर कोरिया जैसे सीटो देश ऐन मौके पर सीरिया व ईरान जैसे अपने सहयोगियों पर आए आफत को दूर करने के लिए त्वरित एकजुटता प्रदर्शित करने और अपेक्षित सैन्य पलटवार शुरू करने के मुद्दे पर घबरा जाते हैं। दूसरा, चीन-रूस-उत्तर कोरिया की कथनी व करनी में बहुत अंतर पाया जाता है। वहीं ये आपसी दांवपेंच में भी सटीक निर्णय नहीं ले पाते हैं। यही

> हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल को संतुष्ट करने के लिए या महज दिखावे के लिए न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमला किया हो, क्योंकि ट्रंप व्यापारी है, व्यापार उनकी प्राथमिकता है, और अमेरिका को पूर्ण युद्ध में वो शायद नहीं शामिल करना चाहते हैं।

वजह है कि कभी अफगानिस्तान, कभी सीरिया और कभी ईरान जैसे मुल्क इनके हाथों से निकल जाते हैं और वहां पर पुनः अमेरिका का दबदबा बढ़ जाता है। अपने देखा होगा कि जब इजरायल-ईरान युद्ध में मिसाइल हमलों में ईरान ने इजरायल पर बढ़त ले ली और इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम में भी सुराग लगा दिया तो अचानक अमेरिका उसके पक्ष में उतरा और ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थित न्यूकलियर साइटों को निशाना बना लिया।

तीसरा, इस अमेरिकी हमले का एक खास मकसद था जिसे उसके अलावा कोई अन्य नाटो देश इसे कदापि पूरा नहीं कर सकता था। उल्लेखनीय है कि फोर्दो न्यूकलियर साइट इसमें बेहद महत्वपूर्ण है जो तेहरान के दक्षिण में एक पहाड़ के नीचे स्थित है और बेहद गहराई पर बना है। इसे इंग्लिश चैनल टनल से भी गहरा माना जाता है। यही वजह है कि अमेरिका ने अपने हमले में जीबीयू (GBU)-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर (MOP) नामक भारी बम का इस्तेमाल किया जो 13,000 किलोग्राम वजनी होता है और 61 मीटर मिट्टी या 18 मीटर कंक्रीट को भेद सकता है, लेकिन इससे इस केंद्र को कितना नुकसान पहुंचा, कुछ समय बाद पता चलेगा जब सही आंकड़े व फोटो ईरान सरकार द्वारा जारी किए जाएंगे। चतुर्थ, अमेरिकी हमले के प्रभाव की पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है,लेकिन इतना तो कहा ही जा सकता है कि निश्चित तौर पर ईरान को पिछले कई सालों से अपने न्यूकलियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की आशंका थी जो इस बार पूरी हो गई। इसलिए ईरान ने अपनी गुप्त रणनीति के अनुरूप कोई वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की होगी जैसा कि एक अन्य इस्लामिक देश पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के अधीन पाकिस्तानी हुक्मरानों के इशारे पर कर रखा है। यही वजह है कि खुद ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि न्यूकलियर साइटों को पहले ही खाली कर दिया गया था और जरूरी परमाणु रिसर्च उपकरण को हटा दिया गया था। यदि ऐसा है तो यह अमेरिका-इजरायल के लिए किसी दुःस्वप्न जैसा है। पंचम, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि परमाणु साइटें पूरी तरह से नष्ट कर दी गई हैं लेकिन कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों का मानना है कि यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगा कि इरानी न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पूरी तरह से नष्ट या खत्म हो गए हैं। हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल को संतुष्ट करने के लिए या महज दिखावे के लिए न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमला किया हो, क्योंकि ट्रंप व्यापारी है, व्यापार उनकी प्राथमिकता है, और अमेरिका को पूर्ण युद्ध में वो शायद नहीं शामिल करना चाहते है। यही वजह है कि ईरान प्रशासन को उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि वह उनके परमाणु ठिकाने पर हमला करेंगे लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति पर इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी और यहूदी काउंसिल फॉर पब्लिक अफेर्यस का दबाव है, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों को फंड करती है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था वहां के 2 प्रतिशत यहूदियों के इशारे पर ही कुलांचें मारती फिरती है।

छठा, वैसे तो ईरान को न्यूक्लियर रिसर्च सेंटरों पर हमले की संभावना लंबे समय से व्यक्त की जा रही थी, इसलिए जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों को बचाने का वैकल्पिक इंतजाम ईरान ने पहले ही कर रखा होगा। बता दें कि ईरान की तरह पाकिस्तान भी अपने न्यूक्लियर सेंटर्स पर हमले की आशंका व्यक्त करता रहा है। पाकिस्तान का स्ट्रैटजिक प्लान डिविजन जो नेशनल कमांड अथॉरिटी का सचिवालय है, ने अपने जरूरी न्यूक्लियर रिसर्च उपकरणों के लिए लगभग 15 गोपनीय स्थान बना रखे हैं जहां समय-समय पर इसे रखा जाता है। सातवां, यूँ तो पाकिस्तान ने भी लगातार यही आशंका प्रकट की है कि अमेरिका, भारत या इज़राइल उसकी परमाणु क्षमताओं को नष्ट करने की कोशिश कर सकते हैं। बता दें कि 1980 और 1990 के दशक में पाकिस्तान ने कई बार अपने परमाणु रिसर्च केंद्रों पर हमले की संभावना जतायी जबकि मौजूदा दौर में ईरान भी वैसी ही मनोदशा से गुजर रहा है। गौरतलब है कि 1982 में इज़राइल द्वारा इराक के ओसिराक रिएक्टर पर हमले के बाद, पाकिस्तान को आशंका हुई कि भारत भी पाकिस्तान के परमाणु केंद्रों पर हमला कर सकता है।

-कमलेश पांडेय

धारा 370 के बाद -बदलता कश्मीर

ऑपरेशन सिन्दूर के बाद मिशन "पाक बेनकाब" के लिए संजय झा के नेतृत्व वाले इंडोनेशिया गए डेलीगेशन में सम्मिलित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि "कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना मोदी सरकार का सही कदम था। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने से कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रगति एवं आर्थिक समृद्धि आयी है।" 5 अगस्त 2019 को धारा 370 का हटाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय ऐतिहासिक, साहसिक,देश की एकात्मता को पुष्ट करने वाला एवं कश्मीर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है।

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार कश्मीर महर्षि कश्यप एवं माता सती की भूमि है। सम्राट अशोक एवं कुषाण वंश के शासन काल में कश्मीर की भूमि पर बौद्ध धर्म का प्रभाव रहा है।सम्राट ललितादित्य के शासनकाल में कश्मीर का विस्तार हुआ एवं संस्कृत भाषा को भी सम्मान मिला। श्रीनगर के पास स्थित श्रीशंकराचार्य मंदिर आज भी जगद्गुरू शंकराचार्य जी की दिग्विजय का स्मरण कराता है। कालांतर में मुस्लिम आक्रांताओं के मतांतरण के कारण कश्मीर में मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि हुई।

स्वतंत्रता के समय देश की अन्य रियासतों के समान ही कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने कश्मीर रियासत का भारत के साथ विलय, विलयपत्र पर हस्ताक्षर करके किया था। शेख अब्दुल्ला के दबाव के कारण कश्मीर में धारा 370 का लगाना प्रधानमंत्री नेहरू जी का एक अदूरदर्शी कदम था। जो देश की एकात्मता एवं अखंडता में विभेद उत्पन्न करता था। उस समय भारतरत्न डॉ. बाबासाहब अंबेडकर जैसे अनेक नेताओं ने प्रधानमंत्री नेहरु जी के इस कदम का विरोध भी किया था। भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने "एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे" के उद्घोष के साथ देशव्यापी आंदोलन किया था, जिसमें 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनका बलिदान भी हो गया। तभी से भारतीय जनसंघ तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी का घोषित लक्ष्य धारा 370 को हटाना रहा था, जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में 5 अगस्त 2019 को पूर्ण किया।

धारा 370 हटने के उपरान्त सामाजिक एवं आर्थिक न्याय को समर्पित केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण कश्मीरी लोगों को भी इसका लाभ मिलने लगा, जो अभी तक इससे वंचित थे। अब सभी भारतीय नागरिक कश्मीर में भूमि का क्रय कर सकते हैं। इसके कारण 500 संपत्तियों की रजिस्ट्री एवं 3.5 हजार करोड़ का रियल एस्टेट में निवेश कश्मीर को प्राप्त हुआ। कश्मीर से बाहर कश्मीरी लड़कियों के विवाह करने पर पैतृक संपत्ति से वंचित होने के नियम से मुक्ति, महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम है। पाक से विस्थापित 1.5 लाख परिवार जिसमें वाल्मीकि,अनुसूचित जाति,जनजाति शरणार्थी अधिक हैं। उनको भी नागरिक अधिकार प्राप्त हो गए है। 35 लाख लोगों को निवास प्रमाणपत्र मिलें हैं। शिक्षण संबंधी कानून लागू होने के कारण 10 लाख से अधिक बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्राप्त हुई है। गरीब एवं अनुसूचित जाति, जनजाति को आरक्षण की सुविधा भी प्राप्त हुई है। पिछड़े वर्ग में नयी जातियों का समावेश एवं कोटे में वृद्धि पिछड़े वर्ग के उत्थान में निर्णायक कदम सिद्ध हो रहा है।

औद्योगिक विकास के कारण 56,000 करोड़ का निवेश जिसके कारण लगभग 80,000 लोगों को रोजगार की उपलब्धि हुई है। 1200 से अधिक स्टार्टअप भी अब विकास एवं रोजगार की गाथा लिख रहे हैं। कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पाद अब नए- नए क्षेत्रों में बाजार प्राप्त कर रहा है। 370 की समाप्ति के बाद 10,000 किलोमीटर सड़कों का सुधार एवं निर्माण कार्य हुआ है। जोजिला एवं चेनानी नाशरी सुरंगों द्वारा मार्ग की दूरी कम हुई है। जम्मू से श्रीनगर फोरलेन हाईवे विकास की गाथा लिख रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब नदी पर चिर प्रतिक्षित जिस पुल का उद्घाटन किया वह इंजीनियरिंग का चमत्कार एवं दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है। चिनाब पुल नदी तल से 359 मीटर ऊपर है,जो पेरिस के एफेल टॉवर से भी ऊंचा है ,जिसकी प्रशंसा स्वयं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की है। आयुष्मान योजना में 13 लाख से अधिक लोगों ने अपना उपचार कराया है। अब कश्मीर में फॉर्मूला कार रेसिंग भी हो रही है। जम्मू - कश्मीर का पल्ली भारत का पहला "कार्बन न्यूट्रल पंचायत" है।

370 हटने के बाद कश्मीर में आयी शांति के कारण पर्यटन में भारी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार 2019 के बाद 50% की वृद्धि पर्यटकों की संख्या में भी हुई है। संपूर्ण प्रदेश में यह संख्या ढ़ाई करोड़ लगभग है।

आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस के कारण आतंकी घटनाओं में भी निरंतर गिरावट आयी है। देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह ने संसद में बताया कि आतंकवादी घटनाओं में 92% की कमी आयी है। आतंकियों की नयी भर्ती में भी निरंतर गिरावट आ रही है। मां वैष्णों देवी एवं अमरनाथ तीर्थ यात्रियों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। 370 हटने के बाद हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में 65% मतदान कश्मीर की खुशहाली का ही गवाह है, जिसमें 32,000 चुने हुए प्रतिनिधि अपनी ग्राम पंचायतों के विकास की गाथा लिख रहे हैं। जगतगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित मां शारदा मंदिर में दीपावली एवं सरस्वती पूजन का आयोजन संपन्न हुआ जहां 70 वर्षो से पूजा ही नहीं हुई थी। माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा 23 मार्च 2023 को इसे खुलवाया। खीर भवानी मंदिर में भी विधिवत पूजा प्रारंभ हुई।

जम्मू- कश्मीर की राजधानी श्रीनगर स्थित ऐतिहासिक स्थान लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज लहराने के लिए भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुरली मनोहर जोशी को कन्याकुमारी से श्रीनगर तक "भारत एकता यात्रा" का आयोजन करना पड़ा था। यह संकल्प पुलिस सुरक्षा में 26 जनवरी 1992 को तिरंगा फहराकर पूर्ण हुआ था।

-शिवप्रकाश (राष्ट्रीय सह महामंत्री संगठन , भाजपा)

चिंताजनक है पर्यावरणीय असंतुलन

विगत दिनों परमार्थ निकेतन ऋषिकेश जाना हुआ। वहां मां गंगा आरती के समय परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने प्रतिदिन की भांति अपने उद्बोधन में कहा कि- आज नदियां और विभिन्न जल स्रोत प्रदूषण के शिकार हैं। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और इनके साथ-साथ मानसिक प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। यह भिन्न-भिन्न प्रकार का प्रदूषण जहां एक ओर प्रकृति-पर्यावरण, संतति और संस्कृति के लिए खतरा है वहीं दूसरी ओर मनुष्य जीवन के लिए भी घातक है।

आज जन-जन के बीच पर्यावरण को विश्लेषित करने एवं चर्चा का मुद्दा बनाने की आवश्यकता है। अनेक लोग पर्यावरण का अर्थ केवल पेड़-पौधे समझते हैं,जबकि पर्यावरण तो पेड़-पौधे, झरने, नदी, पर्वत, धरती, आकाश एवं वायुमंडल में भिन्न-भिन्न प्रकार की गैसों से बनी एक ऐसी संकल्पना है जो प्रत्येक जीवधारी के लिए जीवन को संभव बनाती है अथवा उसके जीवन को अनुकूलन प्रदान करती है। ध्यान रहे पर्यावरण में उपर्युक्त वर्णित प्रत्येक घटक का अपना विशिष्ट महत्व है। इन घटकों में संतुलन का बिगड़ना ही पर्यावरणीय असंतुलन है, जो चिंताजनक है। भारतीय ज्ञान परंपरा में अग्नि, जल, वायु ,धरती ,आकाश, सूर्य, चंद्रमा और वनस्पतियों आदि की भिन्न-भिन्न रूपों में उपासना का विधान करते हुए उनके महत्व का विश्लेषण है। हमारे वेद, उपनिषद एवं ज्ञान परंपरा हमें प्रकृति के साथ जीने की ऐसी व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, जिससे पर्यावरण में संतुलन बना रह सके। वहां अंतरिक्ष, पृथ्वी, जल, वायु और वनस्पति आदि सभी शांत और संतुलन में रहें, उसके लिए प्रार्थना मिलती है - द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष शान्ति पृथिवी...। वहां तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा... अर्थात् त्यागपूर्ण और आवश्यकतानुसार उपयोग की बात कही गई है। वहां वट, तुलसी, रुद्राक्ष, कदंब, पीपल, अशोक, दूर्वा, आम आदि में देवत्व की स्थापना करते हुए उनके संरक्षण- संवर्धन की बात कही गई है। कुएं, नदी और पर्वतों की पूजा हेतु पर्वो का विधान है तो गाय, बैल, हाथी, चूहे और चीटियों के पूजन का भी महत्व बताया गया है लेकिन दूसरे श्रेष्ठ हैं, स्वयं के प्रति हीनता बोध और आधुनिक बनने की होड़ में हम अपनी श्रेष्ठ परंपराओं से दूर हटने लगे। औद्योगिकरण और अधिकाधिक उत्पादन की इच्छा में मनुष्य की भोग और लालच की वृत्ति भी बढ़ती चली गई। परिणाम स्वरूप प्रकृति और पर्यावरणीय संरचनाओं का अधिकाधिक दोहन शुरू हुआ, जिसने पर्यावरणीय असंतुलन को जन्म दिया। हाल ही में क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट में यह सामने आया है कि हमारे शहरों में फैले वायु प्रदूषण का असर सिर्फ गांव-शहरों तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि अब वह हिमालय की ऊंचाई तक भी जा पहुंचा है। हिमालय क्षेत्र में ब्लैक कार्बन का स्तर लगातार बढ़ा है।

-डॉ. वेदप्रकाश

आज का कार्टून

साभार

सामयिक व्यंग्य- हमेशा असंतुष्ट ... विपक्ष

मानव जाति की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक "असंतोष" ही है। यदि आदमी संतुष्ट होता, तो आज भी जानवरों के चमड़े से खुद को ढककर पेड़ों पर लटक रहा होता। असंतुष्टि विकास का मुख्य टॉनिक होती है। इस महान गुण को 'विपक्ष' कहा जाता है, वही विपक्ष जो चुनाव हारते ही संतुष्टि छोड़ देता है और संसद की दिवारों से लेकर ट्विटर की गलियों तक असंतोष के पताके फहरा देता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि परमाणु संरचना में जो इलेक्ट्रॉन अपने कक्ष में असंतुष्ट होता है, वही सबसे ज्यादा रिएक्ट करता है। ठीक उसी तरह देश की राजनीति में जो विपक्ष में होता है, वही सबसे अधिक प्रतिक्रियाशील होता है। जो सत्ता में होता है, वह तो 'नॉन-रिएक्टिव गैस' की तरह होता है, स्थिर, मौन, और कभी-कभी तो शुद्ध ऑक्सीजन की तरह दुर्लभ भी। असंतोष एक कला है और विपक्ष उसका मुख्य कलाकार होता है। महंगाई हो तो सरकार को कोसे और अगर सरकार सब्सिडी दे तो 'वित्तीय दिवालियापन' का रोना रोए। जैसे ही सब्जी महंगी होती है, विपक्ष को गरीब और मजदूर याद आते हैं, वही गरीब, जिनके नाम पर उसने खुद भी दशकों तक सत्ता का चम्मच चाटा था और जैसे ही सब्जी सस्ती होती है, विपक्ष किसान के खेत में घुसकर भावुक हो जाता है "क्या होगा अन्नदाता का?" सड़कें टूटी हों तो ये सरकार की अकर्मण्यता है और अगर सरकार उन्हें चौड़ा करने लगे तो हर काटे गये पेड़ का नाम, पता और आधार नंबर लेकर फोटो सहित श्रद्धांजलि देने का अभियान चलाया जाता है। जैसे ही एक अवैध निर्माण हटाया जाता है, वैसे ही 'गरीबी हटाओ' का नारा वापस आ जाता है पर इस बार 'गरीब को हटने से बचाओ' के रूप में महिमा मंडन किया जाता है। विपक्ष का काम ही है 'हर हाल में विरोध'। जैसे कोई गृहिणी जो चाहे कितनी भी डिश बना ले लेकिन पति को अचार की कमी जरूर महसूस होगी। सरकार चाहे बुलेट ट्रेन चला दे या मेट्रो में वाई फाई दे दे, विपक्ष को याद आएगा, "अरे! जनरल बोगी में खड़े यात्रियों का क्या?", वो जनरल बोगी जिसे सत्ता में रहते हुए खुद कभी देखने की जहमत उसने ही नहीं उठाई थी। विदेश की ट्रेनें देखी जाएं तो भारत की रेलवे धिक्कारने लायक हो जाती है और जैसे ही भारतीय रेलवे चमचमाती ट्रेन निकाल दे तो विपक्ष को याद आता है कि इसमें गरीबों के लिए सीट क्यों नहीं? विपक्ष को सीट नहीं, मुद्दा चाहिए और वह विकास दे रहा है, मुफ्त में, चिल्ला-चिल्लाकर विपक्ष लपकने को तैयार होता ही है। विपक्ष की नजर में जब सरकार काम न करे तो वो निकम्मी और जब काम करे तो तानाशाह! जैसे ही कोई नीति बनाई जाती है, विपक्ष उस पर "असंवैधानिक" की मोहर लगाता है और जब वही नीति उसका अपना घोषणा-पत्र निकाल कर चिल्लाती है कि "मैं तो तेरी ही हूँ", तब विपक्ष को याद आता है "वक़्त बदल गया है।" असंतोष की परिभाषा विपक्ष के पास इतने रूपों में है कि रामलीला में रावण के दस सिर भी शर्मिंदा हो जाएं। महंगाई हो तो मारक, गिर जाए तो व्यापार चौपट। टैक्स बढ़े तो जनता पर अत्याचार, टैक्स घटे तो राजस्व हानि की चिंता। चीन सीमा पर गोली चले तो सरकार असफल, और गोली न चले तो सरकार डरपोक। विपक्ष का असंतोष एक चिरंजीवी तत्व है जो हर काल में जीवित रहता है। यह किसी पर निर्भर नहीं होता , न नीति पर, न नीयत पर। यह एक स्वतंत्र सत्ता है जिसकी राजधानी मीडिया स्टूडियो में है और संविधान "कथनों" का है। इसमें न तथ्य की जरूरत है, न तार्किकता की। बस भावना चाहिए । उत्तेजना, विरोध, और भरपूर बयान! बजट आते साथ उसका पुरजोर विरोध करना विपक्ष को खूब आता है। जैसे हर WhatsApp ग्रुप में एक ऐसा सदस्य होता है जिसे हर तस्वीर में गलती दिखती है "अरे भाई, पीछे पंखा तो बंद है!", वैसे ही लोकतंत्र में विपक्ष होता है, जिसे हर निर्णय में साजिश दिखती है और जब साजिश न मिले तो खुद ही साजिश की संभावना बना लेता है। असल में विपक्ष एक दर्पण है. जब कोई सफल योजना सामने आती है, विपक्ष उसमें विफलता खोजने लगता है, जैसे डॉक्टर की सलाह के बाद भी मरीज मर्ज़ और इलाज गूगल पर आ ढूंढता ही है। विपक्ष भी हर सरकारी नीति का इलाज खुद ही खोजता है चाहे उसे होम्योपैथी से जोड़ दे या जड़ी-बूटी से। राजनीति में विपक्ष का होना जरूरी है. यह लोकतंत्र की सेहत के लिए वही है जो कड़वा काढ़ा बीमारी के लिए होता है । गले से उतरता नहीं पर काम का होता है।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

13वीं बार आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लालू यादव

महानगर नेटवर्क

पटना

लालू प्रसाद यादव 13वीं बार राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। जिसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी रामचंद्र पूर्वे ने प्रदेश राजद कार्यालय में की। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन लालू प्रसाद ने ही किया था। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय था। अब 5 जुलाई को विधिवत ताजपोशी होगी। इससे पहले सोमवार को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए लालू प्रसाद ने नामांकन दाखिल किया था। राजद के स्थापना वर्ष 1997 से ही लालू पार्टी अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचन्द्र पूर्वे, राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चितरंजन गगन के समक्ष लालू ने चार सेटों में अपना नामांकन

पार्टी कार्यालय में ऐलान, पांच जुलाई को ताजपोशी

पत्र प्रदेश राजद के कैम्प कार्यालय में दाखिल किया। प्रत्येक नामांकन पत्र पर राष्ट्रीय परिषद के 10-10 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चितरंजन गगन ने कहा कि पांच जुलाई को पटना के बापू सभागार में आयोजित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में लालू के निर्विरोध निर्वाचन का प्रमाणपत्र सौंपा जाएगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष की अध्यक्षता में खुला अधिवेशन होगा, जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा पेश प्रस्तावों पर चर्चा होगी।आपको बता दें हाल ही में 77 साल के मंगनी लाल मंडल को राजद का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था।

दो महीनों में सभी सीटों पर रैलियां

बिहार फतह के लिए NDA की क्या है रणनीति?

महानगर नेटवर्क

पटना

इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में अपनी जीत तय करने के लिए एनडीए एकजुट उतरेगा। बिहार चुनाव में जीत के लिए रणनीति से लेकर प्रचार तक सब कुछ एनडीए के बैनर तले होगा. पीएम मोदी बिहार में एनडीए के स्टार प्रचारक हैं लिहाजा उनके बिहार में सरकारी कार्यक्रम और दौरे पहले ही शुरू हो गए हैं. एनडीए की रणनीति है कि बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी के बिहार के सभी प्रमंडलों में बड़ी सभाएं हो जाएं. बिहार में 9 प्रमंडल है और पीएम मोदी अभी तक 3 प्रमंडल में सभा और सरकारी शिलान्यास और उद्घाटन का काम कर चुके हैं. पीएम मोदी की अभी तक पटना प्रमंडल के बिक्रमगंज,

सारण प्रमंडल के सिवान और दरभंगा प्रमंडल के मधुबनी में सभाएं और सरकारी कार्यक्रम हो चुके हैं.

अगली 3 सभाओं का कार्यक्रम तैयार

पीएम मोदी की अगली तीन सभाओं का भी कार्यक्रम तैयार हो चुका है. अगले एक से डेढ़ महीने में पीएम मोदी की 3 और प्रमंडल में सरकारी कार्यक्रम होंगे. पीएम मोदी की ये प्रस्तावित सभाएं गया प्रमंडल के तहत गया में, मुंगेर प्रमंडल के बेगुसराय और कोसी प्रमंडल में होनी तय हैं.

इन 6 सभाओं के बाद पीएम मोदी की बिहार चुनाव की घोषणा से पहले पूर्णिया, भागलपुर और तिरहुत प्रमंडल में भी 3 सरकारी कार्यक्रम और सभाएं होंगी, जिसमें पीएम शिलान्यास भी करेंगे. मकसद ये कि इन 9 सरकारी कार्यक्रम और सभाओं के जरिए पीएम मोदी बिहार चुनाव के ऐलान से पहले बिहार के सभी क्षेत्रों में सरकारी कार्यक्रम करके वहां के लोगों से कनेक्ट हो चुके होंगे.

पीएम की इन जनसभाओं के साथ-हो रहे हैं. जिसमे हजारों करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जा रहा है. बीजेपी की रणनीति साफ है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एक तरफ विकास का सबसे बड़ा मुद्दा रहे. साथ ही आरजेडी के करप्शन और जंगलराज को प्रमुखता से उठाया जाए।

सभी सीटों पर एनडीए की साझा सभाएं

इसके साथ ही 15 जुलाई से 15 सितंबर तक दो महीनों में बिहार की सभी विधानसभा सीटों में एनडीए की साझा सभाएं और रैलियां होंगी. इन सभाओं और रैलियों को एनडीए के सभी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेता संबोधित करेंगे. इससे पहले सभी जिलों और ब्लॉक स्तर में एनडीए की बैठकें हो चुकी हैं.

एनडीए मे तय हुआ है कि चुनाव की रणनीति क्षेत्र विशेष के आधार पर अलग अलग तैयार की जाएगी. चुनाव में उग्र हिंदुत्व के मुद्दे नहीं उठाए जाएंगे, मुस्लिम विरोध नहीं होगा, सीमांचल की रणनीति अलग होगी. जेडीयू और एलजेपी की ज़िम्मेदारी मुस्लिम वोटों को अपनी ओर लाने की रहेगी.

एनडीए लालू यादव द्वारा आंबेडकर के अपमान को भी बड़ा मुद्दा बनाएगा. इस मुद्दे को जोर शोर से उठाकर एनडीए की नजर बिहार के करीब 19 फीसदी दलित वोटरों पर है।

भभुआ में शिक्षा विभाग के दफ्तर के पास सरेआम फायरिंग

युवक को गोली मारकर भागे बदमाश

महानगर नेटवर्क

भभुआ

भभुआ शहर में मंगलवार सुबह शिक्षा विभाग के कार्यालय के सामने फायरिंग हो गई। बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक युवक को गोली मार दी और वहां से भाग निकले। गोलीबारी में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर ले गए। सरकारी कार्यालय के पास हुई वारदात से शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गोलीबारी में घायल हुए युवक का नाम अभिषेक कुमार है। वह भभुआ शहर की जायका गली का रहने वाला है। उसकी उम्र 22 साल है। जानकारी के अनुसार अभिषेक सुबह अपने किसी मिलने वाले को अखलासपुर बस पड़ाव पर छोड़कर बाइक से वापस घर की ओर लौट रहा था। इसी दौरान एनएच 219 पर शिक्षा विभाग के कार्यालय के पास उस पर हमला कर दिया गया। बदमाशों ने अभिषेक पर फायरिंग कर दी। उसके हाथ में गोली लगी है। फायरिंग कर बदमाश मौके से फरार हो गए। प्राथमिक उपचार के दौरान सदर अस्पताल में उसने पुलिस को बयान दिया जिसमें दो बदमाशों के नाम लिए हैं। सदर थाना पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। वारदात की वजह अभी पता नहीं चल पाई है। हालांकि, आपसी रंजिश में अभिषेक को गोली मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

मधुबनी में डेट पर कोर्ट गए बुजुर्ग की मौत

महिलाओं से झगड़े में भागने के दौरान गिरे थे

महानगर नेटवर्क

मधुबनी

मधुबनी जिले में मुकदमा की पैरवी करने आए महेश्वर सिंह 60 वर्ष की मारपीट के बाद मौत हो गई। मृतक खजौली थाना क्षेत्र के शराबे मंगती टोल का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह वह अपने वकील से मुलाकात करने के बाद मुकदमा में पैरवी करने न्यायालय आए थे। कोर्ट के बाहर एक होटल के सामने सड़क पर विपक्ष की महिलाओं ने उसके साथ गाली-गलौज और धक्का मुक्की करने लगी। वह जान बचाकर अनुमंडल कार्यालय की ओर भागा। लोगों के अनुसार विपक्षी उसे खदेड़ रही थी। इसी दौरान वह गिर गया और बेहोश हो गया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार दल-बल के साथ कोर्ट कैंपस के आसपास लोगों से पूछताछ की। जानकारी के अनुसार तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस फिलहाल जांच में जुटी है। कोर्ट के बाहर घटी इस घटना से अधिवक्ता और लोग भी हैरान हैं। जब किसी गवाह की इस तरह मारपीट के बाद जान चली गई हो।

आधार में सुधार के बहाने चकमा दे गई बीवी

गोपालगंज। गोपालगंज जिले में शादी के महज 10 दिन बाद ही एक नवविवाहिता अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। आधार में सुधार करवाने के बहाने वह पति के साथ बाजार गई और फिर वहां से चकमा देकर भाग गई। बताया जा रहा है कि पत्नी अपने साथ 8 लाख रुपये के गहने और कुछ संपत्ति भी लेकर गई है। यह घटना फुलवारिया थाना क्षेत्र की है। कोयला देवा टोला गांव के रहने वाले मंटू कुमार रजक ने अपनी नवविवाहित दुल्हन चुलबुली देवी के खिलाफ फुलवारिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मंटू ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बहन के साथ आधार कार्ड में सुधार करवाने के लिए 15 जून को कुसौंधी बाजार गया था।

पवन सिंह के मकान में चोरी

- खिड़की के रास्ते घर में घुसे चोर
- 15 लाख के जेवरात ले उड़े

महानगर नेटवर्क

आरा

भोजपुरी सिनेमा अभिनेता सह गायक और पावर स्टार के नाम से मशहूर पवन सिंह के मकान में सोमवार की देर रात चोरी हुई है। चोरों ने करीब 15 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति चुराई है। यह घटना आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र के मझौंवा, मारुति नगर मकान में हुई है। इसे लेकर सिने अभिनेता के बड़े भाई राणू सिंह ने संबंधित थाना में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है।

वारदात के बाद एसपी राज के निर्देश पर संबंधित थाना के अलावा डीआईयू और एफएसएल की टीम जांच में जुट गई है। दरअसल, सिनेमा अभिनेता पवन सिंह का आरा शहर में पकड़ी और मारूति नगर दो मोहल्लों में मकान है। मारुति नगर मोहल्ले के

मकान में सिनेमा स्टार की पहली पत्नी स्व. नीलम देवी के माता-पिता रहते हैं, जो उनके बड़े भाई के भी सास-ससुर हैं। सोमवार की देर रात अज्ञात चोर मकान की खिड़की की ग्रील उखाड़कर कमरे के अंदर प्रवेश कर गए। जिस कमरे में चोर घुसे उस कमरे में घटना के समय कोई नहीं सोया था।

चोरों ने कमरे में अलमारी और बक्से को तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात समेत अन्य सामान चुरा लिया। इस दौरान किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इधर, अभिनेता पवन सिंह की सास कलावती देवी ने बताया कि 15 हजार नकद दो कंगन, लक्ष्मी चैन, एक नवाबी चैन, एक मंगलसूत्र, दो सिकड़ी, दो अंगूठी, चार जोड़ा छागल मिलाकर करीब 15 लाख की चोरी की गई है। जब सुबह मैंने दरवाजा खोला तो, दरवाजा नहीं खुल रहा था। जिसके बाद मैंने अपने पति से बोला कि जाकर के गली से देखिए क्या हुआ है।

नवादा के ककोलत जलप्रपात में बाढ़

नवादा। नवादा के गोविंदपुर प्रखंड के ककोलत जलप्रपात में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। झारखंड में हुई लगातार बारिश के कारण झरने में पानी का स्तर बढ़ गया है। पानी की तेज धार से जलप्रपात की सीढ़ियों की रेलिंग को नुकसान पहुंचा है। झरने से गिरता पानी इतनी ऊंचाई तक उछल रहा है कि आसपास के लोग भयभीत हो गए हैं। पानी गिरने से उत्पन्न तेज आवाज ने भी लोगों में डर पैदा किया है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस दृश्य का वीडियो बनाया है। वन विभाग के वनरक्षक रमेश कुमार ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। बारिश के कारण एक जाल टूट गया है और कुछ पेड़ गिर गए हैं। एक बिजली का खंभा भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

नहर में डूबने से 10 साल के किशोर की मौत

महानगर नेटवर्क

मोतिहारी

मोतिहारी के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के बगाहा के पास नहर में मंगलवार को एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गड्डुपुर निवासी मुकेश उपाध्याय के बेटे शिवम कुमार(10) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शिवम अपने तीन दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया था। नहर में पानी का तेज बहाव था। इसी दौरान शिवम का संतुलन

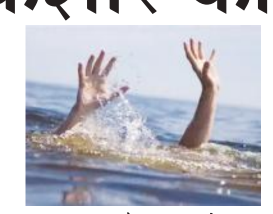

बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चला गया।

घटना के बाद उसके दोस्तों ने शोर मचाकर स्थानीय लोगों को बुलाया। फिर गोताखोरों की मदद से शिवम को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हरसिद्धि पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर में शिवम की मौत की खबर पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजन फूट-फूटकर रोने लगे। गांव का माहौल गमगीन है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष श्रवेंद्र कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

ठनके की चपेट में आने से बेटे की मौत

औरंगाबाद। औरंगाबाद में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना कुटुंबा प्रखंड के अंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत अतरौली वन गांव की है। मंगलवार की दोपहर तेज बारिश हुई। बारिश के बाद वह खेत में बोए गए धान के बिचड़े को देखने गया था। तभी तेज गर्जन के साथ बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गया। युवक की मौत हो गई। अमर गांव के दिलीप सिंह (18) का इकलौता बेटा था। सोमवार को ही उसने खेत में धान का बिचड़ा बोया था। मंगलवार दोपहर अचानक तेज

बारिश शुरू हुई। अमर यह देखने गया कि बिचड़ा बह तो नहीं गया। खेत पहुंचते ही वज्रपात हुआ और वह गिर पड़ा। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने उसे देखा तो शोर मचाया। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उसे जिंदा समझकर कुटुंबा रेफरल अस्पताल ले जाया गया।

व्यापार

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का IPO 26 जून को ओपन होगा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का IPO 26 जून को ओपन हो रहा है। निवेशक इस इश्यू के लिए 30 जून तक बिडिंग कर सकेंगे। 3 जुलाई को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी टोटल 200 करोड़ जुटाना चाहती है। कंपनी इश्यू में 40 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर्स जारी करेगी। इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक या प्रमोटर ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 160 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस ने IPO का प्राइस बैंड 105 - 111 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 135 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 111 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,985 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1,755 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,94,805 इन्वेस्ट करने होंगे।

सेंसेक्स 158 अंक चढ़कर 82,055 पर बंद

मुंबई। इजराइल-ईरान सीजफायर के बाद आज यानी मंगलवार, 24 जून को सेंसेक्स करीब 158 अंक चढ़कर 82,055 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 72 अंक की तेजी रही, ये 25,044 के स्तर पर बंद हुआ। दिन ने 83,018 के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स 963 अंक गिरा। निफ्टी भी डे-हाई से 273 अंक गिरकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 25,317 के स्तर तक पहुंच गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स 2.6% चढ़ा।

अब देशभर में दौड़ेंगी न्यूगो की इलेक्ट्रिक बसें

महानगर नेटवर्क

मुंबई

ग्रीनसेल मोबिलिटी के प्रीमियम इलेक्ट्रिक इंटरसिटी बस ब्रांड न्यूगो ने देशभर में अधिक रूट्स पर सेवाएं शुरू करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह विस्तार न्यूगो की हरित और शून्य-उत्सर्जन वाली परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। यात्रियों को अब पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में स्मार्ट, आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा विकल्प मिल रहे हैं। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाना है, जिसके तहत देश के कई शहरों और कस्बों को जोड़ने वाले नए रूट्स शुरू किए गए हैं। 300 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की शून्य-उत्सर्जन फ्लीट के ज़रिए न्यूगो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने

के अपने मिशन पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रांड का फोकस यात्रियों को सुरक्षित, समय पर और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने पर है। पर्यावरण के प्रति जागरूक और विश्वसनीय यात्रा पसंद करने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए न्यूगो ने कई नए रूट्स लॉन्च किए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण रूट है दिल्ली-लखनऊ, जो देश का सबसे लंबा इलेक्ट्रिक इंटरसिटी रूट है और लगभग 10 घंटे में पूरा किया जाएगा।

10 सालों में 3 लाख करोड़ के टनल प्रोजेक्ट्स पूरा करने की योजना : गड़करी

महानगर नेटवर्क

पुणे

मंगलवार को MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 'सस्टेनेबल टनलिंग फॉर बेटर लाइफ' पर इंटरनेशनल वर्कशॉप का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन की शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति (ITA-CET) के सहयोग से दो दिनों के इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारत, यूरोप, यूके और

अमेरिका के ग्लोबल एक्सपर्ट एकजुट हुए।

MIT-WPU में टनलिंग और अंडरग्राउंड कंस्ट्रक्शन एक्सीलेंस सेंटर का उद्घाटन इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, जो भारत में इस तरह की पहली फैसिलिटी है। टनल मॉनिटरिंग लैब के साथ-साथ ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग लैब की सुविधा भी उपलब्ध है। इस एक्सीलेंस सेंटर को सैंडविक और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया गया है, जिसका उद्देश्य अंडरग्राउंड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड रिसर्च तथा ट्रेनिंग में सहयोग देना है। इस वर्कशॉप में मुख्य संबोधन के अलावा तकनीकी सत्र और पैनल चर्चाओं का भी आयोजन किया गया, जिनकी अध्यक्षता श्री अर्नोल्ड डिक्स (इंटरनेशनल टनलिंग एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष) और इस क्षेत्र के अन्य जाने-माने विशेषज्ञों ने की। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में कहा भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के सबसे अच्छे दौर में कदम रख रहा है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक निःशुल्क एयरपोर्ट ट्रांसफर की सुविधा देगा

मुंबई। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (AU)) ने आज भारत के अग्रणी ट्रैवल प्लेटफॉर्म मेकमायट्रिप के साथ लाइफस्टाइल से जुड़ी भागीदारी की घोषणा की है, जिसके तहत भारत में 2,000 मूल्य की कॉम्प्लीमेंट्री कैब बुकिंग सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। आने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा में एक गैप था, जिसे दूर करते हुए बैंक का लक्ष्य अपने ग्लोबल ग्राहकों का स्वागत सुगम और अधिक कनेक्टेड यात्राओं के साथ करना है। जैसे ही एनआरआई भारत में उतरेंगे या प्रवास में रहेंगे, उन्हें इन सुविधाओं का लाभ मिलेगा। वर्तमान में एयू एनआरई और एनआरओ बैंकिंग सेवाओं का एक व्यापक सुईट प्रदान करता है, जिसमें सेविंग अकाउंट पर 6.75% प्रति वर्ष तक की आकर्षक ब्याज दरें, एयू एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट रेट्स 5.75% प्रति वर्ष तक, जीरो क्रॉस-करेंसी चार्ज और डेडिकेटेड रिलेशनशिप मैनेजर शामिल हैं।

श्रीराम समुह ने श्रीराम वेल्थ लिमिटेड का गठन किया

मुंबई। श्रीराम समुह ने दक्षिण अफ्रीका की वित्तीय सेवा कंपनी सॅनलैम के साथ मिलकर भारत में धन प्रबंधन क्षेत्र को बदलने के उद्देश्य से एक संयुक्त उद्यम कंपनी, श्रीराम वेल्थ लिमिटेड का गठन किया है। श्रीराम समुह भारत में सबसे भरोसेमंद वित्तीय सेवा समूहों में से एक है, जबकि दक्षिण अफ्रीका का सॅनलैम समुह दुनिया भर के 31 देशों में बीमा, परिसंपत्ति प्रबंधन और धन प्रबंधन क्षेत्रों में काम करता है। श्रीराम वेल्थ लिमिटेड दोनों समूहों का 50:50 संयुक्त रणनीतिक उद्यम है। श्रीराम वेल्थ 150 से अधिक वर्षों से धन सृजन में दोनों समूहों की विरासत और दीर्घकालिक वित्तीय समृद्धि के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता का मिलाफ है। श्रीराम वेल्थ के प्रबंध निदेशक और सीईओ विकास सतीजा ने कहा, श्रीराम वेल्थ का मुख्य मिशन सबसे भरोसेमंद भागीदार बनना, हमारे निवेशक ग्राहकों की संपत्ति बढ़ाना और उनके लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाना यह है। हमारा मिशन भारत में बढ़ते निवेशकोंको पारदर्शी, संशोधन और मजबूत संबंधों के आधार पर वित्तीय समाधान प्रदान करना है। इसके लिए हम सनलैम की विश्व स्तरीय निवेश विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। श्रीराम कैपिटल के एमडी और सीईओ सुभाश्री श्रीराम ने कहा, श्रीराम वेल्थ श्रीराम समूह के विकास में एक नए युग का प्रतीक है।

एमवे इंडिया द्वारा इम्युनिटी पोर्टफोलियो का विस्तार

मुंबई। जीवनशैली संबंधी बढ़ती बीमारियों और बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ, भारत में स्वास्थ्य सेवा के प्रति जागरूक के रूप में एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। बदलती उपभोक्ता ज़रूरतों के साथ तालमेल बिठाते हुए, स्वास्थ्य और सेहत क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रीलाइट ट्रिपल प्रोटेक्ट के साथ अपनी पोषण श्रेणी उत्पादों में वृद्धि की है। प्लांट प्रोटीन-आधारित पूरक, एसरोला चेरी, हल्दी और लीकोरिस की प्राकृतिक ताकत के साथ वैज्ञानिक रूप

से तैयार किया गया है। इस शक्तिशाली फॉर्मूलेशन में ऐसे पोषक तत्व हैं जो शरीर में ट्रिपल-एक्शन फॉर्मूला के साथ कार्य करते हैं - प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना, सूजन को कम करना तथा आंत, त्वचा और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए मजबूत एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करना। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने इस अवसर पर कहा कि चूंकि खराब पोषण देश के आधे से अधिक लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।

पेटीएम ने शेषराशि जांचने की सुविधा शुरू की

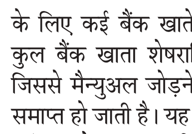

मुंबई। भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी पेटीएम अब उपयोगकर्ताओं को जो पेटीएम अनुप्रयोग पर यूपीआई के लिए कई बैंक खाते लिंक किए हुए हैं, एक ही स्थान पर कुल बैंक खाता शेषराशि देखने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे मैन्युअल जोड़ने या अनुप्रयोग बदलने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह धनराशि का एकीकृत दृश्य देकर वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाती है और प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि भी प्रदर्शित करती है ताकि वित्तीय जानकारी अधिक स्पष्ट हो सके। पहले, खाता धारकों को प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि अलग-अलग जांचनी पड़ती थी और कुल राशि को स्वयं जोड़ना पड़ता था। इस सुविधा के साथ, पेटीएम यूपीआई गुप्त पहचान संख्या सत्यापन के बाद प्रत्येक बैंक खाते की शेषराशि को सुरक्षित रूप से प्राप्त करता है और तुरंत कुल शेषराशि को प्रदर्शित करता है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

योगी सरकार चला रही बड़ा अभियान

सवा दो लाख सरकारी भवनों की छतों पर होगा ये काम

महानगर संवाददाता

लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार उत्तर प्रदेश में बड़ा अभियान चला रही है। सरकार वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसका उद्देश्य जल संरक्षण को मजबूत करना और भूजल की कमी को दूर करना है। मंगलवार को लखनऊ में जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गई। अभियान के तहत राज्य भर में 2.35 लाख सरकारी और अर्ध-सरकारी भवनों को छत पर वर्षा जल संचयन प्रणाली से लैस किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि लगभग 34,000 सार्वजनिक भवनों में पहले से ही ये प्रणालियां स्थापित हैं और आने वाले महीनों में इसे एक लाख से अधिक अतिरिक्त संरचनाओं तक विस्तारित करने की योजना है। बयान के मुताबिक यह पहल भूजल स्तर को रिचार्ज करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब तक 16 जिलों- अयोध्या, अंबेडकर नगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बलिया, झांसी और पीलीभीत ने सभी पात्र सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन की स्थापना का 100 प्रतिशत लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। बयान में आगे कहा गया है कि राज्य का जल शक्ति विभाग पूरे उत्तर प्रदेश में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए 'कैच द रेन-2025' अभियान चला रहा है। इसमें कहा गया है कि इसके तहत विभिन्न सरकारी और अर्ध-सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणालियां स्थापित करने की योजना बनाई गई है। योजना के तहत जल्द ही एक लाख से अधिक भवनों में ये प्रणालियां स्थापित की जाएंगी।

पीडीए वाले कथा सुन सकते हैं तो सुना क्यों नहीं सकते?

अखिलेश बोले- कथावाचक कानून भी बना ले सरकार

महानगर संवाददाता

इटावा

यूपी के इटावा में कथावाचक के साथ बदसलूकी के मामले में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बड़े आंदोलन की चेतावनी के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेस वार्ता कर सरकार पर हमला बोला है। सपा मुखिया अखिलेश ने कहा कि समाज में इटावा जैसी घटनाएं हो रही है, भाजपा ऐसी घटनाएं होने देना चाहती है। यह सरकार हार्टलेस है। इस सरकार में बैठे लोग पीडीए को सहन नहीं कर पा रहे है। भगवत कथा सबके लिए है। सब सुन सकते हैं तो बोल क्यों नहीं सकते है।भागवत कथा कौन कह सकता है। इस पर भी सरकार कानून बना ले। अखिलेश यादव ने कहा कि भगवत कथा तो श्री कृष्ण से जुड़ी है। यह वर्चस्ववादी लोग अपना एकाधिकार समझते है। यह लोग तय

कर लेते कि पीडीए समाज से दान, चंदा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। इन लोगों पर भाजपा सरकार का साथ मिला हुआ है। देश की राष्ट्रपति भी हेय दृष्टि का सामना कर चुके है। सपा प्रमुख ने कहा कि अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में बैठे लोग अन्याय करवा रहे हैं । भगवत कथा सबके लिए है । जब सब सुन सकते हैं तो सब बोल क्यों नहीं सकते हैं। प्रभुत्व वादी और वर्चस्ववादी लोगों को फिर पीडीए से चढ़ावा और चंदा नहीं लेना चाहिए। भाजपा जाए , हम सबको चैन आए। अखिलेश ने भागवत कथा में अपमानित हुय लोगो को मंच पर बुलाया।

उन्होंने भागवत कथा सुनाई। इटावा के कथावाचक को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सम्मानित किया । 51-51 हज़ार भी दिए। इससे पहले इटावा में कथावाचक की जाति पूछने और बाल कटवाने के मुद्दे पर सपा प्रमुख अखिलेश ने सोमवार रात को तीखे तेवर अपनाते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, इटावा के बकेवर इलाके के दान्दरपुर गांव में भागवत कथा के दौरान कथावाचक और उनके सहायकों की जाति पूछने पर पीडीए की एक जाति बताने पर, कुछ वर्चस्ववादी और प्रभुत्ववादी लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उनके बाल कटवाए, नाक रगड़वाई और इलाके की शुद्धि कराई।

सावन में कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट

शाहजहांपुर। अगले महीने शुरू होने जा रहे सावन महीने को लेकर प्रशासन अभी से अलर्ट हो गई है। शाहजहांपुर जिले से होकर गुजरने वाले कांवड़ यात्री इस बार पुलिस की सुरक्षा में अपने गंतव्य की ओर रवाना होंगे। जिले में पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाये जा रहे हैं और निगरानी के लिये ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि इस बार श्रावण मास 11 जुलाई से 9 अगस्त तक होगा।

कांवड़ यात्री पड़ोस के जिले फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से गंगा जल लेकर लगभग 160 किलोमीटर का रास्ता तय करके लखीमपुर खीरी जिले के गोला गोकर्णनाथ स्थित शिव मंदिर पर जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान कांवड़िये शाहजहांपुर जिले के अंदर 100 किलोमीटर के रास्ते से होकर गुजरते हैं। इस बार पुलिस प्रशासन ने कांवड़ियों को सुरक्षा देने के खास बंदोबस्त किये हैं। इसे लेकर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने मंगलवार को बताया कि इस बार जिले के संपूर्ण कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालु पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में रहेंगे। यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले हर थाने के बाहर एक शिविर लगाया जाएगा जिसमें पुलिस बल तैनात रहेगा। एसपी ने बताया कि शिविर के प्रभारी अपने थाने की सीमा तक पुलिस कर्मियों को कांवड़ियों के दल के साथ भेजेंगे। साथ ही वह अगले थाने को भी सूचित करेंगे ताकि अगला थाना अपने यहां शिविर में तैनात पुलिसकर्मियों को कांवड़ियों के साथ जाने के लिये पहले से ही तैयार कर ले। इसके अलावा पुलिस प्रतिक्रिया वाहन (पीआरवी) पर सवार पुलिस बल भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर गश्त करेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस के अधिकारी रोस्टर के तहत आवंटित मार्ग पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी का निरीक्षण करने के साथ ही अपनी ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज कराएंगे। उन्होंने बताया कि निगरानी के लिये सभी कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगवाये जा रहे हैं। इन कैमरों की पहुंच उनके मोबाइल फोन के साथ-साथ मुख्यालय पर बने नियंत्रण कक्ष के पास भी होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या किसी खुफिया सूचना के आधार पर इस बार कांवड़ यात्रा के लिये इतनी कड़ी व्यवस्था की जा रही है इस सवाल पर एसपी ने कहा कि कोई खुफिया सूचना नहीं है। यह पुलिस बल की जिम्मेदारी है कि वह कांवड़ियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचने में सहायता करे।

अब्बास अंसारी की हेट स्पीच मामले में सुनवाई टली

मऊ। हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी की सुनवाई पर वादी मुकदमा एसआई बिंद कुमार की उपस्थिति न होने के कारण अगली सुनवाई की 26 जून को तय किया। 31 मई 2025 को एमपी एमएलए कोर्ट से अधिकारियों को धमकाने के मामले में अब्बास अंसारी और उनके इलेक्शन एजेंट मंसूर अंसारी को 2 साल की सजा कोर्ट ने सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ उन्होंने सेशन कोर्ट में अपील किया था यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में नगर कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ पूरा मोहल्ले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अब्बास अंसारी खुले मन से अधिकारियों को धमकी देते हुए कहा था कि चुनाव जीतने के बाद सरकार बनने पर अधिकारियों का ट्रांसफर पोस्टिंग पर रोक रहेगी। सभी अधिकारियों का हिसाब किताब करना है। इस बयान को संज्ञान में लेते हुए इलेक्शन कमीशन ने एस आई गौतम कुमार बिंद के तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया था। अब्बास अंसारी के साथ उनके चाचा और इलेक्शन एजेंट मंसूर अंसारी भी आरोपी बनाए गए थे।

31 मई 2025 को एमपी एमएलए कोर्ट ने 2 साल की सजा सुनाते हुए कुछ आर्थिक दंड भी लगाया था। इसी फैसले को चैलेंज करते हुए अब्बास अंसारी ने सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में अपील दायर किया था।

प्रयागराज में गजब! सुहागरात पर चाकू लेकर सोई

फिर छत से कूदकर प्रेमी संग फरार हो गई सितारा

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

यूपी के प्रयागराज से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक दूल्हे के सुहागरात में पर कुछ ऐसा हुआ कि वह जीवन भर नहीं भूल पाएगा। दरअसल सुहागरात के दिन दुल्हन ने चाकू लेकर पास में लेकर सोई। जब दूल्हा उसके पास गया तो दुल्हन ने चाकू निकाल ली और कहा कि अगर टच किया तो टुकड़े-टुकड़े कर दी। धमकी देने के बाद दुल्हन एक रात दीवार लांघकर अपने आशिक संग फरार हो गई।

ये मामला प्रयागराज के नैनी इलाके का है। जहां कप्तान नाम के एक युवक की शादी 29 अप्रैल को करछना डीहा के रहने वाले लक्ष्मी

नारायण निषाद की बेटी सितारा संग हुई थी। शादी तक सब कुछ ठीक रहा लेकिन सुहागरात के दिन जो हुआ उससे दूल्हे के पैरों तले जमीन खिसक गई। कप्तान का आरोप है कि सुहागरात के दिन उसकी नई नवेली दुल्हन ने चाकू दिखाते हुए उसे धमकी दी। कहा कि उसे छुआ तो अंजाम बुरा होगा, उसके 35 टुकड़े कर देगी, वह किसी और कि अमानत है। इसके बाद दुल्हन बेड पर सो गई और दूल्हा डर के मारे सोफे पर सोया। दूल्हे के मुताबिक पूछताछ के दौरान उसकी पत्नी ने बताया कि उसका प्रेम प्रसंग भटौती गांव के रहने वाले अमन नाम के लड़के के संग है और वह उसी के साथ रहना चाहती है। इसके बाद पत्नी मायके चली गई। दोनों परिवारों के बीच समझौता भी हुआ और सितारा को दोबारा ससुराल रहने भेजा गया। लेकिन एक दिन चुपचाप वह आशिक संग फरार हो गई। वहीं, इस मामले में नैनी थाना प्रभारी बृजेश गौतम का कहना है कि शादी के बाद दुल्हन एक युवक के साथ फरार हो गई थी। वर्तमान में वह मायके में है। दोनों पक्ष में सामानों के वापसी का विवाद चल रहा है। दूल्हे की तरफ से दुल्हन पर धमकाने का आरोप लगाया गया है।

प्रेम के प्यार में 'गिरफ्तार' हुआ सोनू बीवी

जेंडर चेंज कराकर बना सोनिया, मंदिर में लिए सात फेरे

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से एक अनोखी और चर्चित खबर सामने आई है। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थित मंदिर में दो समलैंगिक जोड़ा हिन्दू रीति रिवाज से शादी के सात फेरे लिए और साथ जीने मरने की कसमें खाए, वही यह शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। जिले नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के खैरटिया गांव स्थित शिव मंदिर में दो समलैंगिक जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज से शादी रचाई। शादी के बाद से यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।

सो रहे किसान पर तेंदुआ ने किया हमला

ग्रामीणों ने बचाई जान, इलाके में हड़कंप

महानगर संवाददाता

बहराइच

उत्तर प्रदेश में बहराइच के ग्रामीण इलाकों में वन्यजीवों के हमले इतने बढ़ गए हैं कि अब मच्छरदानी में भी ग्रामीण नहीं सुरक्षित है। एक बुजुर्ग किसान गर्मी के कारण घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी देर रात तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। लेकिन गनीमत इतनी थी कि फौरन लोग दौड़ पड़े जिससे उनकी जान बच गई।

जानकारी के मुताबिक कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग से सटे गांव बनकटी में इन दिनों जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन उनके हमले में ग्रामीणों की जान चली जाती है। इसी गांव के निवासी बलदेव सिंह मच्छरदानी

लगाकर घर में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक घर में घुसे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान बलदेव सिंह तेंदुए से भिड़ गए और शोर मचाने लगे। उनका शोर सुनकर घर के लोग और ग्रामीणों ने हांका लगाना शुरू किया तो तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया।

घायल किसान का अस्पताल में इलाज जारी

घायल बलदेव सिंह को स्थानीय अस्पताल मिहीपुरवा ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने बताया कि तेंदुए के हमले से शरीर पर कई जगह जख्म हैं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के दरोगा राघवेंद्र कुमार गौतम ने घायल बलदेव को तत्काल एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की और ग्रामीणों को तेंदुए के पकड़ने का आश्वासन दिया।

सोनभद्र हत्याकांड में 3 आरोपी गिरफ्तार

देशी तमंचा, कारतूस और पल्सर बाइक बरामद

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र हत्याकांड में पुलिस ने तीन अभीयुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनमें मंगला गुप्ता, ओमजी पाठक, और अंतलाल गुप्ता शामिल हैं। मंगला गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उसने अपने परिवार पर हमले की रंजिश में हत्या की। अमरनाथ के परिवार की धमकियों से

परेशान होकर मंगला का परिवार मिर्जापुर शिफ्ट हो गया और सूरत में नौकरी करने लगा। इसके बावजूद भी रंजिश बनी रही और मंगला ने ओमजी पाठक और अंतलाल गुप्ता के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। 17 जून 2025 को तीनों मोटरसाइकिल से अमरनाथ के घर पहुंचे, जहां मंगला ने तमंचे से अमरनाथ के सिर में गोली मारी और तमंचा फेंककर तीनों भाग गए। मंगलवार को को सुबह 5 बजे एसओजी और शाहगंज पुलिस ने प्राथमिक विद्यालय उमरी के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। उनके पास से एक देशी तमंचा, 315 बोर का फायर किया हुआ खोखा कारतूस, और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई।

नहीं करनी नौकरी

ट्रेनिंग शुरू होते ही इस्तीफा लेकर एसपी के पास पहुंचा सिपाही

महानगर संवाददाता

देवरिया

यूपी में 15 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गृहमंत्री अमित शाह ने परीक्षा के बाद चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया। पिछले ही हफ्ते इनकी ट्रेनिंग भी शुरू हो गई है। अलग-अलग जिलों में इनकी ट्रेनिंग हो रही है। इस बीच देवरिया में ट्रेनिंग कर रहा एक सिपाही अपने पिता के साथ इस्तीफा देने एसपी कार्यालय पहुंच गया। उसकी बातों को पुलिस अधीक्षक से पहले उनके पीआरओ ने सुना तो अवाक रह गया। उसने सिपाही को समझाया-बुझाया। कहा कि पहली ट्रेनिंग के दौरान शुरुआत में ऐसी दिक्कतें

होती हैं। आगे चलकर सब ठीक हो जाएगा। उसकी बातों को सुनकर बिना एसपी से मिले ही सिपाही फिलहाल लौट गया है। देवरिया के पुलिस लाइन में 17 जून से रिक्रूटों का जेटीसी प्रशिक्षण शुरू हुआ है। इसमें अंबेडकर नगर, अयोध्या, आजमगढ़, गाजीपुर व सुल्तानपुर जिले के रिक्रूट शामिल हैं। इनमें गाजीपुर जिले का एक रिक्रूट सोमवार की सुबह अपने पिता के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा। उसने एसपी से मुलाकात की बात उनके पीआरओ डा.महेंद्र कुमार से कही। पीआरओ ने मिलने का कारण पूछा। रिक्रूट की बात सुनकर वह अवाक रह गए। रिक्रूट ने बताया कि उसकी नियुक्ति सिपाही के लिए हुई है। लेकिन वह इस्तीफा देने के लिए आया है।

उसने कहा कि ट्रेनिंग के लिए भोर में चार बजे ही उठना पड़ता है। इससे बहुत परेशानी हो रही है। उसके पिता ने बताया कि उनका बेटा पढ़ाई में होनहार है। यह हर दिन आठ बजे तक सोकर उठता है और इसके बाद सात से आठ घंटे तक पढ़ाई करता है।

'10 फीट से अधिक न हो ताजिया'

संभल में CO अनुज चौधरी ने मोहर्रम और कांवड़ यात्रा को लेकर सुनाया फरमान

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में चर्चित सीओ अनुज चौधरी एकबार फिर से चर्चा में आ गए। संभल के चंदौसी सर्किल में तैनात चर्चित सीओ अनुज चौधरी ने मोहर्रम के मौके पर निकाले जाने वाली ताजिया को लेकर नई गाइडलाइन का पालन करने का पाठ लोगों को पढ़ाया। सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि ताजिया 10 फीट से अधिक की नहीं होनी चाहिए। चंदौसी कोतवाली में शांति समिति की बैठक में शासन की गाइडलाइन के बारे में जानकारी दी गई। यहां मोहर्रम और सावन के महीने में होने वाले कांवड़ यात्रा व गणेश चतुर्थी के त्योहार को देखते हुए मीटिंग हुई।

ताजिया और डीजे को लेकर निर्देश शासन की गाइडलाइन को लेकर बताते हुए सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि ताजिए की ऊंचाई दस फीट ही रखें मोहर्रम पर न तो कोई पेड़ काटा जाएगा और न ही बिजली की तार काटी या हटाई जाएगी। साथ ही कांवड़ यात्रा में बजने वाले डीजे को लेकर भी सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि वो निर्धारित आवाज में ही डीजे बजाएं। उन्होंने बताया कि शासन की गाइडलाइन के मुताबिक ताजिया निकालने के दौरान कोई पेड़ या बिजली लाइन नहीं काटी जाएगी। डीजे को भी निर्धारित आवाज में बजाने के निर्देश दिए हैं। इस मीटिंग के दौरान एसडीएम डॉ. राजेन्द्र पेंसिया ने भी मोहर्रम के जुलूस को लेकर लोगों से उनकी समस्याएं सुनी और रास्ते आदि को सही कराने के जरूरी निर्देश दिए।

बता दें कि इस साल मोहर्रम की शुरूआत 26-27 जून की रात से मानी जा रही है। इस्लामी कैलेंडर का पहला माह मुहर्रम होता है। इस्लाम में इस महीने को काफी पवित्र माना जाता है। वहीं आशूरा की तारीख 5 या 6 जुलाई पड़ सकती है। आमतौर पर मुहर्रम के 10 वें दिन को आशूरा मानाया जाएगा।

कोई नया व्यक्ति नहीं निकालेगा ताजिया

बैठक में सीओ अनुज चौधरी ने आगे कहा कि जो व्यक्ति पहले से ताजिया निकालता आया है, वही व्यक्ति ताजिया निकालेगा। अगर किसी कारण वश वह नहीं निकाल पाता है तो उसकी जगह कोई दूसरा व्यक्ति ताजिया नहीं निकालेगा। यानी इस बार कोई नया व्यक्ति ताजिया नहीं निकाल पाएगा।

बिजली के पोल से टकराए बाईक सवार दो युवक जिंदा जले

मथुरा। यूपी के मथुरा में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में दो दोस्तों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मांट-वृंदावन मार्ग पर उनकी नई अपाचे बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। दोनों नई बार से सैर के लिए निकले थे। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि बाइक सवार युवकों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस आसपास के इलाकों में दोनों की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। रात करीब 12:45 बजे थाना मांट क्षेत्र में पुलिस को पता चला कि एक तेज रफ़्तार अपाचे बाइक बिजली के पोल से टकरा गई है।

मेडिकल कॉलेज में रेप की शिकार नाबालिग सदमे में

मेरठ। मेरठ के मेडिकल अस्पताल में 13 साल की बच्ची से दूसरे मरीज के तीमारदार ने दुष्कर्म की वारदात अंजाम दी। घटना के बाद से बच्ची की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह सदमे में है। पुलिस भी पीड़िता के बयान नहीं कराई पाई है। परिजन, बच्ची को घर ले गए हैं और अब ऑपरेशन की अगली तारीख ली जाएगी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है। घटना को लेकर मेडिकल की सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की लापरवाही साफ तौर पर सामने आई है। रात्रि के समय कोई निगरानी नहीं रखी गई। बता दें कि इंचौली के एक गांव निवासी 13 साल की किशोरी मेडिकल में भर्ती थी। यहीं पर दूसरा मरीज भी भर्ती था। उसके साथ उसका भाई रोहित तीमारदार था। किशोरी शनिवार रात बाथरूम गई थी। इसी दौरान रोहित ने किशोरी से रेप किया था। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज की वीडियो फुटेज की जांच की। बच्ची देर रात बाथरूम की ओर जाती दिख रही है। पीछे-पीछे आरोपी भी जाता दिखाई दे रहा है। इसके कुछ देर बाद आरोपी वापस आया था। करीब 15 मिनट वह बाथरूम में रहा। इसी दौरान रेप किया गया। पुलिस ने वीडियो फुटेज को सुरक्षित कराया है।

बलिया में उद्यान विभाग की नई योजना

पॉली हाउस पर मिलेगा 50% अनुदान

महानगर संवाददाता

बलिया

उत्तर प्रदेश के बलिया में उद्यान विभाग किसानों को पॉली हाउस स्थापना पर 50% अनुदान दे रहा है। किसान 500 से 2500 वर्ग मीटर तक पॉली हाउस बना सकते हैं। यह योजना फूल और सब्जियों की खेती को आसान और लाभकारी बनाएगी। पॉली हाउस आधुनिक तकनीक से खेती को मौसम की मार से बचाता है। उद्यान विभाग दो प्रकार के पॉली हाउस सिस्टम पर अनुदान दे रहा है। फैन-पैड सिस्टम में 1800 रुपये प्रति वर्ग मीटर की लागत पर 50% अनुदान मिलेगा। इसमें ठंडक और वेंटिलेशन के लिए पंखे और पैड का

हर मौसम में फसल रहेगी सुरक्षित

उपयोग होता है। नेचुरल वेंटिलेटेड सिस्टम में 1200 रुपये प्रति वर्ग मीटर की लागत पर 50% अनुदान दिया जाएगा। यह सिस्टम प्राकृतिक हवा और प्रकाश पर निर्भर करता है। जिला उद्यान अधिकारी अल्का श्रीवास्तव ने बताया कि पॉली हाउस खेती के लिए वरदान है। यह अत्यधिक गर्मी, ठंड, बारिश और तेज धूप से फसलों की रक्षा करता है। पॉली हाउस में तापमान आर्द्रता और प्रकाश को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे फसलों की गुणवत्ता और उपज बढ़ती है। कीट और बीमारियों से फसलों का बचाव होता है। इसमें पानी और उर्वरक का उपयोग भी कम होता है। फूल, सब्जियां और औषधीय पौधों की खेती के लिए यह आदर्श है।अनुदान के लिए किसानों को बलिया के उद्यान विभाग से संपर्क करना होगा। वहां प्रस्ताव जमा करना होगा। निदेशालय से प्रस्ताव स्वीकृत होने पर अनुदान मिलेगा।

फतेहाबाद का नाम अब होगा सिंदूरपुरम

आगरा में जिला पंचायत बोर्ड ने पास किया प्रस्ताव

महानगर संवाददाता

आगरा

आगरा में जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में फतेहाबाद कस्बे का नाम बदलकर सिंदूरपुरम रखे जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया। बोर्ड के सदस्यों ने फतेहाबाद नाम को गुलामी का प्रतीक बताया। फतेहाबाद के बादशाही बाग का नाम भी बदलकर ब्रह्माबाग किए जाने पर बोर्ड के सदस्यों ने मुहर लगाई। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ मंजू भदौरिया की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में क्षेत्र के विकास के साथ अन्य पहलुओं पर चर्चा हुई। कई प्रस्ताव पारित किए गए।

कस्बा फतेहाबाद के नाम को बदलने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। फतेहाबाद नाम को गुलामी का प्रतीक बताया गया। सदस्यों ने

जीत के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर इसका नाम सिंदूरपुरम करने का प्रस्ताव पास कर दिया। इसी तरह बादशाही बाग के नाम को ब्रह्मोस मिसाइल के नाम पर ब्रह्मा बाग करने पर सहमति बनी। अब प्रशासन के माध्यम से इन दोनों प्रस्तावं को शासन के पास भेजा जाएगा। बोर्ड की बैठक में गांवों में चिल्ड्रन पार्क बनाने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। डॉ. भदौरिया ने बताया कि जिला पंचायत विरासत को सहेजने के साथ क्षेत्र में विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर मुख्य अधिकारी उमेश चंद्र, अभियंता देवेंद्र कुमार सहित जिला पंचायत और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और सदस्य मौजूद रहे।

फतेहाबाद नगर था सामूगढ़

सन् 1658 में औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह पर जीत के बाद सामूगढ़ का नाम बदलकर फतेहाबाद रख दिया था। बादशाही बाग भी बनवाया था। तब से आज तक सामूगढ़ को फतेहाबाद के नाम से ही जाना जाता है।

महापुरुषों के नाम पर होंगे चिल्ड्रन पार्क

डॉ मंजू भदौरिया ने बताया कि वर्ष 2025-26 में विभिन्न गावों में चिल्ड्रन पार्कों का निर्माण कराएगी। कुछ पार्कों में महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी। इन स्थलों के नाम महान विभूतियों के नाम से रखे जायेंगे।

फ्लैट का दरवाजा खोलते ही युवती के उड़े होश बेड पर पड़ा मिला ठेकेदार का गला कटा शव

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां गुड़ंबा अर्जुन एनक्लेव में मंगलवार सुबह ठेकेदार की गला रेत कर हत्या कर दी गई। शव कमरे में पड़ा मिला था। दोपहर में ठेकेदार से मिलने के लिए परिचित युवती आई थी। कई बार दस्तक देने पर गेट नहीं खुला। ऐसे में युवती ने दूसरी चाभी से दरवाजा खोला। मकान में दाखिल होने पर ठेकेदार का शव बेड़ पर पड़ा मिला। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि सुलतानपुर भरखरे के रहनेवाले 45 साल के उमाशंकर सिंह अर्जुन एनक्लेव-2 में किराए पर रहते थे। अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर उनका फ्लैट था। मंगलवार दोपहर पुलिस को एक युवती ने फोन कर उमाशंकर सिंह का शव कमरे में पड़ा होने की सूचना दी। पूछताछ में युवती ने बताया कि वह जब फ्लैट पर आई तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी दस्तक देने पर भी गेट

नहीं खुला। कमरे की एक चाभी युवती के पास भी रहती है। ऐसे में युवती ताला खोल कर अंदर पहुंची। जहां बेड पर उमाशंकर सिंह का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था। पुलिस ने संदेह के आधार पर युवती के साथ एक महिला को हिरासत में लिया है। अंदेशा है कि अनैतिक संबंध हत्या की वजह हो सकते हैं। उधर, हाथरस एक मंदिर के पास बनी झोपड़ी के बाहर मंगलवार सुबह एक बुजुर्ग साध्वी का शव बरामद हुआ। पुलिस को संदेह है कि किसी विवाद के बाद साध्वी के साथी ने उसकी हत्या की है।

एक सांसद के दो साइन

जस्टिस शेखर यादव के महाभियोग प्रस्ताव पर फंसा पेच

महानगर नेटवर्क

पटना

राज्यसभा सचिवालय ने पुष्टि की है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव को उनकी 'हेटस्पीच' के लिए पद से हटाने के संबंध में प्रस्ताव लाने का नोटिस देने वाले 55 सांसदों में से 44 सदस्यों के हस्ताक्षर का सत्यापन हो गया है जबकि कपिल सिब्बल और नौ अन्य ने अब तक अपने हस्ताक्षरों का सत्यापन नहीं किया है। सिब्बल नोटिस पर शीघ्र कार्रवाई के लिए मुखर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा सचिवालय से ऐसा कोई ईमेल नहीं मिला है, जिसमें पुष्टि की गई हो कि पिछले छह महीनों के दौरान उनके आधिकारिक ईमेल पर तीन बार नोटिस भेजा गया है। सिब्बल ने हस्ताक्षरों के सत्यापन की आवश्यकता और मार्च में देरी से प्रक्रिया शुरू करने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नोटिस 13 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत किया गया था। न्यायमूर्ति यादव को हटाने के लिए

55 सांसदों ने प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन उनमें से एक सदस्य सरफराज अहमद के हस्ताक्षर नोटिस पर दो बार दिखाई दे रहे हैं। राज्यसभा सचिवालय जांच कर रहा है कि नोटिस पर उनके हस्ताक्षर दो बार कैसे दिखाई दे रहे हैं और क्या वे जाली हैं। सूत्रों ने बताया कि झारखंड से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सांसद अहमद इस मुद्दे पर पहले ही राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मिल चुके हैं और इस बात की पुष्टि की है कि उन्होंने दो बार नहीं बल्कि केवल एक बार हस्ताक्षर किए थे। सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति यादव को हटाने के लिए 55 विपक्षी सांसदों द्वारा प्रस्तुत नोटिस पर तारीख नहीं है और ये किसी को संबोधित नहीं है। संविधान के अनुसार उच्च न्यायपालिका के किसी न्यायाधीश को सेवा से तभी हटाया जा सकता है जब संसद के दोनों सदनों द्वारा प्रस्ताव को वर्तमान सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से मंजूरी दे दी जाए। इसके बाद राष्ट्रपति को इसे मंजूरी देनी होती है। राज्यसभा में ऐसा प्रस्ताव तभी लाया जा सकता है जब 50 सदस्यों के हस्ताक्षर हों। लोकसभा के लिए 100 सदस्यों के हस्ताक्षर की जरूरत होती है। सूत्रों के अनुसार पूर्व केंद्रीय मंत्री और अब निर्दलीय राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने पिछले छह महीनों में अपने आधिकारिक ईमेल पर तीन बार अनुस्मारक भेजने के बाद भी अब तक राज्यसभा सचिवालय के समक्ष अपने हस्ताक्षर का सत्यापन नहीं कराया है। सिब्बल ने कहा कि मैंने सभापति धनखड़ से कई बार मुलाकात की है, लेकिन उन्होंने न्यायमूर्ति यादव को हटाने के नोटिस पर मेरे हस्ताक्षरों के सत्यापन का मुद्दा कभी नहीं उठाया जबकि पूरी प्रक्रिया का प्रस्तुतकर्ता और शुरुआत करने वाला मैं ही हूं।'' उन्होंने यह भी कहा कि हस्ताक्षर सत्यापन की आवश्यकता तभी पड़ती है जब नोटिस पर किए गए हस्ताक्षरों पर सवाल उठाया गया हो। निर्दलीय राज्यसभा सदस्य ने देरी पर भी सवाल उठाया और कहा कि सदन के सभापति को नोटिस को स्वीकार या अस्वीकार करना चाहिए और प्रक्रिया में देरी नहीं करनी चाहिए। सिब्बल ने कहा है कि ऐसे न्यायाधीश को संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। सिब्बल ने पिछले वर्ष एक कार्यक्रम में कथित सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए न्यायमूर्ति यादव को हटाने की मांग की है। उन्होंने हस्ताक्षर सत्यापन के लिए छह महीने की अवधि निर्धारित करने पर भी सवाल उठाया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि कम से कम 10 सांसदों ने अब तक राज्यसभा सचिवालय के समक्ष अपने हस्ताक्षर सत्यापित नहीं कराए हैं, जिसने उन्हें सात मार्च, 13 मार्च और एक मई को ऐसा करने के लिए अनुस्मारक भेजे हैं। पी चिदंबरम ने कहा कि मंगलवार को पहली बार उन्हें उनके हस्ताक्षर के सत्यापन के लिए भौतिक दस्तावेज (नोटिस) दिखाया गया था। चिदंबरम ने बताया कि उन्होंने अपने हस्ताक्षर सत्यापित किए लेकिन राज्यसभा सचिवालय ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

अमेरिकी हमलों से पहले ईरान ने बचा लिया 400 किलो यूरेनियम?

महानगर नेटवर्क

तेहरान

ईरान और इजरायल के बीच 13 जून से चल रही भीषण जंग में सैकड़ों लोगों की मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर तो करवा दिया, लेकिन कुछ ही घंटों में जंग शुरू हो गई है। इसके लिए ट्रंप ने ईरान और इजरायल दोनों पर गुस्सा निकाला है। इस बीच ईरान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। ऐसी रिपोर्ट है कि इजरायल और अमेरिका के परमाणु ठिकानों पर हमलों से पहले ईरान ने तीनों साइट से 400 किलो यूरेनियम गुप्त रूप से निकाल लिया था। तेहरान ने अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों से पहले अपने तीन बड़े परमाणु ठिकानों -फोर्डो, नतांज और इस्फहान से लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार कथित तौर पर हटा लिया। यह यूरेनियम इतना पर्याप्त है कि उससे 9 से 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। यह यूरेनियम विशेष बैरल्स में

10 परमाणु बमों को बनाने की ताकत

छिपाया गया था, जिन्हें दस कारों के बूट में आसानी से फिट किया जा सकता है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों का दावा है कि यह भंडार हमलों के ठीक पहले एक गुप्त स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया था। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के प्रमुख राफेल मारीआनो ग्रोसी ने इस यूरेनियम के गायब होने की पुष्टि की है। वेंस ने ABC न्यूज से बातचीत में कहा कि यह परमाणु ईंधन भविष्य में ईरान के साथ होने वाली किसी भी शांति वार्ता में एक बड़ा मुद्दा रहेगा। हम आने वाले हफ्तों में इस पर काम करेंगे।

नेशनल सिक्योरिटी को लेकर अमेरिका का बड़ा कदम

वीजा चाहिए तो सोशल मीडिया अकाउंट करने होंगे सार्वजनिक

Viral Video देख लोगों का लगा झटका

नई दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक सेफ्टी को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका ने बड़ा कदम उठाया है। अमेरिका ने कहा कि स्टूडेंट वीजा के लिए सभी आवेदकों को अपना सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक करने होंगे। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने भारतीय स्टूडेंट्स और दूसरे वीजा आवेदकों को इसे लेकर साफ-साफ निर्देश दे दिए हैं। ये नया नियम F, M और J नॉन-इमिग्रेंट वीजा के लिए है, ताकि बैकग्राउंड चेक में कोई कमी न रहे। ये कदम डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के उस फैसले के बाद आया है जब पिछले महीने स्टूडेंट वीजा प्रोसेसिंग को कुछ समय के लिए रोका गया था। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि तुरंत प्रभाव से F, M या J नॉन-इमिग्रेंट वीजा के लिए आवेदन करने वाले सभी व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट की गोपनीयता सेटिंग्स को 'सार्वजनिक' कर दें, ताकि अमेरिकी कानून के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका में उनकी पहचान और स्वीकार्यता स्थापित करने के लिए आवश्यक जांच की जा सके। F श्रेणी का वीजा (F-1) उन छात्रों को जारी किया जाता है जो शैक्षणिक अध्ययन करना चाहते हैं। M श्रेणी का वीजा (M-1) उन लोगों को जारी किया जाता है, जो व्यावसायिक या अन्य गैर-शैक्षणिक अध्ययन करना चाहते हैं। जबकि J श्रेणी का वीजा (J-1) उन लोगों को जारी किया जाता है, जो कुछ सप्ताह से लेकर कई वर्षों तक की अवधि के लिए पढ़ाना, अध्ययन करना, अनुसंधान करना या नौकरी पर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं।

क्या हैं F, M और J वीजा

F वीजा: यूनिवर्सिटी, कॉलेज या एकेडमिक संस्थानों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए।
M वीजा: टेक्निकल या वोकेशनल स्कूलों में पढ़ने वालों के लिए।
J वीजा: सांस्कृतिक और शैक्षिक एक्सचेंज प्रोग्राम्स में हिस्सा लेने वालों के लिए।
पिछले महीने अमेरिकी प्रशासन ने अपने दूतावासों से छात्र वीजा के लिए नियुक्तियां बंद करने को कहा था, क्योंकि इससे आवेदकों के सोशल मीडिया पोस्ट की जांच बढ़ गई है। 18 जून को छात्र वीजा साक्षात्कारों को फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि आवेदकों को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल को सार्वजनिक करना होगा ताकि वाणिज्य दूतावास अधिकारी उनकी जांच कर सकें।

ईरान-इजराइल युद्ध के चलते देशभर में 60+ फ्लाइट कैंसिल

4 राज्यों में भी उड़ानें प्रभावित

एअर इंडिया बोला- एयर स्पेस खुलने से उड़ानें फिर शुरू करेंगे

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

ईरान- इस्राइल के बीच तनाव चल रहा है। ईरान-इस्राइल तनाव का सीधा असर वैश्विक हवाई उड़ानों पर पड़ा है। इस तनाव में अमेरिका के दखल के बाद पश्चिम एशिया के प्रमुख देशों ने अपने हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया। इसके चलते करीब 750 से ज्यादा उड़ानों को रद्द करना पड़ा। सबसे ज्यादा उड़ानें दुबई एयरपोर्ट से रद्द की गईं, जबकि अन्य विदेशी एयरलाइन्स ने भी उड़ानों को रद्द किया। ईरान के हमलों के बाद कतर ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिसके चलते कई एयरलाइन कंपनियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। कतर का

हवाई क्षेत्र बंद होने के चलते एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर और कतर एयरवेज आदि ने या तो अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं या उन्हें डायवर्ट कर दिया है। फ्लाइटअवेयर के एयर ट्रैफिक डाटा के मुताबिक सोमवार दोपहर तक दुनिया भर में 705 उड़ानें रद्द की गईं। इसमें सबसे ज्यादा 75 उड़ानें दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रद्द हुईं। इसमें एयर इंडिया में सबसे ज्यादा 38 उड़ानें शामिल थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह से हवाई क्षेत्र को बंद करना और उड़ानों का मार्ग बदलना सुरक्षा की दृष्टि से अहम है। इस्राइल-ईरान के बीच 12 जून से शुरू हुए हमलों के बाद से पश्चिम एशिया में हालात तनावपूर्ण थे। इसके बाद अमेरिका ने शनिवार रविवार की दरमियानी रात ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला। जवाब में ईरान ने सोमवार को कतर के अल उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सेना पर मिसाइल हमला किया। इससे कुछ घंटे पहले ही कतर ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। जबकि अमेरिका और ब्रिटेन ने भी अपने नागरिकों से वहां शरण लेने के लिए कहा था। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने भी कुछ सप्ताह के लिए उड़ानों को बंद कर दिया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा कि 'मध्य पूर्व में चल रही तनावपूर्ण स्थिति और कतर का हवाई रास्ता बंद होने के कारण, हमने कोच्चि से मस्कट जाते हुए दोहा जाने वाली उड़ान को डायवर्ट कर दिया है।

आतंकियों ने बंदूक की नोंक पर छीना फोन

सिम कार्ड एक्टिव करने के बाद बाप-बेटे पहुंच गए थाने

महानगर नेटवर्क

उधमपुर

इस महीने की शुरुआत में बाप-बेटे की जोड़ी उधमपुर से सांबा आई। पुलिस उन्हें आतंकी संबंधों के शक में पुलिस स्टेशन लेकर आ गई। यह सब इस वजह से हुआ, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर एक सिम कार्ड को फिर से एक्टिव किया था। पुलिस को इसका इस्तेमाल आतंकियों की तरफ से किए जाने का शक था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मूल रूप से उधमपुर के खब्बल गांव का रहने वाला यह परिवार आतंकियों से जान को खतरा होने के डर से दो हफ्ते पहले सांबा जिले में चला गया था। सांबा में वे बारी ब्राह्मणा की एक फैक्ट्री में काम करते थे। इन लोगों ने एक पुराने सिम कार्ड को फिर से एक्टिव किया। इसी की वजह से पुलिस उनके घर पर जा पहुंची।

Air India की लंदन-मुंबई फ्लाइट में बीमार हुए 5 पैसेंजर

नई दिल्ली। 23 जून 2025 का दिन भारतीय विमानन सेक्टर के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की कई फ्लाइट्स में तकनीकी गड़बड़ियां सामने आईं, जिससे यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों और क्रू मेंबर्स की तबीयत बिगड़ गई। इस सबके बीच DGCA ने एयर इंडिया के मुख्य बेस का विशेष ऑडिट शुरू कर दिया है। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-130, जो 23 जून को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई आ रही थी, उसमें सफर के दौरान 5 यात्रियों और 2 क्रू मेंबर्स की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

सूरत शहर में महज चार घंटे में 7 इंच बारिश

देश के 26 राज्यों में पहुंचा मानसून

नई दिल्ली। देश के 26 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। सूरत शहर में पिछले 24 घंटे से तेज बारिश हो रही है। सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक महज चार घंटे में ही 7 इंच बारिश दर्ज की गई है। बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। जगह-जगह पानी भर गया है। सूरत प्रशासन ने सोमवार को स्कूल की छुट्टी कर दी है। सूरत में पहले दिन की बारिश ने 2006 में बाढ़ जैसे हालात की याद ताजा कर दी। साल 2006 में 7-10 अगस्त में हुई भारी बारिश से सूरत का करीब 80-95 प्रतिशत हिस्सा डूब गया था। इधर मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ की मौजूदगी से अगले 4 दिन तक बारिश का ताकतवर सिस्टम सक्रिय रहेगा, इससे भारी बारिश होगी। टीकमगढ़ में रविवार को 9 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। माउंट आबू में 24 घंटे में 7 इंच पानी बरस चुका है।

निर्वाचन आयोग का कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को जवाब

बोला कानून के मुताबिक ही कराए जाते हैं सभी चुनाव

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर कहा है कि आयोग द्वारा सभी चुनाव संसद द्वारा पारित कानूनों और नियमों के अनुसार कराए जाते हैं। आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान हजारों कर्मी तैनात होते हैं, जिनमें राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट भी शामिल हैं। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों अखबारों में लेख लिखकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

को लेकर सवाल उठाए थे।

निर्वाचन आयोग का जवाब

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से लिखे गए लेख का जवाब देते हुए आयोग ने बीते 12 जून को राहुल गांधी को ईमेल किए गए एक पत्र में कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है, जिसमें 1,00,186 से अधिक बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ), 288 चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 निर्वाचन अधिकारी (आरओएस) शामिल होते हैं। इसके अलावा पूरे महाराष्ट्र में राष्ट्रीय और राज्य के राजनीतिक दलों द्वारा 1,08,026 बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए जाते हैं और इसमें कांग्रेस के 28,421 बीएलए होते हैं। आयोग ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से कहा कि हम मानते हैं कि चुनाव के संचालन के संबंध में कोई भी मुद्दा कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा सक्षम अदालत (उच्च न्यायालय) में दायर चुनाव याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा।

प्रदीप कुमार दास को सीएमए आइकन 2025 अवॉर्ड

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेंसी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्ट प्रदीप कुमार दास को द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा प्रतिष्ठित सीएमए आइकन 2025 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 12वें नेशनल स्टुडेन्ट्स कोन्वोकेशन 2025 के दौरान नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के महानिदेशक सदानंद दाते द्वारा दिया गया। दास जो मई 2020 से इरेडा का नेतृत्व कर रहे हैं, वे यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता से कॉमर्स ग्रेजुएट हैं।

25 जून को लांच हो सकता है एक्सियम-4 मिशन

स्पेसएक्स के नए ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से दोपहर 12.01 बजे लांच की संभावना

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए एक बार फिर से उम्मीद की किरण जगी है। नासा और स्पेसएक्स के बहुप्रतीक्षित एक्सिओम मिशन 4 की लॉन्चिंग अब 25 जून 2025 को तय की गई है। इस ऐतिहासिक मिशन में भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बतौर मिशन पायलट शामिल होंगे, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए रवाना होंगे। राकेश शर्मा के बाद वह दूसरे भारतीय होंगे जो अंतरिक्ष की यात्रा करने जा रहे हैं। इस मिशन को पहले कई बार तकनीकी खामियों और खराब मौसम के चलते स्थगित किया गया था, लेकिन अब बुधवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे, यह

मिशन फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जिसे अंतरिक्ष में वापसी के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स मिलकर इस चौथे निजी अंतरिक्ष मिशन को अंजाम देने जा रहे हैं। मिशन का नेतृत्व अंतरिक्ष जगत की अनुभवी कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जबकि शुभांशु शुक्ला इसमें पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। टीम में हंगरी के टिबोर कापू और पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ के रूप में शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेरठ जैसी घटना

गला काटा, फिर शव को सूटकेस में रखकर सीमेंट का प्लास्टर किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेरठ जैसी हुई वारदात का खुलासा हो गया है। सोमवार को यहां की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एक सूटकेस के अंदर लाश मिली थी। धारदार हथियार से युवक का गला काटा, फिर शव को सूटकेस के अंदर डाला और सीमेंट का मोटा प्लास्टर चढ़ा दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने रिटायर्ड एएसआई के बेटे अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी शर्मा को गिरफ्तार किया है। दोनों को गिरफ्तारी दिल्ली से हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान किशोर पैंकरा के रूप में हुई है। इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड अंकित उपाध्याय है। वह पेशे से वकील भी है। लाश फेंकने ले जाते वक्त पति और पत्नी CCTV कैमरे में कैद हुए

थे। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली फरार हो गए थे। दरअसल, रायपुर के रायपुरा की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी फेज-2 के पास पेटी में रखकर युवक की लाश फेंकी गई है। सोमवार दोपहर बाद से पूरे इलाके में गंध आने लगी। शाम तक गंध और बढ़ गई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसके बारे में पुलिस को जानकारी दी।

गिफ्ट्स इंडिया एक्सपो 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

नई दिल्ली। आरएक्स इंडिया द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय इवेंट में 15 से अधिक देशों के 200+ प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया और 17 श्रेणियों में 7000 से अधिक इनोवेटिव उत्पादों की प्रदर्शनी की गई बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर, मुंबई में आयोजित गिफ्ट्स इंडिया एक्सपो 2025 का 31वां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह देश का सबसे प्रतिष्ठित और व्यापक कॉर्पोरेट गिफ्टिंग एवं स्टेशनरी प्रदर्शनी आयोजन रहा। इस आयोजन ने एक बार फिर रचनात्मकता, व्यापारिक नवाचार और वैश्विक साझेदारी के लिए एक मजबूत मंच प्रदान किया। 12 जून को हुए उद्घाटन समारोह में मिलिंद बड़ापात्रे, संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख, एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, मुंबई सहित एमएसएमई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग संघों के प्रतिनिधि एवं अग्रणी ब्रांडों के बिजनेस लीडर्स उपस्थित रहे। उद्घाटन ने उद्योग जगत में गुणवत्ता और सहभागिता की एक नई ऊंचाई स्थापित की।

ट्रेनों में सफाई के लिए रेलवे ने बनाया नया प्लान

हाईटेक मशीनों से मिनटों में कोच को चमका देंगे कर्मचारी

सफाई के लिए बड़ा कदम

नई दिल्ली। ट्रेन में सफर करने वाले लोगों के लिए गंदगी हमेशा से सबसे बड़ी परेशानी रही है, जिसकी शिकायतों के चलते रेलवे और भारत सरकार पर सवाल खड़े होते हैं लेकिन अब इसे दुरुस्त करने के लिए एक खास प्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत ट्रेन में चंद मिनटों में ट्रेन के अंदर सफाई कर्मचारी हाईटेक मशीनों की मदद कोच को साफ-सुथरा बना देंगे। इसके लिए रेल मंत्रालय ने क्लीन ट्रेन स्कीम की शुरुआत साल 2002 में की थी। इसके तहत रेल के डिब्बों और शौचालयों को स्वच्छ रखने का प्लान बना था। इसमें प्रमुख ट्रंक मार्गों पर चिन्हित स्टेशनों पर रुकने के दौरान ट्रेनों की मशीनीकृत मार्ग सफाई शामिल है और इसी स्कीम में अब बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। स्वच्छता कर्मचारियों को यूनिफॉर्म, बैटरी से चलने वाले पोर्टेबल वैक्यूम क्लीनर और बैकपैक-टाइप हाई प्रेशर जेट क्लीनिंग मशीन दी जाएंगी और ये लोग महज 10 मिनट में पूरा कोच और पूरी ट्रेन साफ कर देंगे।

शेख का एक फोन और सीजफायर को मान गया ईरान...

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

आखिर कतर पर दूसरे देशों को क्यों है इतना भरोसा?

मध्य-पूर्व में बसा छोटा सा देश कतर जिसकी आबादी महज 30 लाख है और उसकी सबसे बड़ी ताकत अकूत धन-दौलत है। इसके अलावा भी कतर की एक ताकत है और वो है अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के समाधान में डिप्लोमैटिक पावरहाउस की तरह काम करना। हाल के सालों में दुनिया में जितने भी बड़े संघर्ष हुए हैं, कतर ने अपने सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल कर उन्हें सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है। ईरान और इजरायल के बीच मंगलवार को हुए सीजफायर में भी कतर की भूमिका रही है। ट्रंप ने पहले इजरायल को सीजफायर के लिए राजी किया

और फिर कतर के शासक से कहा कि वो ईरान को सीजफायर के लिए राजी करें। इसके बाद कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने ईरानी अधिकारियों को फोन किया और उन्हें सीजफायर के लिए मनाया। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी संघर्ष में कतर ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई हो बल्कि पहले भी कतर इस तरह की सफल मध्यस्थता करता रहा है।

अमेरिका-अफगानिस्तान संघर्ष

अमेरिका ने 11 सितंबर 2001 के हमले के बाद अफगानिस्तान पर हमला कर तालिबान के साथ लड़ाई शुरू की थी। अमेरिकी सैनिकों और तालिबान के बीच दो दशक तक संघर्ष चला और आखिरकार अमेरिका को अफगानिस्तान से वापस लौटना पड़ा। सत्ता दोबारा तालिबान के नियंत्रण में चली गई। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नेटो सैनिकों की वापसी और अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा में कतर ने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई। 2013 में कतर ने तालिबान को दोहा में एक ऑफिस खोलने की अनुमति दी थी जो तालिबान का विदेश में पहला ऑफिस था। दोहा में ही तालिबान और अमेरिकी अधिकारियों के बीच लंबे समय तक वार्ता चली जिसके बाद 29 फरवरी 2020 को दोनों पक्षों में एक समझौता हुआ और अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान से वापस लौट आए।

जमानत के लिए तिकड़म करने वालों पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता याद दिलाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण मामले में सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि कुछ लोग पहले तो अदालत में बड़ी रकम जमा करने की बात करते हैं, ताकि उन्हें जमानत मिल जाए। फिर बाद में अपनी बात से पलट जाते हैं। वे कहते हैं कि जमानत की शर्त बहुत सख्त है या उनके वकील को ऐसा कहने का अधिकार ही नहीं था। कोर्ट ने इस तरह के रवैये को गलत बताया है। जस्टिस के. वी. विश्वनाथन और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि वे न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता को बनाए रखना चाहते हैं। वे किसी को भी अदालत के साथ 'लुका-छिपी' का खेल खेलने की इजाजत नहीं देंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि वे ऐसे लोगों को अपनी चालाकी से फायदा उठाने नहीं देंगे, जिन्होंने जमानत पाने के लिए इस तरह का तरीका अपनाया। कोर्ट ने यह बात CGST एक्ट के तहत एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। आरोपी पर 13.7 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का आरोप है।

घर में शिवलिंग की स्थापना के उपाय

हिंदू धर्म में शिवलिंग का अपना एक अलग महत्व है। भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग में पुरुष और स्त्री दोनों की ऊर्जा होती है, जिसे हिंदू शास्त्रों में सृष्टि का आरंभ माना गया है। शिवलिंग की पूजा से हमें कई तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है और मन शांत रहता है। साथ ही कोई भी नकारात्मक ऊर्जा हमारे आसपास नहीं भटकती है, लेकिन पूजा घर के लिए शिवलिंग का चयन करते वक्त हम अक्सर कई गलतियां कर देते हैं। अगर आप घर में शिवलिंग की स्थापना करने वाले हैं तो नीचे दी गई जरूरी जानकारियों से आपके हर तरह के कन्फ्यूजन दूर हो जाएंगे। वहीं अगर आपके घर में पहले से ही शिवलिंग स्थापित हो चुके हैं तो एक बार नजर डाल लें कि कहीं आपने कुछ गलती तो नहीं कर दी।

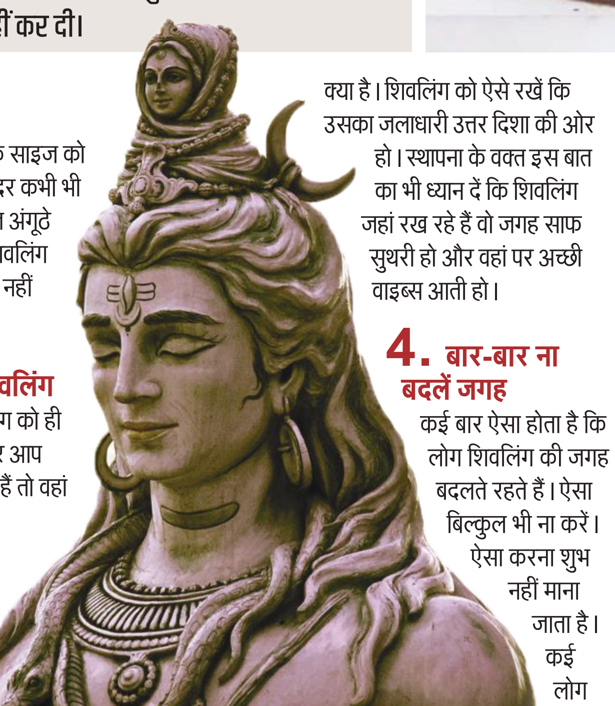

1. ना रखें बहुत बड़ा शिवलिंग

अगर आप घर में शिवलिंग रखना चाह रहे हैं तो इसके साइज को लेकर जरूर कन्फ्यूजन में होंगे। बता दें कि घर के अंदर कभी भी बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग का साइज अंगूठे के बराबर होना चाहिए। नहीं तो मुट्ठी के आकार का शिवलिंग भी ठीक रहेगा। बड़ा शिवलिंग रखना घर के लिए शुभ नहीं है। बड़े शिवलिंग सिर्फ मंदिरों में रखने चाहिए।

2. घर के लिए हमेशा लाएं नर्मेश्वर शिवलिंग

कोशिश करिए कि घर के लिए हमेशा नर्मेश्वर शिवलिंग को ही चुनें। ये शिवलिंग आपको बाजार में मिल जाएंगे। अगर आप ओमकारेश्वर या फिर महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग जाते हैं तो वहां आपको कई साइज में नर्मेश्वर शिवलिंग मिल जाएंगे।

3. शिवलिंग रखने के लिए सही दिशा

अब शिवलिंग लाने के बाद आपको इस बात का कन्फ्यूजन भी होगा कि आखिर इसे रखने की सही दिशा क्या है। शिवलिंग को ऐसे रखें कि उसका जलाधारी उत्तर दिशा की ओर हो। स्थापना के वक्त इस बात का भी ध्यान दें कि शिवलिंग जहां रख रहे हैं वो जगह साफ सुथरी हो और वहां पर अच्छी वाइब्स आती हो।

4. बार-बार ना बदलें जगह

कई बार ऐसा होता है कि लोग शिवलिंग की जगह बदलते रहते हैं। ऐसा बिल्कुल भी ना करें। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। कई लोग शिवलिंग को गमले में भी रख देते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं तो ध्यान रखिए कि तुलसी के गमले में शिवलिंग ना रखें।

5. खाली शिवलिंग ना रखें

शिवलिंग को कभी भी खाली ना रखें। कोशिश करें कि शिवलिंग की स्थापना के समय ही एक छोटे से नंदी महाराज की भी स्थापना हो जाए। नंदी महाराज को ऐसे स्थापित करें कि उनका चेहरा शिवलिंग की ओर हो। एक सबसे बड़ी बात जिस पर ध्यान देना जरूरी है कि गलती से भी शिवलिंग की स्थापना अपने बेडरूम में ना करें।

6. शिवलिंग की स्थापना के बाद ना करें ये गलती

शिवलिंग की स्थापना के बाद नियमित रूप से इसकी पूजा-अर्चना करिए। साफ-सफाई का भी खूब ध्यान रखिए। बिना पूजा के शिवलिंग को ऐसे ही छोड़ देना अशुभ माना जाता है। तो शिवलिंग की स्थापना के वक्त कुछ चीजों को अगर ध्यान में रख लेंगे तो आपके लिए ये फलदायी हो सकता है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहेगी।

स्किन को ग्लोइंग के लिए करें इन 3 फूलों का इस्तेमाल

स्किन को हर मौसम में खास देखभाल की जरूरत होती है। इसे हेल्दी रखने के कई लोग बाजार में मिलने वाले स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते, लेकिन इसमें मौजूद केमिकल स्किन पर बूरा असर भी डालते हैं। ऐसे में स्किन को हेल्दी बनाने और गर्मियों में कई तरह की समस्याओं को दूर रखने के लिए आप नेचुरल तरीके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ खास फूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये फूल एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और सूथिंग कंपाउंड से भरे होते हैं जो स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद कर सकते हैं।

विच हेजल

विच हेजल के फूल आसानी से बगीचे में उगाए जा सकते हैं, जो त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। फूल न केवल मुंहासों से लड़ते हैं बल्कि एक नेचुरल कसैले के रूप में भी काम करते हैं, जो कोशिकाओं और पोर्स को भी टाइट है। वे बड़े पोर्स और ऑयली स्किन पर काम करते हैं और चेहरे को जलन और मुंहासों से दूर रखते हैं। आप इस फूल से नेचुरल टोनर बना सकते हैं। इसके लिए आप विच हैजल फूल को पानी में डालकर उबालें। इसके बाद इसे छान लें और इस पानी को गुलाब जल में मिलाएं। इस टोनर को आप हर रोज इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी स्किन का ऑयल कंट्रोल में रहेगा।

कैमोमाइल फूल

कैमोमाइल के फूल सनबर्न के लिए बहुत अच्छे होते हैं और तुरंत असर दिखाते हैं, क्योंकि इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो आपकी सनबर्न से जली हुई त्वचा को जल्दी से आराम देते हैं। इसके साथ ही त्वचा की रंगत को भी हल्का करते हैं। सनबर्न अक्सर त्वचा के हानिकारक UV किरणों के संपर्क में आने के कारण होता है। इसके लिए आप ताजा कैमोमाइल चाय बनाएं और उसमें एक कॉटन पैड या एक छोटा तौलिया भिगोएं और लगाए। इसके लगाने के 10 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

चमेली का फूल

चमेली का फूल त्वचा की सूजन को कम करता है इसके साथ ही ये बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह मुंहासों के निशान और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है। इसमें एंटी-एजिंग गुण होते हैं और इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो त्वचा को यूवी किरणों और प्रदूषण जैसे मुक्त कणों से बचाने में मदद करते हैं, जिससे समय से पहले बुढ़ापा आने की समस्या से बचाव होता है। चमेली की क्रीम, मिस्ट या तेल दर्द और ऐंठन से भी राहत दिलाता है और त्वचा पर घाव को कम कर सकता है।

पेरेंटिंग के तरीके में कुछ बदलाव जरूर

पेरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चों पर कंट्रोल करना या हर वक्त उन्हें प्रोटेक्ट करते रहना ही नहीं है बल्कि धीरे-धीरे बच्चों को आजाद छोड़ना भी है। यहां इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि समय के साथ पैरेंट्स बच्चों पर अपना हक जताना ही छोड़ दें। लेकिन जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़े, पैरेंट्स को अपने व्यवहार और पेरेंटिंग के तरीके में कुछ बदलाव जरूर लाने चाहिए। बच्चा छोटा होता है तो पैरेंट्स उसके लिए हर फैसले लेते हैं, उसे हर कदम पर प्रोटेक्ट करते हुए चलते हैं, लेकिन यही सेम बर्ताव अगर आप बच्चे के बड़े होने पर भी करते रहेंगे तो ये ओवरकंट्रोलिंग और ओवरप्रोटेक्टिव बिहेवियर आपके रिश्तों में दूरियों की वजह भी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि नए जमाने के साथ खुद को एडॉप्ट किया जाए और ये काम बच्चों के साथ बिल्कुल ना किए जाएं।

हर बात में ना करें रोक-टोक

बच्चे जैसे-जैसे बड़े होने लगते हैं उनमें डिसीजन लेने की क्षमता भी बढ़ती जाती है। एक उम्र के बाद वो अपनी लाइफ से जुड़े हर बड़े-छोटे फैसले लेने की काबिलियत रखते हैं। लेकिन कई बार पैरेंट्स ये समझ ही नहीं पाते कि अब बच्चा बड़ा हो रहा है और कुछ फैसले वो खुद भी ले सकता है। वो बचपन की तरह ही बच्चे के फैसलों में रोक-टोक करते हैं या जरूरत से ज्यादा दखलंदाजी करते हैं। इस वजह से कई बार बच्चे घुटन महसूस करने लगते हैं और उनका कॉन्फिडेंस भी हिल जाता है।

बच्चे की पर्सनल लाइफ को ना समझना :- एक उम्र के बाद बच्चे इतने बड़े हो जाते हैं कि उन्हें भी अपने एक पर्सनल स्पेस की जरूरत होती है। खासतौर से बच्चा अगर यंग है तो उसकी एक पर्सनल लाइफ भी होती है, जिसकी पैरेंट्स को रिस्पेक्ट करनी चाहिए। बच्चे के बड़े होने के बाद भी अगर आप उसकी प्राइवेट चैट, डायरी या फोन चेक करते रहते हैं; तो ये बिहेवियर आप दोनों की बीच दूरियां बढ़ा सकता है। ऐसी सिचुएशन को मैच्योर तरीके से डील करने की जरूरत है, जहां आप बच्चे पर ट्रस्ट करें और उन्हें एक पर्सनल स्पेस दें।

अपने सपने बच्चों पर थोपना :- अक्सर पैरेंट्स ये गलती करते हैं कि वो अपने अधूरे सपनों को बच्चों के जरिए पूरा करना चाहते हैं। अपने ही बच्चों से उम्मीदें करना गलत नहीं है लेकिन अपनी ख्वाहिशें बच्चे पर थोपना भी तो सही नहीं है। बच्चा आगे क्या करना चाहता है, उसे कैसा लाइफ पार्टनर चाहिए या उसकी पसंद-नापसंद क्या है; कम से कम इन चीजों को तय करने का हक तो बच्चे का ही होना चाहिए। अगर आप ही उनकी पसंद-नापसंद का ख्याल नहीं रखेंगे तो, तो हो सकता है भविष्य में आप दोनों के रिश्तों में भी दूरियां बढ़ जाएं।

बारिश के सीजन में कैसी होनी चाहिए हमारी डाइट?

मानसून का मौसम ताजगी से भरपूर होता है। इस मौसम में साफ हवा पानी के साथ लोगों को अच्छा वातावरण मिलता है। इस मौसम में न ज्यादा गर्मी होती है, न ज्यादा सर्दी, इसलिए लोगों को सुकून मिलता है। मानसून में नमी होने से बैक्टीरिया पनपते हैं, इसलिए संक्रमण फैलने का ज्यादा चांस होता है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

मानसून में बारि श होने के कारण गंदा पानी भर जाता है, जिससे संक्रमण फैलता है और बीमारियां पैदा होने लगती हैं जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया। इसलिए अपने खाने-पीने पर हमें काफी ध्यान देने की जरुरत है। खासतौर पर जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है उन्हें अपनी डाइट में बदलाव करना चाहिए, क्योंकि उन्हें इंफेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है। है जिससे आपको बीमारी कम घर कर सकती है। हम आपको इस रिपोर्ट में बता रहे हैं कि आपको इस समय अपनी डाइट कैसी रखनी चाहिए और क्या खाना चाहिए।

हल्का खाना खाएं

फिजिशियन, डॉक्टर बताते हैं कि बरसात के दिनों में बहुत ज्यादा तला भुना खाना खाने से हमें बचना चाहिए। दरअसल, ज्यादा जंक फूड खाने से फूड पॉइजनिंग, कब्ज जैसी समस्या होने लगती है। इसलिए, लौकी, करेला, टिंडा, तोरी और दलिया का सेवन करें इससे शरीर की इम्युनिटी भी बढ़ेगी।

मौसमी फलों का सेवन करें

मौसम के अनुसार मिलने वाले फलों को खाने से कोई परेशानी नहीं होती है। मानसून के समय आम, संतरा तरबूज, खरबूजा जैसे फल मिलते हैं। इन फलों को खाने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

हॉट ड्रिंक्स से हाइड्रेट रहे

बारिश के मौसम में हमें कोल्ड ड्रिंक से परहेज करना चाहिए। अगर ठंडे ड्रिंक्स का सेवन करेंगे, तो इससे जुकाम, गला खराब, खांसी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, इस समय आपको हॉट ड्रिंक्स जैसे गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, तुलसी अदरक का काढ़ा, हर्बल चाय आदि का सेवन करना चाहिए।

जंक फूड से परहेज

बरसात के मौसम में तरह-तरह की बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। अधिकांश बीमारियां हाइजीन सही न होने की वजह से होती है। ऐसे में हमें स्ट्रीट फूड्स के सेवन से दूरी बनानी चाहिए क्योंकि इन्हें बनाने के लिए साफ-सफाई पर ध्यान कम दिया जाता है।

प्रोबायोटिक्स भी जरूरी

दही, छाछ जैसे प्रोबायोटिक हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। यह हमारी गट हेल्थ को भी बेहतर बनाते है और पाचन क्रिया को सुधारते हैं।

दांतों की सेहत का रखें ख्याल

हम सभी अपने दांतों को स्वस्थ, सफेद और मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, क्योंकि दांत ना केवल खूबसूरत मुस्कान बनाए रखने में बल्कि सेहतमंद बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसे चीजें खा लेते हैं, जो हमारे दांतों के लिए हानिकारक होती हैं। इनसे दांतों में सड़न, पीलापन, कैविटी या सेंसिटिविटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डेंटिस्ट के मुताबिक, हम खान-पान की आदतें सुधार कर दांतों को सेहतमंद बनाए रख सकते हैं।

मीठी चीजें और टॉफी

ज्यादा चीनी वाली चीजें, चॉकलेट, टॉफी, जैसी चीजें न केवल बच्चों को बल्कि बड़ों को भी काफी पसंद होती हैं, लेकिन इन चीजों में मौजूद शुगर दांतों से चिपक जाती है। डेंटिस्ट के मुताबिक ज्यादा मीठी चीजें खाने से दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचता है और कैविटी का खतरा बढ़ जाता है।

सॉफ्ट ड्रिंक और सोडा से बचें

कोल्ड ड्रिंक, सोडा, एनर्जी ड्रिंक और फ्लेवर्ड जूस में अक्सर शुगर और एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। जिससे ये ड्रिंक दांतों के इनेमल को कमजोर कर देते हैं और दांतों में सड़न शुरू हो जाती है। इसलिए इन चीजों से दूरी बनाकर ही रहे।

ज्यादा चाय, कॉफी ना लें

चाय और कॉफी में टेनिन नाम का तत्व होता है, जो दांतों का रंग पीला कर देता है। अगर इन ड्रिंक्स में चीनी भी डाली जाती है, तो दांतों में प्लाक और कैविटी का खतरा और बढ़ सकता है।

अचार और खट्टी चीजें ना खाएं

अक्सर अचार में बहुत अधिक नमक, तेल और एसिड होता है, जो दांतों के इनेमल को कमजोर कर सकता है। इनके अलावा नींबू, संतरा, मुसम्मी जैसे खट्टे फलों में एसिड होता है, लिहाजा इन्हें ज्यादा मात्रा में खाने से दांतों को नुकसान पहुँच सकता है।

आलू के चिप्स और स्टार्चयुक्त फूड से बचें

स्टार्चयुक्त फूड जैसे आलू के चिप्स, कुरकुरे, सफेद ब्रेड, मुंह में जाकर शुगर में बदल जाते हैं। जो अक्सर दांतों के बीच फंस सकते हैं। ये मुंह में बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे कैविटी और दांतों की सड़न हो सकती है।

बेसहारों और दिव्यांगों का सहारा बना आधार

एशिया की सबसे बड़ी इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी से पीड़ित लोगों की देखभाल करने वाली संस्था ADHAR ने "An Evening of Gratitude, Connection and Celebration" नाम से एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन मुंबई के BKC स्थित MCA क्लब के बाउंड्री हॉल में हुआ, जहां देखभाल करने वाले परिवारों, दानदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मिलकर इस सफर को यादगार बनाया।

ADHAR की शुरुआत एक सपने के साथ हुई थी—ऐसे बच्चों और लोगों के लिए एक सुरक्षित, स्थायी और सम्मानजनक घर बनाना, जो जीवनभर दूसरों पर निर्भर रहते हैं और खुद से नहीं जी सकते। आज ADHAR महाराष्ट्र के बदलापुर, नाशिक और सातारा में फैले अपने तीन केंद्रों के ज़रिए 435 से भी ज़्यादा परिवारों के साथ जुड़ चुका है। इसका मकसद है कि कोई भी परिवार ये सोचते हुए अकेला न रह जाए कि मेरे बाद मेरे बच्चे का कौन ख्याल रखेगा?

कार्यक्रम की शुरुआत श्री अजय मेहता के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया और ADHAR के मिशन की झलक पेश की। इस पूरे आयोजन को बड़ी सादगी और संवेदनशीलता के साथ सचिन केलकर ने होस्ट किया। इस भावुक शाम का एक प्रमुख हिस्सा था "ADHAR का सफर – 31 वर्षों की एक झलक", जिसे अरुण वाधवा ने बहुत ही असरदार ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे ADHAR ने छोटे से शुरू होकर आज एक ऐसी संस्था का रूप ले लिया है जो पूरी ज़िंदगी भर देखभाल और समावेशन का मॉडल बन चुकी है। इस चर्चा में उन समस्याओं को उजागर किया गया जिनका सामना देखभाल करने वालों को रोज़ करना पड़ता है—जैसे आजीवन निर्भरता,

वयस्कों की देखभाल की अनदेखी, और सिस्टम की कमी। यह बातचीत सिर्फ बातें नहीं थी, बल्कि आगे बढ़ने की सोच और रणनीति का एक मंच थी।

इस दौरान श्री विश्वास गोरे ने कहा:

"हम सिर्फ घर नहीं बना रहे, हम भविष्य बना रहे हैं। यह मॉडल बेहद प्रेरणादायक रहा और इसमें यह बताया गया कि कॉर्पोरेट्स को केवल फंडिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लंबे समय तक उद्देश्य से जुड़ी भागीदारी करनी चाहिए। संगीता, जो सामाजिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रखती हैं, उन्होंने बताया कि ADHAR आज के लेन-देन वाले माहौल में भी संवेदना, सच्चाई और देखभाल की गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने संस्था के आगामी प्रोजेक्ट्स और भविष्य की योजनाएं भी साझा कीं, जिनका मकसद और भी ज़्यादा लोगों तक पहुँचना है।

हार की कगार पर टीम इंडिया

इंग्लैंड के सामने 371 रनों का टारगेट

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच लीड्स के मैदान पर खेला जा रहा है। मंगलवार मुकाबले का पांचवां और आखिरी दिन है। इंग्लैंड के सामने 371 रनों का टारगेट है। फिलहाल, इंग्लैंड के लिए जो रूट (37)* और जेमी स्मिथ (12*) नाबाद हैं। मेजबान टीम ने तीसरे सेशन में अब तक कप्तान बेन स्टोक्स (33) का विकेट खोया है। इंग्लैंड ने दूसरे सेशन में 173 रन जोड़कर हैरी ब्रूक (0), बेन डकेट (149), ओली पोप (8) और जैक क्रॉली (65) के विकेट गंवाए। दिन के पहले सेशन में इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 96 रन जोड़े थे। सोमवार को भारत की दूसरी पारी 364 रनों पर सिमटी थी। वहीं, भारत के 471 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन बनाए। भारतीय टीम अगर आज जीतने में कामयाब रही तो लंबे समय से चल आ रहा एक सूखा समाप्त होगा। दरअसल, भारत ने पिछले 35 सालों में इंग्लैंड में कभी भी सीरीज का पहला टेस्ट मैच नहीं जीता है।

पहले टेस्ट के पांचवें दिन भी काली पट्टी बांधकर खेले खिलाड़ी,

भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन का खेल शुरू होने से पहले पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी की याद में एक मिनट का मौन रखा और काली पट्टी बांधी। भारत के पूर्व स्पिनर दोशी का सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 77 वर्ष के थे। उन्होंने भारत की तरफ से 33 टेस्ट मैच में 114 विकेट लिए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'दोनों टीमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप दोशी की याद में आज काली पट्टी बांध कर खेल रही हैं। दोनों टीमों ने पांचवें दिन की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन भी रखा।' दोशी एक दशक से भी अधिक समय तक

इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलते रहे। इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर और वारविकशर का प्रतिनिधित्व किया। गौर हो कि भारत ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (118 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (137 रन) की शतकीय पारियों से दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए। पांचवें दिन इंग्लैंड ने बेन डकेट और जाक क्राउली की मदद से बिना विकेट गंवाए 108 रन बना लिए हैं।

बेन डकेट ने चौथी पारी में रचा कीर्तिमान

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट मैच की चौथी पारी में शतक लगाकर बेन डकेट ने कमाल कर दिया। डकेट ने 121 गेंद में अपनी सेंचुरी पूरी की। हालांकि, उन्हें 97 रन के स्कोर पर एक बड़ा जीवनदान भी मिला था जब यशस्वी जायसवाल ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया। ऐसे में इसका फायदा उठाते हुए बेन डकेट ने अब अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। बेन डकेट साल 2010 के बाद से चौथी पारी में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के सिर्फ दूसरे ओपनर बल्लेबाज बने हैं। बेन डकेट से पहले यह कारनामा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और ओपनर एलिस्टर कुक ने किया था। ऐसा करने वाले बेन डकेट अब दूसरे इंग्लिश ओपनर बन गए हैं। डकेट ने भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट मैच में पहली पारी में भी 62 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने शतक जड़ा। दूसरी पारी में बेन डकेट का यह पहला टेस्ट शतक भी है। बेन डकेट से पहले इंग्लैंड के लिए एलिस्टर कुक ने बांग्लादेश के मीरपुर में दूसरी पारी में शतक लगाने का कारनामा किया था। कुक ने मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 109 रन बनाए थे। इस तरह अब बेन डकेट ने उनकी बराबरी कर ली है। बेन डकेट इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में 149 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में उन्होंने 170 गेंद का सामना किया, जिसमें 21 चौके और 1 सिक्स शामिल रहा।

इशान किशन का काउंटी चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू

खेली 87 रन की शानदार पारी

नॉटिंघम (यूके)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने नॉटिंघमशायर के साथ अपने काउंटी चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत सोमवार को यॉर्कशायर के खिलाफ एक धमाकेदार अर्धशतक के साथ की। किशन ने इंग्लैंड के डोम बेस और न्यूजीलैंड के विल ओ'रुरके जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली गेंदबाजों वाली यॉर्कशायर की गेंदबाजी इकाई के खिलाफ निडरता से खेला। उन्होंने सिर्फ 98 गेंदों में 87 रन बनाए जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल था। उनके रन 88.77 के स्ट्राइक रेट से आए। किशन ने नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों को कवर करने वाले एक अल्पकालिक डील पर हस्ताक्षर किए।

इशान ने भारत के लिए दो टेस्ट खेले हैं

इसने उन्हें ट्रेंट ब्रिज में यॉर्कशायर और टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए चयन के योग्य बना दिया। बाएं हाथ का यह खिलाड़ी काइल वेरिन के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में है, जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाला दक्षिण अफ्रीकी जिम्बाब्वे में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए बाहर है।

इशान ने भारत के लिए दो टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने तीन पारियों में एक अर्धशतक की मदद से 78 रन बनाए हैं। उनका सबसे शानदार प्रारूप वनडे है, जिसमें उन्होंने 27 मैचों और 24 पारियों में 42.40 की औसत, 102.19 की स्ट्राइक रेट, एक शतक और 7 अर्द्धशतक और 210 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 933 रन बनाए हैं। भारत के लिए 32 टी20आई में उन्होंने 25.67 की औसत, 124.37 की स्ट्राइक रेट, छह अर्धशतक और 89 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 796 रन बनाए हैं। पिछले साल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के साथ अपना केंद्रीय अनुबंध गंवाने के बाद किशन ने इस साल इसे फिर से हासिल कर लिया और उन्हें सी-ग्रेड श्रेणी में रखा गया। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के एक अच्छे सत्र के साथ चैंपियनशिप की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 13 पारियों में 35.40 की औसत से 354 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक भी शामिल था।

जय शाह ईमानदार और अच्छे इंसान हैं : गांगुली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के अध्यक्ष के रूप में अपने घटनाप्रधान कार्यकाल को याद करते हुए सौरव गांगुली ने खुलासा किया कि उन्हें बोर्ड के तत्कालीन सचिव और वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अध्यक्ष जय शाह से 'एक खास तरह की सख्ती और जिद्दीपन' की उम्मीद थी लेकिन वह उनकी 'ईमानदारी' और चीजों को व्यवस्थित करने के तरीके से प्रभावित थे। गांगुली और शाह अक्टूबर 2019 से सितंबर 2022 तक दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड में सहकर्मी रहे थे। यह कोविड-19 महामारी का दौर था जिसके कारण कुछ महीनों के लिए खेल गतिविधियां ठप्प पड़ गई थीं। गांगुली ने इंटरव्यू में कहा, 'उनका (जय शाह) काम करने का अपना तरीका था लेकिन उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह थी कि वह भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए चीजों को सही तरह से व्यवस्थित करना चाहते थे।' इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'देखिए, उनके पास ताकत थी, समर्थन था, इसलिए आप उनसे एक खास तरह की सख्ती और जिद्दीपन की उम्मीद करते थे लेकिन उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काफी कुछ किया।' यह पहला अवसर था जबकि गांगुली और शाह दोनों BCCI में एक साथ किसी पद पर थे। इससे पहले गांगुली बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जबकि शाह गुजरात क्रिकेट संघ में पदाधिकारी थे। गांगुली की जगह 2022 में एक अन्य पूर्व टेस्ट खिलाड़ी रोजर बिन्नी को BCCI का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि शाह नवंबर 2024 तक सचिव बने रहे।

वेस्टइंडीज ने 12 साल बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती टी20 सीरीज

मैथ्यूज का अर्धशतक

बारबाडोस। कप्तान हेली मैथ्यूज ने निर्णायक मैच में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रदर्शन करके अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया जिससे वेस्टइंडीज ने केव हिल में तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर 12 साल का सूखा खत्म करते हुए सीरीज जीती। मैथ्यूज (50 गेंदों पर 65 रन) ने शानदार अर्धशतक बनाया और वेस्टइंडीज की रन चेज को गति दी जिसमें शेमेन कैम्पबेल (38 गेंदों पर 42 रन) ने बेहतरीन जोड़ीदार साबित हुए। इससे कैरेबियाई टीम ने 9 गेंद शेष रहते दक्षिण अफ्रीका के 147/6 के स्कोर को हासिल कर लिया। इसकी मदद से वेस्टइंडीज ने प्रोटियाज पर 2-1 से सीरीज जीत दर्ज की, जो 2013 की शुरुआत के बाद पहली बार था जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को द्विपक्षीय टी20 सीरीज में हराया था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने मियाने स्मिथ के पहले टी20 अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। लेकिन जवाब में मैथ्यूज ने शानदार खेल दिखाया और 9 चौके और एक छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को जीत के करीब पहुंचा दिया। मैथ्यूज 16वें ओवर में 65 रन पर सुने लुस का शिकार बनीं, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कुछ उम्मीद बंधी, लेकिन चिनेल हेनरी (नाबाद 20) ने अपना अनुभव दिखाते हुए मेजबान टीम को जीत दिलाई।

सकारात्मक चीजें सीखने को मिलीं :लॉरा वोल्वार्ड्ट

सीरीज हारने से निराश होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे से उनकी टीम को कई सकारात्मक चीजें सीखने को मिलीं। उन्होंने कहा, 'आज के परिणाम से निराश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि हमने काफी रन बनाए हैं। लेकिन हमने अपनी गेंदबाजी लाइन सही नहीं की, उन्होंने विकेट के चौकोर हिस्से पर बहुत सारे रन बनाए और हमने कुछ छोटी-छोटी चीजें गलत कीं। लेकिन हेले ने इतना अच्छा खेला कि उसे आउट करना मुश्किल है।' वोल्वार्ड्ट ने कहा, 'कुल मिलाकर इस दौरे में मुझे लगा कि हमने कुछ अच्छी युवा प्रतिभाएं खोज निकाली हैं, जिन्होंने अपना योगदान दिया और टीम के लिए अच्छा योगदान दिया।'

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित

लिटन दास की वापसी सहित पांच बदलाव

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की सीरीज से पहले पांच बदलावों के तहत वनडे टीम की घोषणा की है। बांग्लादेश की वनडे टीम में लिटन दास की वापसी हुई है। महमूदुल्लाह ने अंतरराष्ट्रीय और मुशफिकुर रहीम के वनडे से संन्यास के बाद बदलाव की जरूरत पड़ी। वनडे सीरीज 2, 5 और 8 जुलाई को होगी। पहले दो मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे जबकि अंतिम मैच पल्लेकेले में खेला जाएगा। मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन ने बताया कि लिटन को हाल ही में बांग्लादेश के टी20 कप्तान के रूप में नियुक्त किए जाने के कारण वापस लाया गया है। हालांकि लिटन का हालिया वनडे फॉर्म निराशाजनक रहा था, उन्होंने दिसंबर 2023 में न्यूजीलैंड दौरे और दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज दौरे के बीच आठ मैचों में सिर्फ 35 रन बनाए जिसके कारण उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया। अशरफ ने कहा, 'लिटन दास खराब दौर से गुजर रहे थे, लेकिन समय ही सबसे अच्छा मरहम है।

इस सत्र में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है : नीरज चोपड़ा

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। चोपड़ा मंगलवार को यहां गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं।

हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की

चोपड़ा ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरुआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं।

● तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने निम्बर्क (चेक गणराज्य) में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं यहां ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं।'

दिलीप दोषी के निधन पर सचिन तेंदुलकर का भावुक पोस्ट

नई दिल्ली। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वालेसचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेट समुदाय ने बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 77 साल के थे। तेंदुलकर ने 1990 के इंग्लैंड दौरे में दोशी के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'मैं दिलीप भाई से पहली बार 1990 में ब्रिटेन में मिला था और उस दौरे पर उन्होंने मुझे नेट्स पर गेंदबाजी की थी। वह मुझसे बहुत प्यार करते थे और मैंने भी उनकी भावनाओं का सम्मान किया।

राहुल द्रविड़ के बड़े रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं ऋषभ पंत : मांजरेकर

लीड्स। भारत के उप-कप्तान ऋषभ पंत सोमवार को टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने विकेटकीपर-बल्लेबाज की बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा कि पांच मैचों की सीरीज के अंत तक पंत इंग्लैंड की धरती पर सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीयों की सूची में पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ से आगे निकल सकते हैं। पहली पारी में शानदार 134 रनों की पारी खेलने के बाद पंत ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर अपना आठवां टेस्ट शतक बनाया। इस बीच पंत टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले सातवें भारतीय बन गए और विजय हजारे, सुनील गावस्कर (तीन बार), राहुल द्रविड़ (दो बार), विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए।

वह ऋषभ पंत जैसा विकेटकीपर नहीं है !

इसके अलावा 27 वर्षीय खिलाड़ी इंग्लैंड में लगातार पांच बार 50 से अधिक रन बनाने वाले मेहमान बल्लेबाजों में डॉन ब्रैडमैन, हैंसी क्रोनिए, शिवनारायण चंद्रपॉल, कुमार संगकारा और डेरिल मिशेल की सूची में शामिल हो गए हैं। इस सूची में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (सात) सबसे ऊपर हैं।

मांजरेकर ने कहा, 'जब आप ऋषभ पंत की सभी उपलब्धियों को देखते हैं, तो पहली प्रवृत्ति उन्हें एक बल्लेबाज के रूप में सोचना है और यह समझ में आता है क्योंकि जब आप इंग्लैंड में बल्लेबाजी के कारनामों की बात करते हैं, जिसमें दोहरे शतक बनाना शामिल है, तो उनकी तुलना दिलीप वेंगसरकर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों से की जाती है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन यहां उल्लेखनीय बात यह है कि वह एक विकेटकीपर भी हैं। यही बात इसे लगभग अविश्वसनीय बनाती है। मैं जानता हूं कि कुमार संगकारा जैसे खिलाड़ी का बल्लेबाजी रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वह ऋषभ पंत जैसा विकेटकीपर नहीं है।' हेडिंग्ले टेस्ट में अपने दो शतकों के साथ पंत के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या चार हो गई है, जो द्रविड़ से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर पंत इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'पंत इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली और आखिरी पसंद हैं और यह बहुत कुछ कहता है। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ राहुल द्रविड़ सबसे आगे हैं।

चौथे दिन दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118

अम्पायर के निर्णय पर असहमति जताने पर ऋषभ पंत को लगी फटकार

लीड्स। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के साथ चल रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन अंपायर के निर्णय पर नाराजगी जताने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ओर से फटकार लगाई गई। यह घटना इंग्लैंड की पारी के 61वें ओवर में उस समय घटित हुई जब हैरी ब्रूक और बेन स्टोक्स बल्लेबाजी कर रहे थे। पंत को गेंद के बारे में अंपायरों से चर्चा करते देखा गया। जब अंपायरों ने गेंद गेज से जांच के बाद गेंद बदलने से इनकार कर दिया, तो पंत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंक दिया।

ऐतिहासिक शतक के बाद गावस्कर ने ऋषभ पंत से गुलाटी मारने को कहा

लीड्स। सुनील गावस्कर और ऋषभ पंत ने सोमवार को हेडिंग्ले में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के चौथे दिन सोशल मीडिया पर वायरल पलों को जारी रखा। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पहली पारी में शानदार 134 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 118 रन बनाए और दोनों पारियों में शतक बनाने वाले पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए। वह इंग्लैंड में एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले एकमात्र भारतीय भी हैं।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पंत के प्रतिष्ठित कलाबाजी जश्न ने हाल के दिनों में काफी लोगों का ध्यान खींचा है, खासकर उनकी पहली पारी के शतक के बाद जब उन्होंने गुलाटी मारकर जश्न मनाया था। हालांकि, उप-कप्तान ने अपना आठवां टेस्ट शतक पूरा करने के बाद वैसा नहीं किया। गावस्कर ने पंत से गुलाटी मारकर जश्न मनाने को कहा। लेकिन पंत ने उन्हें रिप्लाई करते हुए इशारों में अलगी बार ऐसा करने को कहा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मैच की बात करें तो दिन के शुरुआती ओवर में ब्रायडन कार्से द्वारा भारत के कप्तान शुभमन गिल के आउट होने के बाद पंत क्रीज पर आए। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पारी की शुरुआत हमेशा की तरह आक्रामक और अपरंपरागत अंदाज में की, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को समझा और उनका सम्मान किया। लंच से पहले 59 गेंदों पर 31 रन बनाने के बाद उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों, खासकर शोएब बशीर पर हमला बोला और 130 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। हालांकि वह 118 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन इससे भारत को 370 का स्कोर करने में मदद मिली। इंग्लैंड ने चौथे दिन की समाप्ति तक बिना विकेट खोए 21 रन बनाए और अब उसे जीत के लिए 350 रन चाहिए। वहीं भारत को जीत के लिए 10 विकेट्स की जरूरत है और एक दिन बचा है।

मीना कुमारी की बायोपिक के लिए कियारा से चल रही है बातचीत

बन सकती है कमबैक फिल्म

बॉलीवुड की ट्रैजेडी क्वीन मीना कुमारी की बायोपिक का जबसे ऐलान हुआ है, तबसे फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मची हुई है। इस प्रोजेक्ट के राइट्स प्रोड्यूसर सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। लेकिन अभी तक उस एक्ट्रेस के नाम का ऐलान नहीं हुआ है जो बायोपिक में मीना कुमारी का किरदार निभाएगी मीना कुमारी के एक्स हस्बैंड और महान फिल्मकार कमाल अमरोही की भूमिका में कौन-सा एक्टर होगा, इसको लेकर भी अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है।

पिंकविला को फिल्म से जुड़ों सूत्रों ने बताया है कि इस बायोपिक के लिए मेकर्स कियारा आडवाणी से बात कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि डायरेक्टर और क्रिएटिव टीम को कियारा की ग्रेस और इमोशनल डेप्थ मीना कुमारी के किरदार के लिए सही लग रही है। उन्होंने कियारा को फिल्म की स्क्रिप्ट भी सुना दी गई है और उन्हें स्क्रिप्ट पसंद भी आई है, लेकिन अभी तक उन्होंने हां नहीं कहा है। अगर कियारा इस फिल्म के लिए हामी भरती हैं, तो यह उनकी मैटरनिटी ब्रेक के बाद पहली फिल्म होगी, जिसे लेकर फैंस में खासा उत्साह है। मीना कुमारी जैसे क्लासिक और इमोशन–ड्रिवन किरदार को निभाना कियारा के करियर की सबसे बड़ी चुनौती और उपलब्धि बन सकता है। इस समय कियारा के पास 'वॉर 2' और 'टॉक्सिक' जैसे हाई स्कोप प्रोजेक्ट्स हैं, जो उनकी एक्टिंग रेंज को पूरी तरह उजागर करेंगे।

'दुनिया के सबसे अच्छे ससुराल वाले, मुझे यह लड़का दिया'

पहली एनिवर्सरी पर सोनाक्षी सिन्हा ने क्या-क्या गिनाया

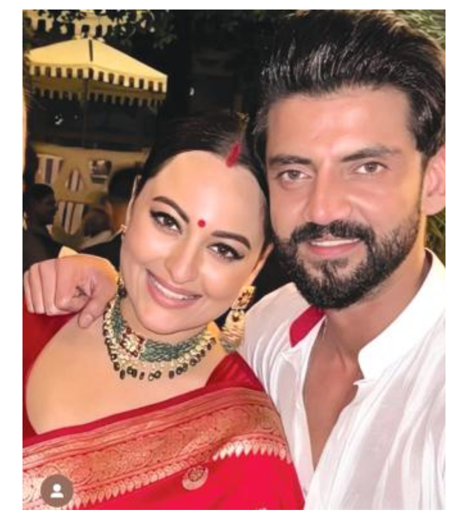

सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल की शादी को आज सोमवार 23 जून को एक साल पूरा हो गया। इस मौके पर सोनाक्षी ने सेलिब्रेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं और उन्होंने कहा कि उनके ससुराल वाले दुनिया के सबसे अच्छे लोग हैं। वे उन्हें खूब प्यार करते हैं और हर वक्त उनका साथ देते हैं। इस खास मौके पर सोनाक्षी ने नया गाना 'मस्तानी' रिलीज किया है, जिसमें उनकी शादी की झलकियां हैं। सोनाक्षी ने अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सभी सालगिरह का जश्न मनाते दिख रहे हैं। तस्वीर में जहीर इकबाल बैठे हुए हैं और उनके चारों तरफ पिंक, सिल्वर और वाइट कलर के गुब्बारे लगे हुए हैं। उन गुब्बारों पर लिखा है, 'वी लव यू'। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'दुनिया के सबसे अच्छे ससुराल वाले, पहले तो मुझे यह लड़का दिया फिर ढेर सारा प्यार दिया।' सोनाक्षी और जहीर की शादी 23 जून को मुंबई में हुई। उनकी पहली मुलाकात एक पार्टी में हुई थी, जो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रखी थी।

शोले के ये सीन नहीं देखे थे किसी ने

अब इटली में नए वर्जन के साथ रिलीज हो रही है फिल्म

भारतीय सिनेमा की सबसे खास फिल्मों में से एक, रमेश सिप्पी की 'शोले', अब एक बार फिर विदेशी मंच पर अपनी छाप छोड़ने जा रही है। लेकिन इस बार कहानी कुछ अलग है। यह 'शोले' उस रूप में नहीं है जिसे हमने दशकों से देखा और सराहा है, बल्कि एक पूरी तरह से रिस्टोर किया गया और अनकट वर्जन है, जिसे पहली बार 27 जून, 2025 को इटली के बोलोग्ना शहर में दिखाया जाएगा। यह ऐतिहासिक मौका इटली के फिल्म फेस्टिवल Cinema Ritrovato के हिस्से के रूप में पियाज़ा मैजियोरेमें हजारों की ऑडियंस के बीच होगा। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि इटली में शोले का अलग वर्जन दिखाया जाएगा जो अभी तक नहीं दिखाया गया था। कई ऐसे सीन होंगे जो कभी रिलीज नहीं किए गए। यहां तक की फिल्म के अंत में नयापन है। ये फिल्म खास होने वाली है। भरतीय ऑडियंस को हमेशा से जय वीरू की ये फिल्म उनके किरदारों और दमदार डायलॉग की वजह से याद है। अब इसमें कई नए सीजन भी दिखाए जाएंगे।

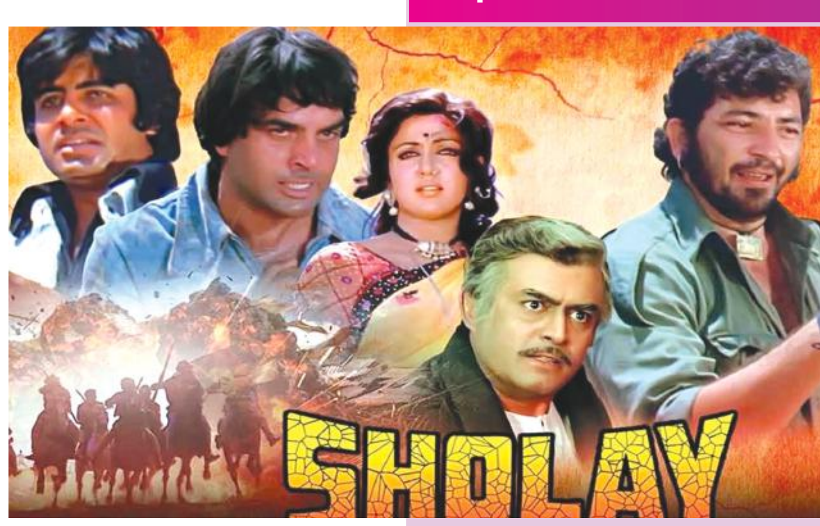

1975 में कई सीन सेंसर बोर्ड के कहने पर हटा दिए गए थे। अब ये सीन देखे जा सकेंगे। इस ऐतिहासिक रिस्टोरेशन के पीछे एक तीन साल की मेहनत बताई जा रही है। फिल्म के ओरिजिनल निगेटिव खराब हो चुके थे, इसलिए टीम ने मुंबई और लंदन में जमा किए इंटरपॉज़िटिव और रंगीन मिडिएट कॉपियों से सीन को दोबारा तैयार किया। इसके बाद फिल्म को 4K क्वालिटी में स्कैन किया गया और पूरी तरह से रीस्टोर किया गया। फिल्म के साउंड ट्रैक पर भी काम किया गया। फिल्म के इस वर्जन से एक्टर्स अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र भी खुश हैं।

फराह खान ने दिलीप के लिए किचन में लगवाया एसी

कुक ने दी जादू की झप्पी

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने अपने व्लॉग्स के जरिए अक्सर अपने कुक दिलीप को फेमस बना दिया है। दिलीप की मासूमियत और मजाकिया अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आता है। इस बार फराह ने दिलीप को एक बड़ा सरप्राइज दिया है, जिससे वह खुशी से फूले नहीं समा रहे। दरअसल, फराह खान ने अपने किचन को पूरी तरह से रेनोवेट करवाया है और खास बात यह है कि उन्होंने इसमें एसी भी लगवाया है, जो दिलीप की बहुत पुरानी ख्वाहिश थी। जब दिलीप अपने गांव बिहार से लौटे, तो उन्होंने देखा कि किचन अब एकदम नया और लग्जरी लुक में तब्दील हो चुका है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए फराह को गले लगा लिया और कहा, "मैम, किचन बहुत अच्छा हो गया।"फराह ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "अच्छा हो गया? जब तुम अपने गांव गए थे तभी बनवाया।" इसके बाद फराह ने दिलीप और अपने दर्शकों को अपने किचन की झलक भी दिखाई, जिसे एक प्रोफेशनल लग्जरी किचन ब्रांड ने रेनोवेट किया है। नया किचन ब्लू और व्हाइट थीम में है, जिस पर फराह ने कहा कि ब्लू उनका फेवरेट और लकी कलर है। किचन की दीवार पर यूट्यूब का गोल्डन और सिल्वर बटन भी सजाया गया है। दिलीप ने मजाक में कहा, "यहां मेरा फोटो लगाना चाहिए था ना।" उनकी ये बात सुनकर फराह और सभी हंसने लगे।

राज कपूर की तरह बन-ठनकर निकले आलिया के पति तो लोगों ने ली चुटकी

'एनिमल' एक्टर रणबीर कपूर का नया लुक लोगों को काफी हैरान कर रहा है। दरअसल उनका एक वीडियो सामने आया है जिसमें रणबीर कपूर अपने दादा जी राज कपूर के अंदाज में दिख रहे हैं। रणबीर को देखकर लोगों को राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का गाना 'आवारा हूं' याद आ रहा और लोग तमाम सवाल पूछते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर नजर आ रहे इस वाडियो में रणबीर कपूर राज कपूर की तरह कपड़े, जूते, टोपी और एक छड़ी में पोटली की तरह लटकाए नजर आ रहे हैं। उनकी पहली झलक देखकर ही वहां मौजूद लोग चीख पड़े। रणबीर को देखते ही कुछ लोगों ने उन्हें – आवारा रणबीर कहकर पुकारना शुरू किया। उनकी बातों को सुनकर रणबीर मुस्कुराते नजर आए। उन्होंने हाथ हिलाकर वहां खड़े लोगों का अभिवादन किया, लेकिन किसी से कोई बात नहीं की। अब रणबीर की इस झलक के बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर लोग तमाम बातें कर रहे हैं। किसी को लग रहा कि रणबीर अपने दादा के पुराने गाने को फिर से नए अंदाज में लाने की तैयारी कर रहे हैं तो किसी ने कहा कि रणबीर का ये लुक कपिल शर्मा के शो के लिए तैयार हुआ है।

मुकेश खन्ना स्टारर टीवी सीरीज शक्तिमान बच्चों का सबसे पसंदीदा प्रोग्राम रहा है। एक्टर ने सालों तक शक्तिमान और गंगाधर बनकर ऑडियंस को एंटरटेन किया और अब इसपर फिल्म बन रही है। रणवीर सिंह इस फिल्म में शक्तिमान का किरदार निभाने वाले हैं।

अल्लू अर्जुन नहीं रणवीर ही होंगे शक्तिमान

मेकर्स ने रिप्लेस करने की खबर को बताया अफवाह

लेकिन हाल में खबर सामने आई थी कि अल्लू अर्जुन इस फिल्म के शक्तिमान होंगे। पुष्पा एक्टर के फैन इस खबर से खुश थे। लेकिन अब मेकर्स ने साफ कर दिया है कि ये सिर्फ अफवाह थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि मिन्नल मुरली के डायरेक्टर और मलयालम फिल्मों के एक्टर बेसिल जोसेफ इस प्रोजेक्ट को बनाएंगे, जिसमें बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह लीड शक्तिमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं अल्लू अर्जुन का नाम सामने आना रणवीर के फैंस के लिए हैरान करने वाली खबर थी। लेकिन प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने कन्फर्म किया कि फिल्म सिर्फ रणवीर के साथ बनाई जाएगी। बॉलीवुड बबल की रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े सूत्र के हवाले से कहा गया है, "शक्तिमान कोई और नहीं कर रहा है। यह रणवीर सिंह ही हैं और कोई और नहीं। जो कोई भी उनके रिप्लेसमेंट की अफवाह फैला रहा है, वो अपना एजेंडा साफ कर रहा है।"बता दें, टीवी पर शक्तिमान का किरदार निभाने वाले एक्टर मुकेश खन्ना पहले ही रणवीर के लिए अपनी ना पसंद जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने रणवीर के चरित्र पर सवाल उठाते हुए उन्हें शक्तिमान के लिए सही पसंद नहीं बताया था। उन्होंने ये भी बताया था कि खुद रणवीर उनके पास उन्हें मनाने आए थे। लेकिन एक्टर ने उनकी कोई बात नहीं सुनी। वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह इन दिनों अपने अगले प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। उनके पास फरहान अख्तर के साथ डॉन 3 है। इसके अलावा साउथ के मेकर्स के साथ भी वो फिल्में कर रहे हैं।

हनिया आमिर को देख भड़के लोग

कहा- कंगना रनौत सही थी दिलजीत देशद्रोही है...

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी कॉमेडी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ऐसे में दिलजीत ने रविवार शाम को 'सरदार जी 3' का ट्रेलर लॉन्च किया। इस ट्रेलर में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हनिया आमिर भी नजर आ रही हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ती अटकलों के बावजूद ट्रेलर में वो लीड रोल में नजर आईं। इस बात को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स काफी भड़के हुए हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म को बॉयकॉट करने की मांग हो रही है। रविवार शाम दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सरदार जी 3' का ट्रेलर लॉन्च किया है। इस ट्रेलर वीडियो को शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, ''सरदार जी 3' 27 जून को केवल विदेशों में रिलीज होगी। फढ़ लाओ भौंड़ दी लत्तन।' भारतीय दर्शकों ने तुरंत नोटिस किया कि देश में ट्रेलर को जियो-ब्लॉक कर दिया गया है। YouTube पर वीडियो चलाने पर यह मैसेज आता है, 'अपलोडर ने यह वीडियो आपके देश में उपलब्ध नहीं कराया है।' दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद खबरें सामने आई थीं कि पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर, जो मुख्य भूमिका निभा रही हैं, को फिल्म से हटा दिया जाएगा। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी और भारत-पाकिस्तान के रिश्ते और भी खराब हो गए थे। हालांकि, ट्रेलर में हानिया की मौजूदगी ने उन अफवाहों पर विराम लगा दिया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद भारत में हनिया का इंस्टाग्राम अकाउंट भी ब्लॉक कर दिया गया है। उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को लेकर विरोधी टिप्पणियां की थीं। 11 जून को फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) से आग्रह किया था कि वह सरदार जी 3 का सर्टिफिकेशन रोक दें क्योंकि, इसमें पाकिस्तानी कलाकार भी शामिल हैं। हनिया आमिर के अलावा, पाकिस्तानी कलाकारों में नासिर चिन्योती, डेनियल खावर और सलीम अलबेला भी फिल्म में हैं।

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और सई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' का लोगों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल फिल्म में हनुमान का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म के बारे में बात करते हुए 'जाट' फेम एक्टर सनी देओल ने कहा कि वह बजरंज बली का किरदार निभाने को लेकर नर्वस हैं। सनी देओल ने रणबीर कपूर की तारीफ की और कहा कि वह जरूर इस किरदार के साथ न्याय करेंगे।

हनुमान का रोल करने को लेकर नर्वस हैं सनी देओल

सनी देओल की आने वाले वक्त में दो फिल्में कतार में हैं जिनमें पहला नाम है आमिर खान प्रोडक्शन्स की लाहौर 1947 का और दूसरा नाम है नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रही रामायण का। सनी देओल ने बताया कि वह जल्द ही रामायण के लिए शूटिंग शुरू कर देंगे। गदर फेम एक्टर ने कहा, ₹जाहिर तौर पर, मैं वह किरदार निभा रहा हूं और यह बहुत एक्साइटिंग और मजेदार होने वाला है। सनी देओल ने कहा कि मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा। मुझे लगता है यह बहुत गजब का और खूबसूरत अनुभव होगा। उन्होंने बताया कि तैयारी के लिए वह जाकर इससे जुड़ी चीजें देखेंगे कि पहले इस तरह का काम किस तरह किया गया है।

विवाद के बीच बोले दिलजीत दोसांझ

देशों के बीच जंग हो सकती है, लेकिन...

भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ विवादों में घिर गए हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'सरदार जी 3' जिसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आएंगी, विवादों का केंद्र बन गई है। यह फिल्म 27 जून को इंटरनेशनल लेवल पर रिलीज होगी, लेकिन भारत में रिलीज नहीं की जाएगी। इसी बीच इस पूरे विवादा पर दिलजीत दोसांझ का रिएक्शन आया है। दिलजीत ने इस विवाद पर सीधा बयान तो नहीं दिया है लेकिन इशारों–इशारों में बहुत कुछ कह दिया है। उन्होंने हाल ही में ग्रैमी इंटरव्यू का एक हिस्सा शेयर किया जिसमें उन्होंने कला की सीमाओं को लेकर बात की। उन्होंने कहा, "देशों के बीच जंग हो सकती है, लेकिन संगीत हमेशा जोड़ने का काम करता है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं कुछ ऐसा काम कर रहा हूं जो प्यार फैलाता है।"उन्होंने आगे कहा, "हम इंसान थोड़े वक्त के लिए आए हैं, इस वक्त को एक–दूसरे से लड़ने में बर्बाद नहीं करना चाहिए। मैं राजनीति से दूर रहना चाहता हूं और वही करना चाहता हूं जो मुझे आता है।" इस बीच, दिलजीत ने फिल्म का एक गाना जिसमें हानिया आमिर नजर आ रही थीं, इंस्टाग्राम से डिलीट कर दिया है।